3 | राजधानी
दोस्तों संग बच्चे चलाएंगे डेंगू के खिलाफ अभियान

9 | विदेश
अभी भी नहीं बदली तालिबान की सोच

10 | स्वास्थ्य
डिब्बाबंद ऑक्सीजन के जरिए जीवन रक्षा

11 | विशेष
कोविड का नया प्रतिरूप 'म्यू'

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 308
नई दिल्ली, रविवार, 19 सितम्बर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चौथी बार एनआरएआई अध्यक्ष चुने गए रनिंदर

स्पोर्ट्स-12

कांग्रेस ने खेला सियासी दांव, अमरिंदर का इस्तीफा

- सीएम ने मंत्रिपरिषद समेत सौंपा त्यागपत्र, भाजपा की तरह गुजरात की तर्ज पर सत्ता विरोधी लहर से निपटने की तैयारी
- विधायक दल ने नए नेता को चुनने की जिम्मेदारी शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ी, रेस में सुनील जाखड़ सबसे आगे
- कैप्टन बोले, अपमानित महसूस कर रहा था इसलिए मुख्यमंत्री पद छोड़ा

अमिताभ शुक्ला। चंडीगढ़

पंजाब में विधानसभा चुनावों में छह महीने से कम समय रह गया है और कांग्रेस ने शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को बदल दिया। उसका मानना है कि दो बार के मुख्यमंत्री के खिलाफ तेज हो रही सत्ता विरोधी लहर को दबाने के लिए यह सबसे बेहतर राजनीतिक विकल्प था। जाहिर है कि कांग्रेस हाई कमान द्वारा लिखी गई यह राजनीतिक स्क्रिप्ट मुख्यमंत्री को रास नहीं आई होगी और उन्होंने नए नेता को चुनने के लिए कांग्रेस विधायक दल की बैठक से पहले रविवार को शाम चार बजे राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को अपना इस्तीफा सौंप दिया। चुनाव तक अंतरिम मुख्यमंत्री बनने की रेस में शामिल शीर्ष नेताओं में राज्य के पूर्व पार्टी अध्यक्ष सुनील जाखड़ का नाम सूची में सबसे ऊपर हैं। इस्तीफा देने के बाद राजभवन के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में कैप्टन ने कहा कि वह अपने साथियों और समर्थकों के साथ बातचीत करने के बाद भविष्य के कदम एवं विकल्प पर फैसला करेंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि फिलहाल वह कांग्रेस में हैं। अमरिंदर सिंह ने कहा कि कांग्रेस अलाकमान जिसे चाहे, उसे मुख्यमंत्री बना सकता है। उन्होंने बताया कि मेरा फैसला आज सुबह हो गया था। मैंने कांग्रेस अध्यक्ष से बात की थी और उनसे कह दिया था कि इस्तीफा दे रहा हूं। सिंह के अनुसार कि कुछ महीनों में यह तीसरी बार हो रहा है। पहले विधायकों को बुलाया, दूसरी बार बुलाया और तीसरी बार बैठक कर रहे हैं। मैं अपमानित महसूस करता हूं। मेरे ऊपर अगर संदेह है तो ऐसे में मैंने फैसला किया कि मुख्यमंत्री पद छोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान को जिस पर भरोसा हो, उसे मुख्यमंत्री बना सकता है। उनके इस्तीफे के बाद हुई विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को अधिकृत किया गया कि वह विधायक दल के नये नेता का चयन करें। यह नया नेता ही पंजाब का अगला मुख्यमंत्री होगा। एआईसीसी महासचिव राज्य (शेष पेज 8)

सीएम के रूप में सिद्धू कबूल नहीं: कैप्टन

मोनिका मलिक। चंडीगढ़

- कद्दावर नेता ने कहा अपने समर्थकों के साथ विचार-विमर्श के बाद अगला कदम उठाएंगे

मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह के तेवर तल्ख हो गए हैं। उन्होंने हार नहीं मानने वाले अंदाज में कहा कि उन्होंने त्यागपत्र दिया है, लेकिन वह हारे नहीं हैं। वह राजनीति में ही रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट ऐलान करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में नवजोत सिंह सिद्धू उन्हें किसी भी कीमत पर कबूल नहीं हैं।

कैप्टन ने कहा कि उनके सारे विकल्प खुले हैं और अपने सहयोगियों-समर्थकों से विचार-विमर्श करने के बाद वह अगला कदम उठाएंगे। राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को अपना और अपनी मंत्रिपरिषद का इस्तीफा सौंपने के कुछ ही मिनट बाद कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि उन्हें कई बार अपमानित किया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल (2002-2007) के पांच साल सहित साढ़े नौ साल तक पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की और उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई, उसे उन्होंने पूरा किया। अमरिंदर ने कहा कि उन्होंने अपने पंजाब और लोगों के लिए जितना हो सका, उतनी मजबूती से काम किया और आगे भी करते रहेंगे। वह झुकने वाले नहीं हैं।

उन्होंने अपना काम पूरा किया, अब अगली जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले दिन में, अमरिंदर ने अपने सरकारी आवास पर दोपहर 2 बजे अपने समर्थक मंत्रियों और विधायकों की बैठक बुलाई थी। हालांकि, कैबिनेट (शेष पेज 8)

बच्चों में कोविड संक्रमण पर निगाह रखें राज्य: केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- त्योहारी सीजन में मॉल, बाजार व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कोविड नियमों के प्रति सख्ती बरतने के निर्देश
- मंत्रालय ने कहा सभी राज्य स्वास्थ्य ढांचे की मजूबती व दवाओं का भंडार सुनिश्चित करें

केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों से कहा है कि वे बच्चों में कोविड संक्रमण के प्रसार पर पूरी तरह निगाह बनाए रखें और ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू, दवाओं का भंडारण तथा अस्पतालों जैसी आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें। कई राज्यों में स्कूल खुलने और आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर केंद्र ने यह दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस समय 15 राज्यों के लगभग 70 जिलों में कोरोना के बढ़ते मामले चिंता का सबब बने हुए हैं। समीक्षा बैठक में शनिवार को केंद्र सरकार ने कहा कि कम से कम 34 जिलों में पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से अधिक और 36 जिलों में यह 5 से 10 प्रतिशत के बीच है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कोविड प्रबंधन और रणनीति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने कहा कि राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश कोविड-19 स्थिति का गहन आकलन करने के साथ ही स्वास्थ्य ढांचे को मजूबत करें तथा आवश्यक दवाओं का भंडार रखें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्मसंतोष के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी अस्पताल में डॉक्टरों-नर्सों की कमी नहीं होनी चाहिए। अन्य देशों में कोविड-19 के कई बार चरम पर पहुंचने संबंधी उदाहरण देते हुए गौबा ने देश के कुछ हिस्सों में उच्च संक्रमण दर पर चिंता जताई। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 11 राज्यों में सीरोटाइप-2 डेंगू संबंधी चुनौती को रेखांकित किया, जो बीमारी के अन्य स्वरूपों के मुकाबले अधिक घातक और जटिलताओं वाला स्वरूप है। उन्होंने सुझाव दिया कि राज्यों को मामलों का शुरू में ही पता लगाने, बुखार हेल्पलाइन स्थापित करने, पर्याप्त मात्रा में जांच किट, लार्वानाशक और दवाओं का भंडार रखने तथा त्वरित जांच के लिए टीमों की तैनाती करने जैसे कदम (शेष पेज 8)

भारत में 80 करोड़ के पार हुआ टीकाकरण: मांडविया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि भारत में अब तक कोविड-19 टीके की 80 करोड़ खुराक दी गई है। कोरोना वायरस के खिलाफ देशव्यापी टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू किया गया था, जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों को पहले चरण में टीका लगाया गया था। मांडविया ने हैशटैग 'वर्ल्ड लार्जेस्ट वैक्सीनेशन ड्राइव' (दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान) का उपयोग करते हुए ट्वीट लिखा कि कोविड-19 के खिलाफ मजबूती से खड़े रहना। भारत में टीके की 80 करोड़ खुराक दी गई। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए देश को बधाई। देश में शक्रवार को 24 घंटे में 2.5 करोड़ खुराक दी गई, जो एक दिन में दी गई खुराकों का अब तक सबसे बड़ा आंकड़ा है। मांडविया ने इसे विश्व इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में वर्णित किया। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत को 10 करोड़ के टीकाकरण के आंकड़े को छूने में 85 दिन, 20 करोड़ के आंकड़े को पार करने में 45 दिन और 30 करोड़ के आंकड़े तक पहुंचने में 29 दिन और लगे। मंत्रालय ने कहा कि देश को 30 करोड़ खुराक से 40 करोड़ तक पहुंचने में 24 दिन लगे और फिर छह अगस्त को 50 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा पार करने में 20 दिन लगे। उसने कहा कि 60 करोड़ के आंकड़े को पार करने में 19 दिन और लगे और सात सितंबर को 60 करोड़ से 70 करोड़ तक पहुंचने में केवल 13 दिन लगे। खुराकों की कुल संख्या 13 सितंबर को 75 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई।

सात लड़कियों की तालाब में डूबने से हुई मौत

भाषा। लातेहार

झारखंड के लातेहार जिले में आदिवासी पर्व करमा पूजन के बाद डाली का विसर्जन करने गई 10 लड़कियों की टोली में से सात लड़कियों की शनिवार को तलाब में डूबने से मौत हो गई। इनमें से छह बच्चियां एक ही परिवार की थीं। यह जानकारी लातेहार के उपायुक्त अबू इमरान ने दी। वहीं, इस घटना पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शोक व्यक्त किया है। उपायुक्त बताया कि घटना शनिवार दोपहर लगभग 12 बजे के करीब जिले के बालूमाथ प्रखंड में शेरागड़ा पंचायत के बुकरू गांव के मननडीह में घटी। इमरान ने बताया कि सभी मृत लड़कियों के शव तालाब से निकाल लिए गए हैं और उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मृत सभी लड़कियों की उम्र 12 वर्ष से 20 के बीच है। उपायुक्त ने बताया कि मौके पर राहत एवं बचाव कार्य के बाद मामले की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं और पूरी घटना की जांच उप उपायुक्त सुरेन्द्र (शेष पेज 8)

सुप्रियो भाजपा छोड़ टीएमसी में

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

- जुलाई में फेरबदल के दौरान केंद्र सरकार से हटाए जाने पर स्पष्ट रुप से जाहिर की थी नाराजगी

केंद्रीय मंत्रिपरिषद से हटाए जाने के बाद कई हफ्तों तक कभी नरम तो कभी गरम तेवर दिखाने वाले भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का दामन थामकर लोगों को चौंका दिया।

आसनसोल संसदीय सीट से दो बार के सांसद सुप्रियो ने पूर्व में कहा था कि वह राजनीति छोड़ देंगे। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने बाद में उन्हें लोकसभा का सदस्य बने रहने के लिए मना लिया था। गायिकी से सियासत का रुख करने वाले सुप्रियो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और राज्यसभा सदस्य व प्रवक्ता डेरेक ओ ब्रायन की मौजूदगी में टीएमसी (शेष पेज 8)

अमेरिकी सेना ने ड्रोन हमले में 10 निर्दोष अफगानों के मारे जाने की बात कबूली

वाशिंगटन। अमेरिका की सेना ने माना है कि अफगानिस्तान से उसके सैनिकों की वापसी से कुछ दिन पहले एक जानलेवा ड्रोन हमला उसकी भयावह गलती थी क्योंकि इसमें आईएसआईएस-के के आतंकवादियों के बजाय सात बच्चों समेत 10 बेगुनाह अफगान नागरिक मारे गए थे। अमेरिका की मध्य कमान के कमांडर जनरल केनेथ फ्रैंक मैक्केंजी ने 29 अगस्त के हमले की जांच के नतीजों पर पत्रकारों से यह भी कहा कि ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त हुए वाहन और मारे गए लोगों के इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवांत-खुरासन से जुड़े होने या अमेरिकी सेना के लिए कोई प्रत्यक्ष खतरा होने की आशंका नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालांकि इस हमले को इस्लामिक स्टेट के हमले के बाद हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जमीनी हालात के संदर्भ में ही समझा जाए। हवाईअड्डे पर हुए हमले में अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए थे और 100 से अधिक नागरिकों ने जान गंवाई थी। साथ ही खुफिया अधिकारियों ने एक और आसन्न हमले का संकेत दिया था। (विस्तृत पेज 11)

सोनू सूद और सहयोगियों ने 20 करोड़ की कर चोरी की: सीबीडीटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को आरोप लगाया कि अभिनेता सोनू सूद और उनके सहयोगियों ने 20 करोड़ रुपए कर की चोरी की है। बोर्ड ने यह भी आरोप लगाया कि जब आयकर विभाग ने उनके और उनसे जुड़े लखनऊ स्थित एक अवसंरचना समूह के परिसरों पर छापा मारा, तो यह पाया गया कि उन्होंने अपनी बिना हिसाब की आय को कई फर्जी संस्थाओं से फर्जी असुरक्षित ऋण के रूप में दर्शाया।

उसने सूद पर विदेशों से चंदा जुटाने के दौरान विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया। आयकर विभाग ने 48 वर्षीय अभिनेता और लखनऊस्थित कारोबारी समूह के परिसरों पर 15 सितंबर को छापे मारे थे और सीबीडीटी ने बताया कि छापेमारी अभी जारी है। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा, अभिनेता और उनके सहयोगियों के परिसरों की छापेमारी के दौरान कर चोरी से संबंधित साक्ष्य मिले हैं। उसने कहा, अभिनेता द्वारा अपनाई जाने वाली मुख्य कार्य प्रणाली यह थी कि वह अपनी बेहिसाब आय को कई फर्जी संस्थाओं से फर्जी असुरक्षित ऋण के रूप में तब्दील करते थे। बयान में बताया गया कि अब तक इस प्रकार की 20 प्रविष्टियों के उपयोग की जानकारी मिली है और जांच के दौरान इनके प्रदाताओं ने फर्जी प्रविष्टियां (खातों में लेन देन की प्रविष्टियां) मुहैया कराने की बात स्वीकार की है।

कर विभाग के लिए नीति बनाने वाले निकाय ने कहा, उन्होंने (प्रविष्टयां मुहैया कराने वालों ने) नकद के बदले चेक जारी करने की बात स्वीकार की है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब कर चोरी के उद्देश्य से बही खातों में ऋण के रूप में रसीदों को छिपाया गया (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	59,015	
निफ्टी	17,585	
सोना	45,207	/10g
चांदी	60,183	/kg

क्विक न्यूज

कोविड प्रोटोकॉल के साथ चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून। महामारी की दूसरी लहर की वजह से महीनों तक निलंबित रहने के बाद उत्तराखंड में हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में स्थित चार पवित्र धामों की यात्रा कोविड प्रोटोकॉल के साथ शनिवार से शुरू हो गई। देवस्थानम बोर्ड के मीडिया प्रभारी हरीश गौड़ ने बताया कि यात्रा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुपालन सुनिश्चित करने संबंधी प्रबंधों के बीच आसपास के गांवों से श्रद्धालुओं ने आज सुबह मंदिरों में पहुंचना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों पर सीसीटीवी के जरिए नजर रखी जा रही है, जिससे कि यह पता चल सके कि कहीं कोविड-19 प्रोटोकॉल का कोई उल्लंघन तो नहीं हो रहा है। तीर्थयात्रियों को चार धामों-बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के गर्भ गृह में जाने की अनुमति नहीं है।

रास उपचुनावों के लिए भाजपा ने दो नामों का किया ऐलान

- असम से कैबिनेट मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और राज्य मंत्री एल मुरुगन मध्य प्रदेश से लड़ेंगे चुनाव

दीपक कुमार उप्रेती। नई दिल्ली

भाजपा ने शनिवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए दो उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इनमें कैबिनेट मंत्री सर्बानंद सोनोवाल असम और राज्य मंत्री एल मुरुगन मध्य प्रदेश से चुनाव लगेंगे। उपचुनाव के लिए मतदान 4 अक्टूबर को होगा। सोनोवाल इस वक्त केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग के साथ-साथ आयुष मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। मुरुगन सूचना और प्रसारण के कनिष्ठ मंत्री हैं। सोनोवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में असम विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस साल मई में उन्होंने मुख्यमंत्री पद हिमंत बिस्वा सरमा के लिए छोड़ दिया। इसके एवज में सोनोवाल को 7 जुलाई को मोदी कैबिनेट में शामिल किया गया।

मुरुगन तमिलनाडु इकाई के भाजपा अध्यक्ष थे। दोनों नेताओं को अगले साल की शुरुआत में समाप्त होने वाली छह महीने की अवधि से पहले उच्च सदन के लिए चुने जाने की आवश्यकता थी। उच्च सदन में कुल छह सीटें खाली हैं। इनमें दो तमिलनाडु से तथा बंगाल, असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से एक-एक सीट है। पश्चिम बंगाल से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सुष्मिता देव को नामित किया है, जिन्होंने हाल ही में आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए कांग्रेस छोड़ दी थी।

मंदिर निर्माण के लिए राजनाथ को सौंपा गया 115 देशों का जल

- रक्षामंत्री बोले-यह वसुधैव कुटुंबकम की सोच को दर्शाता है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए सात महाद्वीपों के 115 देशों से जल लाने का विचार अनूठा है और यह वसुधैव कुटुंबकम के संदेश को झलकाता है।

सिंह ने अकबर रोड स्थित अपने आवास पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय तथा डेनमार्क, फिजी तथा नाइजीरिया समेत अनेक देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों की मौजूदगी में 115 देशों की नदियों, झरनों और समुद्रों का जल प्राप्त किया। भाजपा नेता और दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक विजय जॉली की अगुवाई में एनजीओ दिल्ली स्टडी सर्किल ने जल एकत्रित किया। जॉली के प्रयासों की सराहना करते हुए सिंह ने कहा, दुनिया के सभी देशों से जल लाने से भारत की वसुधैव कुटुंबकम की सोच झलकती है। 115 देशों से जल लाना एक उत्कृष्ट कार्य है। मुझे आशा है कि मंदिर निर्माण पूरा होने से पहले बाकी 77 देशों से भी जल लाया जाएगा। हम इस जल से अपने राम लला का जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण सभी के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति बहुत समृद्ध है और भारत में जाति, वर्ण और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। इस अवसर पर राय ने कहा कि दुनिया के अनेक देशों से जल लाना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, अयोध्या में एक सप्तसागर है। माना जाता है कि त्रेता युग में भगवान राम के राज्यतिलक के दौरान दुनिया के सभी सागरों का जल लाया गया था।

और आज जब उनके जन्मस्थान पर उनका मंदिर बनाया जा रहा है तो दुनिया के सभी समुद्रों का जल एक बार फिर लाया गया है। यह हमारे लिए भावनात्मक विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर की नींव का पहला चरण पूरा हो गया है। जॉली ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान जब लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल सके तो उनके संगठन ने दुनिया के 115 देशों से पानी एकत्रित किया। उन्होंने कहा, केवल हिंदुओं ने ही नहीं, बल्कि दुनिया भर के मुस्लिम, सिख, ईसाई, यहूदी और बौद्ध धर्म के लोगों ने इस पवित्र काम में योगदान दिया है।

राष्ट्र सेवा के 20 वर्ष

सोच ईमानदार काम दमदार

बदलाव के

4.5 वर्ष

19 सितम्बर, 2021

आओ मनाएं विकास उत्सव

17 सितम्बर - 7 अक्टूबर, 2021

किसान कल्याण मिशन | मिशन रोज़गार | मिशन शक्ति

अन्नपूर्णा | एक जनपद एक उत्पाद | INVEST UP

- देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर
- प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी हुई
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में देश में दूसरा स्थान
- ₹3 लाख करोड़ से अधिक की निवेश परियोजनाएं प्रारम्भ 5 लाख नए रोजगार के अवसर
- वर्ष 2017 में बेरोजगारी दर 17.5% थी, जो अब घटकर 4.1% रह गई

विकास की लहर हर गांव-हर शहर

किसान हित सर्वोपरि

• ₹1.44 लाख करोड़ गन्ना मूल्य का रिकॉर्ड भुगतान • ₹36,000 करोड़ से किसानों का कर्ज माफ • एम.एस.पी. पर खाद्यान्न की रिकॉर्ड खरीद, किसानों को ₹79,000 करोड़ का भुगतान • पी.एम. किसान सम्मान निधि से किसानों को ₹37,521 करोड़ हस्तांतरित • प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में किसानों को ₹2,376 करोड़ की क्षतिपूर्ति • किसानों को ₹4 लाख 72 हजार करोड़ फसली ऋण का भुगतान • कृषि निवेशों पर देय अनुदान राशि ₹2,151.30 करोड़ हस्तांतरित • 13 सिंचाई परियोजनाएं पूर्ण, 3.77 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता में वृद्धि

निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से रिकॉर्ड रोजगार

• 4.50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी • 3.50 लाख युवाओं की संविदा पर नियुक्ति • 82 लाख एमएसएमई इकाइयों में 2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार • एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) योजना से 25 लाख लोगों को रोजगार • 1.50 करोड़ से अधिक श्रमिकों को मनरेगा में रोजगार

भय एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश

• जीरो टॉलरेन्स नीति से अपराधों में रिकॉर्ड कमी • माफियाओं द्वारा अवैध ढंग से अर्जित ₹1866 करोड़ से अधिक की सम्पत्तियां जब्त/ध्वस्त • बेहतर पुलिसिंग के लिए लखनऊ, नोएडा, कानपुर नगर व वाराणसी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू

हर बेघर को घर, हर घर बिजली, हर घर नल और मुफ़्त रसोई गैस कनेक्शन

• प्रधानमंत्री आवास योजना में 42 लाख से अधिक आवासों का निर्माण • मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) में 1,08,495 आवासों का निर्माण • 1.41 करोड़ घरों तक पहुंची बिजली • 30,000 ग्राम पंचायतों में शुद्ध पेयजल की योजना • 2.61 करोड़ शौचालयों का निर्माण, 10 करोड़ लोग लाभान्वित • 1.67 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला योजना में नि:शुल्क गैस कनेक्शन

मुफ़्त टेस्टिंग-मुफ़्त टीका-मुफ़्त इलाज-मुफ़्त राशन

• 7.61 करोड़ से अधिक कोरोना टेस्टिंग, देश में सर्वाधिक • 9.50 करोड़ से अधिक टीकाकरण, देश में प्रथम • चिकित्सालयों में कोरोना का मुफ़्त इलाज • प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना में कुल 6.90 करोड़ से अधिक लोगों का 5 लाख रुपए का बीमा कवर • 15 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ़्त राशन

एक जनपद-एक मेडिकल कॉलेज की ओर मेडिकल शिक्षा और रोजगार के बढ़े अवसर

• 59 जनपदों में न्यूनतम एक मेडिकल कॉलेज क्रियाशील • 16 जनपदों में पी.पी.पी. मॉडल पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना प्रक्रिया प्रारंभ • गोरखपुर और रायबरेली में एम्स का संचालन • लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय का निर्माण प्रारम्भ • गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण प्रारम्भ

शिक्षा से प्रगति, देश की उन्नति

• 'मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना' के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों को नि:शुल्क कोचिंग सुविधा • 1.38 लाख सरकारी स्कूलों का कायाकल्प • 7 नए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना • 16 नए निजी विश्वविद्यालय • 1 लाख 50 हजार से अधिक शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मियों की नियुक्ति

महिलाएं बनीं विकास में भागीदार

• 1.50 लाख महिलाओं को सरकारी नौकरी • बालिकाओं को स्नातक तक नि:शुल्क शिक्षा • मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से 10.01 लाख बेटियां लाभान्वित • मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 1.52 लाख से अधिक कन्याओं का विवाह • 55,964 महिलाएं बैंकिंग सखी के रूप में नियुक्त • ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) परिवार की महिला सदस्य के नाम • 10 लाख स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 1 करोड़ महिलाओं को रोजगार • 29 लाख 68 हजार निराश्रित महिलाओं को पेंशन

देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट्स एवं मेट्रो

• 4 नए एक्सप्रेस-वे • 14,471 किमी. सड़कों का चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण • 3,49,274 किमी. सड़कों का गड्ढामुक्तिकरण तथा 15,246 किमी. नई सड़कों का निर्माण • 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट • 8 एयरपोर्ट संचालित, 13 अन्य एयरपोर्ट व 7 हवाई पट्टी का विकास • 10 शहरों में मेट्रो परियोजना • डिफेंस कॉरिडोर का कार्य गतिमान

नजफगढ़ से ढांसा बस स्टैंड तक मेट्रो शुरू

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी व सीएम केजरीवाल ने ग्रे लाइन कॉरिडोर का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नजफगढ़ से ढांसा बस स्टैंड तक विस्तारित दिल्ली मेट्रो का ग्रे लाइन कॉरिडोर शनिवार को यात्रियों के लिए खोल दिया गया। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से हरी झंडी दिखाकर मेट्रो लाइन का उद्घाटन किया। ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन के खुलने से बाहरी दिल्ली के लाखों लोगों के साथ-साथ हरियाणा आने-जाने वालों को भी फायदा होगा।

मेट्रो रूट हालांकि सवा किलोमीटर का है, लेकिन इसका इतना बड़ा प्रभाव पड़ेगा कि लोगों को अब चौक क्रॉस करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब ग्रे लाइन कॉरिडोर चार स्टेशनों के साथ 6.10 किमी लंबा हो गया है। इस पर द्वारका, नंगली, नजफगढ़ और ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन हैं। द्वारका में एक इंटरचेंज के साथ ग्रे लाइन नजफगढ़ और धनसांड से शहर के विभिन्न हिस्सों को जोड़ेगी। बाहरी दिल्ली के लोग अब अपने घर के पास से मेट्रो में बैठकर नोएडा और गाजियाबाद तक सफर कर सकते हैं। ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन को रंगीन कलाकृति से सजाया गया है, जो क्षेत्र की स्थानीय संस्कृति, जीवन शैली और समृद्ध जैव विविधता को खूबसूरती से दर्शाता है।

ढांसा बस स्टैंड मेट्रो स्टेशन दिल्ली मेट्रो नेटवर्क का पहला ऐसा भूमिगत मेट्रो स्टेशन है, जिसमें वाहनों के लिए भूमिगत पार्किंग भी है। पार्किंग को मुख्य स्टेशन क्षेत्र के साथ जोड़ा गया है, जहां वाहनों का उपयोग करने वाले लोग अपनी कारों और दोपहिया वाहनों को खड़ा कर सीधे स्टेशन में प्रवेश कर जाएंगे। यहां लिफ्ट और एलिवेटर लगे हैं।

वर्तमान में, दिल्ली मेट्रो परियोजना के चौथे चरण का विस्तार तीन प्रमुख कॉरिडोर मजलिस पार्क से मौजपुर, जनकपुर पश्चिम से आरके आश्रम मार्ग और दिल्ली एयरोसिटी से तुगलकाबाद तक निर्माणाधीन है। यह पूरा होने के बाद, चौथे चरण के कॉरिडोर बाहरी इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी के भीड़भाड़ वाले आंतरिक इलाकों को कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे। उद्घाटन के मौके पर भारत में जापान के राजदूत सतोशी सुजुकी, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत, डीएमआरसी के एमडी डॉ. मंगू सिंह भी मौजूद थे।

वर्षों पुरानी समस्या का समाधान पचास गांवों को होगा फायदा : मुख्यमंत्री

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान वादा किया था और सरकार बनने के तुरंत बाद ढांसा बस स्टैंड के मेट्रो स्ट्रेच को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नजफगढ़ क्षेत्र में आसपास के लगभग 50 ऐसे गांव हैं, जहां से रोज लोग दिल्ली काम करने के लिए आते हैं। उन लोगों को नजफगढ़ में जो फिरनी चौक है, वह क्रॉस करके दिल्ली गेट आना पड़ता था। उसकी वजह से फिरनी चौक पर बहुत भीषण जाम लगता था। अब यहां हर मुसीबत का समाधान हो गया है।

तिहाड़ जेल के अधिकारी के आवास के बाहर गोलीबारी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल के सहायक कारागार अधीक्षक के अलीपुर इलाके में स्थित पैतृक घर के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने कथित रूप से गोलीबारी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि तिहाड़ केंद्रीय कारा संख्या तीन में पदस्थापित सहायक कारा अधीक्षक जेल परिसर में स्थित सरकारी आवास में रहते हैं, जबकि उनके बुजुर्ग माता-पिता अलीपुर इलाके में स्थित घर में रहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, कारा अधिकारी ने कथित रूप से एक कैदी को थप्पड़ मारा था और इस बात की आशंका है कि यह घटना इसी का परिणाम है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (बाहरी-उत्तर) राजीव रंजन सिंह ने बताया कि पुलिस के अनुसार बाइक सवार दोनों व्यक्ति मास्क लगाये हुए थे और उन्होंने हेलमेट पहन रखे थे। भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में हत्या के प्रयास के अलावा सशस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब को बंद करने के आदेश

प्रशासन ने कहा- कोविड-19 मानदंडों का किया गया उल्लंघन

डीएसजीएमसी के निवर्तमान अध्यक्ष ने जताई कड़ी नाराजगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चाणक्यपुरी जिला प्रशासन ने कोविड-19 मानदंडों के कथित उल्लंघन मामले में यहां गुरुद्वारा बंगला साहिब को बंद करने का आदेश दिया है। प्रशासन के इस आदेश के बाद दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के निवर्तमान अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

चाणक्यपुरी के उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने 16 सितंबर को यह आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि कार्यकारी मजिस्ट्रेट (चाणक्यपुरी) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में पाया गया कि बंगला साहिब गुरुद्वारे के प्रबंधन ने डीडीएमए के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए गुरुद्वारे के अंदर आगंतुकों/अरदास की अनुमति दी। आदेश में बंगला साहिब गुरुद्वारे को तत्काल प्रभाव से आगंतुकों के लिए बंद करने को कहा गया है।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने पूर्व में धार्मिक स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया था, लेकिन कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के वास्ते आगंतुकों के प्रवेश को अनुमति नहीं दी थी।

इस बीच, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (डीएसजीएमसी) के निवर्तमान प्रमुख मनजिंदर सिंह सिरसा ने चाणक्यपुरी एसडीएम के आदेश पर नाराजगी जताई और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जिले के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि एसडीएम का यह निर्णय गलत है। हम इसकी निंदा करते हैं और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से संबंधित डीसी और एसडीएम गीता ग्रोवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हैं। सिरसा ने कहा कि उस गुरुद्वारे को बंद करने का आदेश जारी किया गया है, जिसने कोविड-19 की दूसरी लहर और लॉकडाउन के दौरान 'लंगर' (मुफ्त भोजन सेवा) का आयोजन तथा मरीजों के लिए बिस्तरों की व्यवस्था कर कई लोगों की मदद की है।

कोविड नियम तोड़ने पर 2.90 लाख लोगों के चालान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इस साल 19 अप्रैल से 17 सितंबर के बीच करीब छह माह के दौरान कोविड-19 से संबंधित विभिन्न दिशानिर्देशों के उल्लंघन के लिए 2.90 लाख से अधिक चालान जारी किए हैं, जिनमें से अधिकतम मास्क न लगाने को लेकर हैं। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में कोविड से संबंधित नियमों के विभिन्न उल्लंघनों के लिए 2,91,423 चालान जारी किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि कुल चालानों में से अधिकतम 2,56,616 मास्क नहीं लगाने वालों के हैं। इसके बाद 29,698 चालान एक-दूसरे से दूरी के नियम का उल्लंघन करने के मामले में जारी किए गए हैं। वहीं बड़ी जनसभाएं व कार्यक्रम करने पर 1,463 चालान जारी किए गए हैं।

टैरेस या खुली छत पर सशर्त खाना परोस सकेंगे रेस्त्रां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खाद्य प्रतिष्ठानों को लेना होगा एनओसी

पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने निगम क्षेत्र में रेस्त्रां को टैरेस या खुली छत का इस्तेमाल खाना परोसने के लिए करने की शनिवार को मंजूरी प्रदान की है। हालांकि नागरिकों के हितों और सुरक्षा के मद्देनजर कुछ शर्तों का पालन करना जरूरी होगा। इसके साथ ही खाद्य प्रतिष्ठानों को भवन स्वामी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी लेना होगा।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा जारी नीति के मुताबिक, खाना परोसने के लिए इस्तेमाल की जा रही खुली छत या टैरेस को खाद्य प्रतिष्ठानों द्वारा स्थायी या अस्थायी रूप से ढ़का नहीं जा सकेगा। इससे राहगीरों या आसपास के भवनों को असुविधा भी नहीं होनी चाहिए। नीति के मुताबिक, टैरेस या खुली छत का इस्तेमाल किचन या खाना बनाने या उससे संबंधित तैयारी करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

लाइसेंस प्राप्त खाद्य प्रतिष्ठान अगर टैरेस को खाना परोसने के लिए इस्तेमाल करना चाह रहे हैं तो उन्हें अग्निशमन विभाग से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। खाना परोसने के लिए टैरेस या खुली छत के इस्तेमाल के लिए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ और शर्तें भी रखी है।

दिल्ली दंगा : धार्मिक स्थल पर आगजनी मामले में आरोप तय

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने पिछले साल दंगों के दौरान कथित तौर पर धार्मिक स्थल पर आगजनी, मकानों और दुकानों में तोड़फोड़ करने तथा लूटपाट के लिए दो लोगों के खिलाफ दंगा, आगजनी और संपत्ति को क्षति के आरोप तय किए हैं।

आरोपपत्र के अनुसार आरोपी गौरव ने 24 फरवरी 2020 को भजनपुरा इलाके में पेट्रोल बम से एक धार्मिक स्थल में कथित तौर पर आग लगा दी, जबकि आरोपी प्रशांत मल्होत्रा ने उसी क्षेत्र में दुकानों, मकानों और वाहनों में तोड़फोड़ और लूटपाट की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए और उनके वकीलों की मौजूदगी में उन्हें स्थानीय भाषा में समझाया।

आरोपी ने अपराध में शामिल नहीं होने की दलीलें दी और मामले में मुकदमे का सामने करने की बात कही। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी दंगाई भीड़ का हिस्सा थे।

दोस्तों संग बच्चे चलाएंगे डेंगू के खिलाफ अभियान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार का '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट' मुहिम को घर-घर पहुंचाने पर जोर

डेंगू मच्छरों को समाप्त करने और उनके लार्वा को पनपने देने से रोकने के लिए रविवार सुबह दिल्ली के बच्चों का हमला होगा। ये बच्चे डेंगू के लार्वा को समाप्त करने के साथ ही अपने दोस्तों को फोन कर उनको भी साफ-सफाई के लिए प्रेरित करेंगे। दिल्ली सरकार द्वारा डेंगू के खिलाफ चलाए जा रहे '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट, हर रविवार डेंगू पर वार' अभियान के तहत इस सप्ताह दिल्ली के सभी बच्चे बढ़चढ़ कर इस अभियान में हिस्सा लेंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी बच्चों को इस अभियान में बढ़चढ़ कर भागीदारी सुनिश्ति करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमें अपनी दिल्ली को डेंगू से बचाने के लिए हर रविवार को 10 मिनट होमवर्क करना है। इस होमवर्क में हमें अपने घर और आसपास में चेंकिंग करनी है कि कहीं साफ पानी इकट्ठा तो नहीं, अगर है तो उसे उड़ेल दें, बदल दें या उसमें तेल डाल दें। साथ ही, अपने दोस्तों को भी फोन करके इस अभियान में हिस्सा लेने को कहें।

दिल्ली सरकार द्वारा डेंगे के खिलाफ चलाए जा रहे महा अभियान की इस सप्ताह की थीम दिल्ली के बच्चे हैं और इस थीम को 'आओ बच्चों डेंगू को सबक सिखाएं, 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट अपनाएं' और '10 बजे, 10 हफ्ते, 10 मिनट, हर रविवार डेंगू पर वार, प्यारे बच्चों हो जाओ तैयार, डेंगू पर करने को वार' टैग लाइन दी गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमें अपनी दिल्ली को डेंगू से बचाने के लिए हर रविवार को 10 मिनट होमवर्क करना है। इस होमवर्क में हमें अपने घर और आसपास में चेंकिंग करनी है कि कहीं साफ पानी इकट्ठा तो नहीं, अगर है तो उसे उड़ेल दें, बदल दें या उसमें तेल डाल दें।

बिल्डर नहीं माने तो खाली फ्लैट, क्लब हाउस और सेल्स ऑफिस होंगे सील

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● ऋतु माहेश्वरी ने अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन को सोसाइटी हस्तांतरण नहीं करने और आईएफएमएस का पैसा नहीं देने पर सख्ती बरतने का निर्णय लिया

सीईओ ऋतु माहेश्वरी

नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु माहेश्वरी ने बड़ा फैसला लिया है। ऋ तु माहेश्वरी ने अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन को सोसाइटी हस्तांतरण नहीं करने और आईएफएमएस का पैसा नहीं देने पर बिल्डरों के खिलाफ सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। इन दोनों ही मामलों में बिल्डरों को 30 सितंबर तक का समय दिया गया है।

ऐसा नहीं करने पर उनकी सोसाइटियों में बिना बिके फ्लैटों को सील कर दिया जाएगा। इसके अलावा जिन सोसाइटी में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट सक्रिय नहीं मिले तो उनके सेल ऑफिस और क्लब हाउस सील किए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं से जुड़े बिल्डरों महागुन ग्रुप, प्रतीक, आरजी रेजीडेंसी एटीएस सुपरटेक सनशाइन इन्फ्रवेल प्राइवेट लिमिटेड और परफेक्ट प्रोपबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े मुद्दों पर बैठक की। इस हाउसिंग प्रोजेक्ट में बिल्डर और खरीदारों के बीच विवाद चल रहे हैं।

ऋ तु महेश्वरी ने एओए की समस्याओं के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में सीईओ ने कहा कि यदि सोसाइटी में प्रमोटर्स ने एओए गठित होने के बावजूद साझा क्षेत्रों और सुविधाओं का हस्तांतरण नहीं किया तो कार्रवाई होगी।

सीईओ ने अफसरों को आदेश दिया कि बिल्डर से बातचीत करके 30 सितंबर से पहले हस्तांतरण सुनिश्चित करें। महागुन एटीएस सुपरटेक और सनशाइन बिल्डर की परियोजनाओं में एओए को साझा क्षेत्रों का हस्तांतरण कर दिया गया है लेकिन आईएफएमएस फंड नहीं दिया गया है। इन सारे मामलों में 30 सितंबर तक फंड का भुगतान एओए को करवाया जाए।

यदि बिल्डर तय समय में आदेशों का पालन नहीं करता है तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। सीईओ ने आदेश दिया कि बिल्डरों के बिना बिके फ्लैटों और अन्य संपत्ति को सील कर दिया जाए।

सीईओ ने कहा कि जिन परियोजनाओं में एसटीपी सुचारू रूप से क्रियाशील नहीं हैं, उनमें बिल्डर के सेल्स ऑफिस और क्लब हाउस को सील कर दिया जाए।

मदरसन कंपनी की तेज रफ्तार बस पलटी, एक महिला कर्मचारी की मौत

नोएडा। कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता गोलचक्कर पर शनिवार सुबह मदरसन कंपनी की महिला कर्मचारियों को कंपनी लेकर जा रही तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गयी। हादसे में बस में सवार 4 महिलाएं घायल हो गईं जबकि एक 20 वर्षीय युवती की मौत हो गयी।

बस में कंपनी की करीब 30 महिला कर्मचारी सवार थीं। बस महिला कर्मचारियों को हापुड के धौलाना से नोएडा लेकर आ रही थी। ग्रेटर नोएडा की कोतवाली सूरजपुर क्षेत्र के तिलपता गोलचक्कर पर बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में सवार महिलाओं ने बताया कि चालक तेज रफ्तार में बस चला रहा था। तिलपता गोलचक्कर के पास उसे नींद की झपकी आ गई जिसके चलते तेज रफ्तार बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह दुर्घटनाग्रस्त बस में फंसी महिलाओं को बाहर निकाला।

21 सितंबर को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का घेराव करेंगे किसान, बनाई रणनीति

● दस प्रतिशत भूखंड व रोजगार देने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

अपनी मांगों को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दायरे वाले गांवों के किसान 21 सितंबर को अथॉरिटी का घेराव करेंगे। इस संबंध में आज किसानों ने डाढा डाबरा बिरोण्डा और बिरौंडी गांव में पंचायत की।

पंचायत में किसानों ने घेराव को लेकर रणनीति बनाई। इस मौके पर इन गांवों के सैकड़ों किसान मौजूद रहे। पंचायत को सम्बोधित करते हुए ओमवीर भाटी नेताजी ने कहा कि शासन व प्राधिकरण किसानों के 10 प्रतिशत विकसित भूखंड, एसआईटी जांच को सरकार से मंजूरी और स्थानीय लोगों को रोजगार जैसे मुख्य मुद्दों के समाधान की बजाए उलझाने का कार्य कर रहा है। क्षेत्र के किसानों को हर बार आश्वासन देकर गुमराह किया जाता है। इन मसलों का समाधान नहीं हो रहा है। जिससे क्षेत्र के किसान आक्रोशित हैं। एसआईटी जांच, 10 प्रतिशत विकसित भूखंड और शिफ्टिंग पॉलिसी शासन स्तर पर लम्बित है। लेकिन क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व प्रदेश सरकार किसानों के मुद्दों पर चुप्पी साधे बैठी है।

पवन शर्मा ने कहा कि किसानों की आबादी और 10 प्रतिशत प्लॉट का हक देने की बजाए प्राधिकरण किसानों की आबादी तोडने व नोटिस भेजने का काम कर रहा है। ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी के अन्तर्गत आने वाले गांवों के विकास की स्थिति यह है कि गांव स्लम बनते जा रहे हैं। पंचायत को सम्बोधित करते हुए किसान संघर्ष समिति के प्रवक्ता मनवीर भाटी ने कहाए किसान हर हाल में अपनी आबादी 10 प्रतिशत विकसित भूखण्ड और रोजगार का हक लेकर रहेंगे।

मनवीर भाटी ने किसानों से 21 सितम्बर को अधिक से अधिक संख्या में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के घेराव के लिए पहुंचने का आह्वान किया। आज हुई पंचायत में वीर सिंह मास्टर कपिल गुर्जर विकास नागर सुबोध प्रधान बिजेन्द्र प्रधान रवि प्रधान पप्पू भाटी कंवरलाल भाटी राकेश शर्मा राजू भाटी विजयपाल सतेंद्र भाटी प्रमोद भाटी भूले भाटी ओमवीर तेज सिंह भाटी हीरालाल बाबा मुंशी हवलदार राम सिंह प्रवीण आदि उपस्थित रहे।

दुकानदार से मारपीट, थाना प्रभारी निलंबित

● वीडियो वायल होने के बाद हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना प्रभारी

कौशांबी मेट्रो स्टेशन पर चाय कॉफी शॉप के मालिक व उसके नौकर के साथ मारपीट करने वाले कौशांबी थाने के प्रभारी निरीक्षक महेंद्र सिंह को एसएसपी पवन कुमार ने सस्पेंड कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यह कार्रवाई कॉफी बनाने वाले शख्स व उसके नौकर के साथ मारपीट का वायरल वीडियो वायरल होने के बाद की है।

पुलिस की निरंकुशता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जिसमें कौशाम्बी थाना प्रभारी महेंद्र सिंह कुछ पुलिसकर्मियों के साथ कॉफी की दुकान में घुसते हैं और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट करते हुए बाहर ले जाते हैं।

इसके बाद पुलिस की काफी किरकिरी हुई और मामला संज्ञान में आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक में यह कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पवन कुमार ने शनिवार की सुबह बताया कि महेंद्र सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना कौशांबी के विरुद्ध आरोप है कि 16 सितम्बर को कौशांबी मेट्रो पर चाय ,कॉफी बनाने वाले व उसके नौकर के साथ बेवजह मारपीट एवं गाली गलौज कर उनसे रिश्वत की मांग की।

उन्होंने कहा कि मारपीट करने संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना इस प्रकार कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं शिथिलता का उदाहरण है। लिंक रोड थाने में तैनात मुख्य आरक्षी महिपाल सिंह को भी निलंबित किया गया है। महिपाल पर आईपीसी के तहत दर्ज मामले में बिना थाना प्रभारी व उच्चाधिकारियों को अवगत कराएं अवैधानिक रूप से मदद करने का आरोप है।

एक्सप्रेसवे के मरम्मत की डेडलाइन पांचवी बार बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर मरम्मत कार्य की डेडलाइन फिर बढ़ा दी गई है। अब इसे 30 नवंबर तक पूरा कराए जाने का आदेश दिया गया है। इससे पहले सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने अक्टूबर तक इस एक्सप्रेसवे की मरम्मत का काम पूरा कर यातायात को सामान्य ढंग से बहाल करने का आदेश दिया था।

मगर अब नई तिथि तय की गई है। जबकि एक्सप्रेसवे पर रोजाना हजारों वाहन सुबह.शाम भारी ट्रैफ्फिक का दबाव झेल रहे हैं। बताते चलें कि नोएडा.ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर 20 किलोमीटर सड़क की मरम्मत का काम चल रहा है।

अब तक 5 बार इसकी डेडलाइन बदली गई है। पहले अगस्त में इस परियोजना का काम अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन पिछले 1 महीने से बारिश की वजह से काम में बाधा आई है। इसलिए अब अक्टूबर से हटाकर नवंबर की तिथि कर दी गई है। बताते चलें कि सबसे पहले इस मरम्मत कार्य को 2 जून तक पूरा करने के लक्ष्य के साथ काम शुरू हुआ था।

दो दिन से लगातार बढ़े रहे डेंगू के मामले

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। 3 दिन पहले तक जनपद में डेंगू के सिर्फ2 मरीज मिले थे। लेकिन बीते 2 दिन में 11 और मामलों की पुष्टि हुई है।

इसके साथ ही जिले में डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या 13 हो गई है। हालांकि वेक्टरजनित रोगों को लेकर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। स्वास्थ्य विभाग हर संदिग्ध निवासी में स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस की जांच कर रहा है।

दरअसल आईसीएमआर की रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि पूरे राज्य में 100 से अधिक लोगों की मौत की वजह डेंगू स्क्रब टाइफस और लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी है।

यमुना प्राधिकरण ने बड़े औद्योगिक भूखंड आवंटन के नियम बदले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● एक मुश्त पैसा जमा करने वालों को मिलेगी प्राथमिकता

यमुना प्राधिकरण ने बड़े औद्योगिक भूखंडों के आवंटन के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है।

नए नियमों के मुताबिक अब एक मुश्त पैसा जमा करने वाले आवेदकों को प्राथमिकता के आधार पर भूखंड मिलेगा। नए नियम 4000 वर्ग मीटर से बड़े औद्योगिक भूखंडों पर लागू होंगे। नोएडा इंटरनेशनल जेवर एयरपोर्ट आने के बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निवेशकों का रुझान बढ़ा है। यहां पर उद्योग लगाने के लिए उद्यमी भूखंडों का आवंटन कर आ रहे हैं। यमुना प्राधिकरण ने कलस्टर के रूप में उद्योगों को विकसित करने की योजना बनाई है और उस पर अमल शुरू हो गया है।

यमुना प्राधिकरण ने बड़े औद्योगिक भूखंडों के आवंटन के नियमों में बदलाव किया है। इसके लिए नियम बन गए हैं और प्राधिकरण के बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है। आने वाली योजनाओं में नए नियमों के तहत भूखंड का आवंटन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

इंडिया हैबिटेट सेंटर के पाम कोर्ट आर्ट गैलरी में प्रदर्शनी में दिल्ली प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू एवं केंद्र राज्यमंत्री विधि एवं न्याय एस.पी. सिंह बघेल व अन्य।

राष्ट्रवाद को समर्पित पोट्रेट्स एग्जिबिशन का आगाज

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र अमृत-महोत्सव मना रहा है। इस सुनहरे अवसर को चिह्नित करने और देश के नायकों के बलिदान की याद में गुरुवार 16 सितंबर को इंडिया हैबिटेट सेंटर के पाम कोर्ट आर्ट गैलरी में कमल आर्ट गैलरी द्वारा 23 देशभक्त नायक-नायायिकों की पोट्रेट्स की पांचदिवसीय प्रदर्शनी 'भारत माता और भारत के नायक' का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि दिल्ली प्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष आदेश गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू एवं केंद्र राज्यमंत्री विधि एवं न्याय एसपी सिंह बघेल ने किया। एग्जिबिशन में मौजूद प्रख्यात आर्टिस्ट पवन वर्मा शाहीन तथा कमल आर्ट गैलरी के डायरेक्टर कमल चिब द्वारा मौजूद सभी को अमृत-महोत्सव एवं माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी की जन्मदिन की ढेरों बधाई देकर की गई। प्रधानमंत्री का समर्थन करने और देश में राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने के लिए इस प्रदर्शनी का 16 सितंबर से 20 सितंबर तक इंडियन हैबिटेट सेंटर के पाम कोर्ट आर्ट गैलरी किया जा रहा है।

वेटरन्स सुपर लीग में खेलेंगे पूर्व खिलाड़ी

नई दिल्ली। एशियाई फुटबॉल के पूर्व खिलाड़ी जो 40 साल से अधिक के हो गए हैं एकबार फिर से वेटरन सुपर लीग 2021 में खेलते दिखाई देंगे। वाल्डोना स्पोर्ट्स मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के निदेशक दानिश परवेज खान ने बताया कि एशियाई फुटबॉल के सभी दिग्गजों, , जिन्होंने खेल से संन्यास ले लिया है उनकी की भावना का जश्न मनाने व खेल में वापसी करेंगे। इनमें भारत, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका और नेपाल सहित 5 एशियाई देशों की 16 प्रतिष्ठित टीमों के 320 से अधिक खिलाड़ी 12 दिसंबर 2021 से 2 जनवरी 2022 तक डॉ. अंबेडकर स्टेडियम, नई दिल्ली में शुरू होने वाले भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट में 16 प्रतिष्ठित टीमों के 320 से अधिक खिलाड़ी वीएसएल 2021 में भाग लेंगे। वेटरन सुपर लीग के उद्घाटन समारोह में सनी लियोन के शानदार प्रदर्शन के साथ एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा।

संस्था ने महिलाओं को किया सम्मानित

नोएडा। ग्राम निठारी स्थित बी एस मेमोरिया पब्लिक स्कूल में सखा एक पहल संस्था द्वारा अपने प्रथम वार्षिकोत्सव के अवसर पर उन महिलाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने कोरोना काल को आपदा ना मानकर उसको अवसर बना अपनी कढ़ाई बुनाई की प्रतिभा से खुद की समाज में एक अलग पहचान बनाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एडीसीपी रणविजय सिंह ने सभी महिलाओं को सम्मानित करते हुए कहा की विभा चुघ और अधिवक्ता सुकृति चौहान ने ऐसी आपदा की घड़ी में महिलाओं को अपने पैरो पर खड़ा करके एक अनोखी मिसाल पेश की। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि सलोनी रमानी और वंदना वर्मा ने कहा की सखा एक बड़ा ही धर्मार्थ का कार्य कर रही है। इस अवसर पर रेखा शर्मा, हेमंत रुद्र, अनिल गोस्वामी, सीमा गोस्वामी, शिवानी गर्ग, अभिनव कांसल, मुकेश चुघ, इरफान, अर्जुन प्रजापति, राजेश अंबावता, अविनाश सिंह, नेहा, सुधीर राय, द्रौपदी, लक्ष्मी, मंजू, आदि मौजूद थे।

हाईवे जाम कर हंगामा करने वाले 18 नामजद

नोएडा। कोतवाली बादलपुर क्षेत्र के सादोपुर गांव में रहने वाली छात्रा स्वाति बुधवार को अपने घर से प्रेमी अनिमेष तिवारी के साथ जनपद गोंडा स्थित उसके घर चली गई थी।

परिजनों ने पुलिस को उसके अपहरण की झूठी सूचना देकर जाम लगा दिया था। जांच के दौरान पुलिस ने लड़की को उसके प्रेमी के साथ गोंडा से बरामद किया था। पुलिस गोंडा से बरामद छात्रा को लेकर चली थी और शनिवार सुबह ग्रेटर नोएडा पहुंच कर उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 18 नामजद सहित करीब 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अशोक सिंघल की जयंती पर दिव्यांगों को निशुल्क उपकरण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल की जयंती के अवसर पर 27 सितंबर 2021 को अयोध्या के कारसेवकपुरम दिव्यांगजनों के लिए आयोजित निशुल्क सहायता शिविर में अंग एवं उपकरण का वितरण किया जाएगा।

यह आयोजन अशोक सिंघल फाउंडेशन, विश्व हिंदू परिषद, एम2के फाउंडेशन और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर के संयुक्त संयोजन होगा। शिविर में दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायता उपकरण जैसे-ट्राईसाइकिल, बैसाखी एवं श्रवण यंत्र के साथ ही दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग जैसे बनावटी हाथ, बनावटी पैर व कैलीपर्स आदि नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके लिए लाभार्थी को अपना अग्रिम पंजीकरण अयोध्या के विकास भवन के कक्ष संख्या 08 में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, अयोध्या में शिविर आयोजन की तिथि से पूर्व सम्पर्क कर आवेदन कर सकते हैं।

सीएम योगी ग्रेनो को दे सकते है बड़ी सौगात

● राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सद्भावना भवन का शिलान्यास करेंगे मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

22 सितंबर को ग्रेटर नोएडा आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शहर और गांवों के लोगों को कई बड़ी उम्मीदें हैं। उनका मानना है कि सीएम इस इलाके के निवासियों को कई बड़ी सौगातें देकर जाएंगे। दादरी से भारतीय जनता पार्टी के गुर्जर विधायक तेजपाल नागर सीएम के दौरे को लेकर सक्रिय हैं।

ग्रेटर नोएडा प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कई अहम बातें बतायीं। दरअसल 22 सितंबर को सीएम योगी ग्रेटर नोएडा के दादरी के मिहिर भोज कॉलेज में सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण करने आएंगे। इस मौके पर योगी आदित्यनाथ जिले के लोगों को कई चीजों की सौगात देंगे। वह दादरी इलाके में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सद्भावना भवन और तीन प्रयोगशाला का शिलान्यास करेंगे। साथ ही स्टेट यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा कर सकते हैं।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत, पति पर दहेज हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कवि नगर थाना क्षेत्र के बमहैटा में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जब उसके मायके वालों को इसकी जानकारी हुई तो गांव आ पहुंचे और पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की खातिर हत्या करने का आरोप लगाते हुए कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस क्षेत्राधिकारी अंशु जैन ने बताया कि बमहैटा निवासी रिंकू यादव की शादी बुलंदशहर के आकाश यादव की बहन के साथ पिछले साल नवम्बर में हुई थी। आकाश यादव की बहन सोनू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई । उन्होंने कहा पुलिस मामले की जांच कर रही है। आकाश यादव ने बताया कि शादी के दौरान उन्होंने अपनी बहन को हैसियत से कहीं दान दहेज दिया था। लेकिन ससुराल पक्ष के लोग इससे खुश नहीं थे।

दहेज में नगदी व स्कॉर्पियो कार की मांग कर रहे थे। जब उन्होंने उनकी मांग पूरी करने में असमर्थता जताई तो वे लोग सोनू का उत्पीड़न करने लगे और उसके साथ

विवाहिता की फाइल फोटो

आए दिन मारपीट होने लगी । जिसके चलते सोनू केवल एक बार 15 दिन और दूसरी बार 15 दिन ससुराल में रह पाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने जहर देकर सोनू की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतका सोनू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपितों की गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया।

ट्विन टावर मामला: एसआईटी की जांच पूरी

● प्राधिकरण ने ध्वस्तीकरण के लिए कंपनियों से मांगा सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सुपरटेक एमेरॉल्ड कोर्ट ट्विन टॉवर्स मामले में एसआईटी ने नोएडा प्राधिकरण से सभी संबंधित साक्ष्य मांग लिए हैं।

एसआईटी ने प्राधिकरण से कोई रिकॉर्ड नहीं मांगा। माना जा रहा है कि किसी भी दिन एसआईटी रिपोर्ट फाइनल कर शासन को सौंप सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी से 1 हफ्ते में रिपोर्ट सबमिट करने का आदेश दिया था। लेकिन टीम के गठन को 2 सप्ताह से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। ऐसे में जांच रिपोर्ट जल्दी पेश करने का दबाव टीम पर भी है। सुपरटेक एमेरॉल्ड कोर्ट ट्विन्स टॉवर मामले में एसआईटी ने नोएडा प्राधिकरण कार्यालय पर 4 दिन तक जांच की थी। टीम ने मौके पर जाकर ट्विन टॉवर्स और आसपास की सोसाइटी का जायजा लिया था।

पिछले हफ्ते ही एसआईटी वापस लौटी थी। तब अपने साथ ज्यादा रिकॉर्ड लेकर गई थी। लखनऊ जाने के बाद भी कुछ एक और रिकॉर्ड मंगाए जाते रहे। नियोजन और कार्मिक विभाग के अफ सर और कर्मचारी एसआईटी को जरूरी जानकारी देते रहे।

रैपिड रेल प्रोजेक्ट: विद्युत आपूर्ति के कार्यों में आई तेजी

● आरआरटीएस वायडक्ट पर इलेक्ट्रिकल ओएचई के इन्स्टालेशन शुरू

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद।

रैपिड रेल प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य लगातार गति पकड़ रहा है। इसी कड़ी में आरआरटीएस कॉरिडॉर के 17 किमी लंबे प्रायोरटी सेक्शन में सिविल निर्माण के साथ आरआरटीएस वायडक्ट पर इलैक्ट्रिकल ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) के इन्स्टालेशन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरीडोर देश का प्रथम रैपिड रेल कॉरीडोर है जो एनसीआर में परिवहन के ग्रीन मोड के रूप में काम करेगा।

इलेक्ट्रिक ट्रैकशन से चलने वाली रेल आधारित परिवहन प्रणाली होने के कारण इसमें सड़क पर चलने वाले वाहनों में इस्तेमाल होने वाले जीवाश्म ईंधन की तुलना में 1/5 वीं ईंधन की खपत होगी। उन्होंने बताया कि ओएचईवो विद्युत उपकरण होते हैं जिसके द्वारा ट्रेन मे विद्युत की आपूर्ति होती है और जिससे ट्रेन चलती है। एनसीआरटीसी देश में पहली बार 180 कीमपीएचके डिजाइन स्पीड वाले उच्च गति व आवृति वाले आरआरटीएस का निर्माण कर रहा है। जिसके लिए उपयुक्त इलेक्ट्रिकल ओवेरहेड ईक्विपमेंट, मास्ट व अन्य उपकरण विशेष प्रकार से डिजाइन किए गए है और बनाए जा रहे जो एलिवेटेड सेक्शन के लिए मौजूदा 25 केवी ट्रेक्शन सिस्टम का एक उन्नत संस्करण होगा।

वत्स ने बताया कि ओएचई इन्स्टालेशन प्रक्रिया ऊंचाई पर की जाती है और काम करते समय कई तरह की सावधानियां बरती जाती है। एनसीआरटीसी इन सभी कार्यों को करने के पहले उचित सुरक्षा ऑडिट कराता है और एक्स्पर्ट्स के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य पूरे किये जाते है। ओएचई इस्टालेशन के बाद ट्रेन चलाने के लिए आगे की प्रक्रिया और आवश्यक टेस्टिंग की जाएगी।

वैश्विक अध्ययन केंद्र का उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में शनिवार, 18 सितंबर 2021 को वैश्विक अध्ययन केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रो. पीसी जोशी ने किया।

पूर्व में यह केंद्र विकासशील राज्य शोध केंद्र के रूप में जाना जाता था। इस अवसर पर निदेशक दक्षिणी परिसर सुमन कुंडु, महाविद्यालय अधिष्ठाता प्रो बलराम पाणी तथा कुलसचिव डॉ विकास गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर केंद्र के निदेशक प्रो सुनील के चौधरी ने समकालीन वैश्विक समय में केंद्र को विकासशील से विकसित बनाने की आवश्यकता को इंगित किया। कुलपति ने वैश्विक अध्ययन केंद्र को चुनाव अध्ययन एवं भारतीय राजनीति के विषयों से आगे बढ़ते हुए वैश्विक विषयों पर शोध को बढ़ावा दिए जाने का सुझाव दिया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक: नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

स्ट्रीट लाइटें खराब, शाम होते ही अंधेरे में डूब जाते हैं औद्योगिक क्षेत्र

कविता। फरीदाबाद

शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित कारखानों में लाखों मजदूर काम करते हैं, लेकिन उद्योगों द्वारा करोड़ों रुपये का टैक्स देने के बाद भी नगर निगम की लापरवाही के कारण शाम ढलते ही औद्योगिक क्षेत्रों के ज्यादातर हिस्से अंधेरे में डूब जाते हैं। जिससे लाखों मजदूरों को हर रोज परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी तरफ आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, लेकिन इन इलाकों की तरफ नगर निगम अथवा स्मार्ट सिटी प्राइवेट लिमिटे के अधिकारी ध्यान

शहर में खम्भे तो लगे हुए हैं, लेकिन खराब स्ट्रीट लाइटें हो गई गायब

ही नहीं दे रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक सेक्टर-24, 25, 58 और 56, सरूरपुर में स्थापित उद्योगों में लाखों की संख्या में मजदूर काम करते हैं, लेकिन इन सेक्टरों में मौजूद ज्यादातर सड़कें रात होते ही अंधेरे में छिप जाती हैं। 24 घंटे चालू रहने वाले उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों को अंधेरे

से गुजर कर जाने को मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि यहां स्ट्रीट लाइटें खराब होने से अंधेरा छाया रहता है। जिस कारण कई बार तो उनके साथ बड़ी घटनाएं तक घटित हो जाती हैं।

लाइट ही नहीं हैं

स्मार्ट सिटी लिमिटेड शहर की लाइटों को ऑटोमेटिक करने की योजना तो बना रही है, लेकिन जिन इलाकों में लाइट नहीं है, उनका क्या होगा, इसका जवाब न तो स्मार्ट सिटी के पास है न ही नगर निगम के अधिकारी के पास।

कागजों में सब जगह स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं। लेकिन सड़कों से लाइटें गायब हैं। नगर निगम की लापरवाही से सरकार को सबसे अधिक राजस्व देने वाली औद्योगिक नगरी पिछले काफी समय से रात के समय अंधेरे में डूब जाती है।

अंधेरे का सफर

सर्दियों के मौसम में रात को सड़कों पर अंधेरा होने से यहां काम करने वाले हजारों मजदूरों को पैदल चलने में भी परेशानी होती है, क्योंकि यहां न तो सड़क पर फुटपाथ है और न ही किसी तरह की कोई स्ट्रीट लाइट, जिससे वह वाहनों की चपेट में आकर घायल हो जाते हैं या फिर अपनी जान से हाथ धो बैठते हैं। सर्वाधिक परेशानी सेक्टर-24, 25, 58, 56, सरूरपुर और सोहना रोड के आसपास बने उद्योगों में काम करने वाले मजदूरों को हो रही है। स्ट्रीट लाइटें न होने से अंधेरे में यहां से गुजरते वाहनों की चपेट में आने से वह अपनी जान से हाथ धो रहे हैं। सड़कों पर पसरे अंधेरे से यहां रात का सफर काफी खतरनाक हो जाता है।

कूड़ा मुक्त शहर के लिए बेंगलुरु की संस्था के साथ काम करेगा निगम

बिना किसी खर्चे के नगर निगम फरीदाबाद के साथ जुड़ काम करेगी जनाग्रह संस्था

वार्ड समितियों के गठन और कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का किया आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वार्ड समितियों के गठन और कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप के बारे में जनाग्रह संस्था (बैंगलोर) द्वारा चाटर्ड एकाउन्टेंट बिल्डिंग में कार्यशाला का आयोजन किया गया। उसके लिए जनाग्रह संस्था जो बैंगलोर की संस्था है उनसे नगर निगम द्वारा समझौता (एमओयू) हुआ है और जो कि बिना किसी खर्चे के नगर निगम फरीदाबाद के साथ जुड़ यह संस्था काम करेंगी।

जनाग्रह जो संस्था है वह बैंगलोर में 198 वार्ड कमेटियों के साथ काम कर रही है इन्होंने उसके बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का उद्घाटन नगर निगम के आयुक्त यशपाल यादव ने दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यशाला में चाटर्ड एकाउन्टेंट, वार्ड समिति के सदस्यों, अन्य संस्थाओं, एनजीओ और आरडब्ल्यूए के पदाधिकारीगणों ने भाग लिया। कार्यशाला में अतिरिक्त आयुक्त वैशाली शर्मा, अभिषेक

मास्टर ट्रेनर्स स्वच्छता के प्रति करेंगे जागरूक

निगमायुक्त यशपाल यादव ने मोनिका शर्मा, मीना खन्ना, पूजा बहल, मनाली गुप्ता, गुरप्रीत कौर, पूजा गुप्ता, अनिल शर्मा, एकता रमन, प्रताप, प्रमोद मनोचा, उमेश अरोड़ा, अजित सिंह पटवा को मास्टर ट्रेनर्स लगाने के लिए नियुक्ति पत्र दिये और बताया कि यह मास्टर ट्रेनर्स सभी वार्डों, स्कूल और कॉलेजों में जाकर लोगों-छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के बारे में बताएंगे और उन्हें जागरूक करेंगे। कार्यशाला में निगमायुक्त ने आए हुए सभी उपस्थितिगणों को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे शहर के बारे में सोचना है। आज गार्वेज फ्री सिटी को लेकर हमारी यह बड़ी शुरुआत है। आप सभी का सहयोग मिला और इससे हमारा भी उत्साहवर्धन हुआ है। उन्होंने कहा कि जब 1994 में हरियाणा म्युनिसिपल एक्ट बना उस समय इस एक्ट में वार्ड कमेटी की परिकल्पना मौजूद थी। एक्ट के अंदर प्रोविजन है कि हर म्यूनिसिपल कारपोरेशन के पास वार्ड कमेटी होनी चाहिए। उन वार्ड कमेटी का उद्देश्य क्या होगा कितने लोग होंगे किस तरह के लोग होंगे किस रूप से लोग होंगे यह उसके अंदर शामिल है।

मीणा, अतिरिक्त निगमायुक्त इन्द्रजीत कुलड़िया, संयुक्त आयुक्त डॉ. नरेश, गौरव अंतिल, कारपोरेशन सेक्रेट्री अनिल कुमार सहित निगम के अन्य अधिकारी भी शामिल थे।

निगम आयुक्त ने कहा एक सिटी लेवल पर म्यूनिसिपल कारपोरेशन पूरे एरिया के लिए एक कमेटी होगी जो सैन्ट्रल लेवल की कमेटी होगी उसके नीचे 40 वार्डों की कमेटी होगी। उनके नीचे रेजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के लेवल पर कमेटी होंगी और जो लास्ट कमेटी है वो आपके ब्लाक की होगी। निगमायुक्त ने कार्यशाला में कहा कि अभी यहां उपस्थितजनों ने बताया कि बैंगलोर ने वार्ड कमेटियों को 60 लाख रुपये दिया है।

मैं इनको पूरा म्युनिसिपल कारपोर्रेशन के अंदर जो उस वार्ड में होगा पूरा स्ट्रैक्चर है इन वार्ड कमेटियों को सौंपना चाहता हूं। जिसके अंदर वार्ड के अंदर पानी से लेकर और प्लानिंग से लेकर हमें क्या करना चाहिए उस वार्ड के अंदर हम जो एजूकेशन कर रहे हैं उसकी स्कीम को मॉनिटरिंग करने से लेकर उसकी रिपोर्टिंग करने तक का कार्य उस वार्ड के अंदर नगर निगम के जितने भी अधिकारी वार्ड लेवल पर काम कर रहे हैं वह वार्ड कमेटी का पार्ट होंगे। निगमायुक्त ने बताया कि नगर निगम फरीदाबाद ने हर वार्ड के लिए सीनियर नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं ताकि समय-समय पर नोडल अधिकारी हर वार्ड में स्वच्छता के मामले में निगरानी रखें। गार्वेज फ्री सिटी को लेकर हमारे जो जूनियर इंजीनियर होंगे वो वार्ड कमेटी के सेक्रेट्री होंगे और बाकी के अधिकारी चाहे वो इंजीनियरिंग विभाग, सैनिटेंशन विभाग अथवा जो भी ठेकेदार, एजेन्सी वाटर, सीवरेज, स्ट्रीट लाइटें देखती है वो वार्ड कमेटी के प्रति उनकी जवाबदेही रहेगी। वार्ड कमेटी के पदाधिकारी प्रत्येक वार्डों में साफ-सफाई, सीवरेज-पानी जैसी समस्याओं को चेक कर सकती है और निगम अधिकारियों को सुझाव दे सकती है और हर महीने अपनी रिपोर्ट निगम मुख्यालय में भेज सकती है।

कार्यशाला के अंत में हयूमन काइंड एनजीओ की पदाधिकारी मोनिका ने गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि गीले कचरे को खाद बनाने के रूप में इस्तेमाल कर सकते है तथा पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है।

मोदी देश के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास के लिए समर्पित हैं : तावडे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भाजपा के सेवा और समर्पण कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए प्रदेश प्रभारी विनोद तावडे

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व हरियाणा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावडे ने कैबिनेट मंत्री मूलचन्द शर्मा, जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, विधायक नरेन्द्र गुप्ता, पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी के साथ फरीदाबाद में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित सेवा और समर्पण अभियान (17 सितम्बर से 7 अक्टूबर) के तहत जिले में कई कार्यक्रमों में भाग लिया। भाजपा प्रदेश प्रभारी विनोद तावडे ने शिव दुर्गा विहार लक्कड़ पुर में युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पंकज सिंगला और महामंत्री सचिन ठाकुर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारम्भ किया। रक्तदान शिविर में विधायक सीमा त्रिखा, भाजपा जिला सचिव हरेन्द्र भडाना, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आदित्य धनखड़, सचिन ठाकुर, प्रवेश भड़ाना, जिला और मण्डल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आर्यकन्या सेवा सदन, सेक्टर 15 फरीदाबाद में महिला मोर्चा फरीदाबाद द्वारा आयोजित सेवा कार्यक्रम में अनाथ कन्याओं को फल वितरण किया। उन्होंने कार्यकम के दौरान अनाथ कन्याओं से भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया और उनके उज्जवल भविष्य के प्रति उनको जागृत किया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रवीण जोशी, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष राजबाला सरधाना, महामंत्री प्रतिभा तिवारी, कोषाध्यक्ष अनीता अग्रवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष कुलदीप साहनी, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष कृष्ण आर्य और महिला मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विनोद तावडे ने सेवा और समर्पण अभियान के तहत सेक्टर 4 फरीदाबाद में महिलाओं और बच्चों को फल बाटे। कार्यक्रम में जिला महामंत्री मूलचन्द मित्तल, आरएन सिंह, ओमप्रकाश रक्षवाल, वजीर सिंह डागर, उपाध्यक्ष संजीव भाटी, पंकज रामपाल, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, प्रकाशवीर नागर मण्डल अध्यक्ष नीरज मित्तल, सुनील आनन्द, अजित नम्बरदार और भाजपाई मौजूद रहे।

कोरोना वैक्सीनेशन अभियान महामारी से निपटने का एक मिशन : गुर्जर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आमजन के स्वास्थ्य के मद्देनजर कॉरोना वैक्सीनेशन अभियान के साथ एक मिशन भी है। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फरीदाबाद संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों क्रमश: सेक्टर-16 एवं गांव मवई में आयोजित कोरोना वैक्सीनेशन कैंप का निरीक्षण करने के दौरान लोगों से संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि देश में गत दिवस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर लोगों ने कोरोना विषाणु रोधी टीके की दो करोड़ से अधिक खुराक लगवा कर एक रिकॉर्ड बनाया है। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर एक कीर्तिमान के रूप में देखा जा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान रूपी मिशन को सभी के सामूहिक प्रयासों से ही मिलकर ही पूरा किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपने व अपने परिवार जनों के जन्मदिवस या परिवार से जुड़ी महत्वपूर्ण तिथियों के आधार पर भी वैक्सीनेशन करवा कर खुद को व परिवारजनों को इस बारे में प्रेरित करें। इस दौरान उन्होंने कारखाना बाग 16/5 मथुरा रोड के औद्योगिक क्षेत्र में लगाए गए रक्तदान शिविर के अवसर पर उपस्थित युवाओं को रक्त-दान के लिए भी प्रेरित किया और युवाओं का आह्वान किया।

पीएम-दक्ष पोर्टल एप बनाएगा युवाओं को दक्ष

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एप के जरिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे

पीएम-दक्ष एप का प्रयोग करें युवा

उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिविजन के सहयोग से पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और सफाई कर्मचारियों सहित विभिन्न वर्ग के लोगों में कुशलता एवं दक्षता बढ़ाने के लिए पीएम-दक्ष पोर्टल व पीएम-दक्ष मोबाइल एप लांच किया है। इस एप के जरिए अब ये नागरिक आसानी से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर लाभ उठा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत इन वर्गों को दीर्घकालीन कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम, अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा उद्यमिता विकास कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकेगा। कार्यक्रम का मुख्य फोकस उच्च गुणवत्ता का कौशल प्रदान करने पर होगा ताकि प्रशिक्षण के बाद आसानी से नौकरी या स्वरोजगार कर सके। इस समूह में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक तौर पर पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित जनजातियां, कचरा बीनने वाले, ट्रांसजेंडर व अन्य श्रेणियों के स्वच्छता कर्मी शामिल हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा गठित क्षेत्रीय कौशल परिषदों और अन्य प्रमाणिक संस्थानों के

माध्यम से कार्यान्वित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस पोर्टल व एप पर कौशल विकास से संबंधित समस्त सूचनाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण संस्थान तथा उनकी रुचि के कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करने की सुविधा भी मौजूद है। इस पर व्यक्तिगत सूचना से संबंधित वांछित दस्तावेज अपलोड करने की सुविधा तथा प्रशिक्षण अवधि के दौरान चेहरे एवं आंखों की स्कैनिंग के माध्यम से प्रशिक्षुओं की उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मौजूद है। उन्होंने कहा कि सरकार इन वर्गों को वित्तीय व सामाजिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाने का लगातार प्रयास कर रही है।

अब कोई भी व्यक्ति पीएम-दक्ष पोर्टल पर जाकर एक ही स्थान पर कौशल विकास प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकता है। उपायुक्त जितेंद्र यादव ने बताया कि प्रशिक्षण लेने के बाद सरकार ने तीन निगमों को उन्हें ऋण उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी दी है। इनमें राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम तथा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम शामिल है। अब कोई भी व्यक्ति पीएम-दक्ष पोर्टल पर जाकर एक ही स्थान पर कौशल विकास प्रशिक्षण से संबंधित सभी जानकारी प्राप्त कर सकता है।

119 करोड़ रुपये की लागत से होगा औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों का कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय राज्यमंत्री ने प्रसिद्ध उद्योगपति केसी लखानी के हाथों नारियल फुड़वा कर निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-24, 25 व 32 (डीएलएफ इंडस्ट्रीयल एरिया) में 119 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य किया जाएगा। शनिवार को बाटा चौक स्थित फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) के कार्यालय के बाहर केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने उद्योग जगत के भीष्म पितामह के नाम से प्रसिद्ध उद्योगपति केसी लखानी के हाथों नारियल फुड़वा कर इनके निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया।

उनके साथ प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र गुप्ता, महापौर सुमन बाला व एफआईए के प्रधान बीआर भाटिया भी मौजूद थे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि शहर के विकास कार्यों को जल्द ही पंख लगेंगे। एफआईए हॉल में आयोजित समारोह का शुभारंभ बीआर भाटिया और केसी लखानी ने केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर को पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। बीआर भाटिया ने कहा कि आज फरीदाबाद के उद्योगों के लिए बहुत ही अच्छा दिन है। पिछले कई सालों से उद्यमियों के साथ ही शहर के लोग इन सड़कों के निर्माण की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए इनके निर्माण के लिए 119 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया और आज इनका निर्माण कार्य भी

शुरू हो रहा है। केसी लखानी ने कहा कि औद्योगिक सड़कों के निर्माण को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में एक याचिका विचाराधीन थी, जिस कारण निर्माण में देरी हो रही थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उस पर संज्ञान लेकर उस विवाद को सुलझाकर इस समस्या का समाधान करवाया। विधायक नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि उद्योगों में निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत ढांचे को दुरुस्त किया जा रहा है।

इसी कड़ी में औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने उम्मीद जताई कि औद्योगिक क्षेत्र में बनने वाली सड़कें बेहतर गुणवत्ता की होंगी। इस मौके पर वार्ड 11 से पार्षद मनोज नासवा, एफआईए के महासचिव जसमीत सिंह, पूर्व प्रधान नवदीप चावला, सजन जैन, उद्यमी एचके बतरा, नरेंद्र अग्रवाल, ऋषि अग्रवाल, शम्मी कपूर, एचआर गुप्ता, सुनील गुलाटी, जोगेश भाटिया, रमणीक प्रभाकर और रवि भूषण खत्री सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

राजमार्ग से गुरुग्राम तक कनेक्टिविटी

प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि इन सड़कों के निर्माण कार्य से उद्योगों को राजमार्ग से गुरुग्राम तक बेहतर रोड कनेक्टिविटी मिलेगी। राजमार्ग पर जेसीबी चौक से हार्डवेयर चौक तक चार लेन की सड़क बनेगी और हार्डवेयर चौक से होते हुए गुरुग्राम बिना रोकटोक के आ जा सकेंगे।

विकास कार्यों को लगेंगे पंख

एफआईए हॉल में उपस्थित उद्यमियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की मनोहर सरकार हरियाणा को एक नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि उद्योगों से फरीदाबाद की पहचान है। उन्होंने बताया कि दिल्ली-वड़ोदरा-मुंबई हाईवे का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। ये हाईवे फरीदाबाद से होकर गुजरता है। उन्होंने दावा किया कि अगले दो साल में यह हाईवे बनकर तैयार हो जाएगा और दिल्ली से मुंबई 12 से 15 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। इसके अलावा फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश को जोड़ने के लिए बन रहे फ्लाइओवर के निर्माण के बाद कुछ ही देर में यहां से जेवर एयरपोर्ट पर पहुंचा जा सकेगा। ऐसे में उद्यमी गुरुग्राम से होकर दिल्ली एयरपोर्ट जाने की बजाय जेवर एयरपोर्ट जाना ही पसंद करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि फरीदाबाद से गुरुग्राम मेट्रो का काम भी जल्द शुरू होगा। उसकी डीपीआर अंतिम चरण में है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यालय में खिलाड़ियों का किया सम्मान

फरीदाबाद। सेक्टर-55 स्थित राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को पैरालंपिक पदक

विजेता, टोक्यो 2020 के मनीष नरवाल और सिंहराज अधाना का सम्मान किया। इनका सम्मान जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर कौर और प्रधानाचार्य सतेन्द्र कुमार सौरोत ने किया। जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी, दोनों पदक विजेताओं और पार्षद प्रतिनिधि मुकेश डागर ने विद्यालय में नवनिर्मित मुख्य द्वार और बहुउपयोगी शालिका (शेड) का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के सहयोगी फरीदाबाद एस्टेट एजेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आकाश गुप्ता, महासचिव सरदार गुरमीत सिंह व पर्यावरणविद् ओमवीर ने विद्यार्थियों को प्रसाद वितरित किया। स्वर्ण पदक विजेता मनीष नरवाल और द्वि-पदक विजेता सिंह राज ने अपनी संघर्ष की कहानी बता कर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। दोनों खिलाड़ियों ने बताया कि कई बार हम मंजिल के समीप पहुंचकर हार मान जाते हैं किंतु धैर्य से आगे बढ़ते रहें तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। 60000 की बैंच फरीदाबाद स्टेट एजेंट्स वेलफेयर (फीवा) एसोसिएशन द्वारा, पदक विजेता सिंहराज ने 111000 एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दोनों पदक विजेताओं को प्रदान की गई राशि 21000 -21000 को भी दोनों पदक विजेताओं ने विद्यालय को भेंट किया।

मंच पर भविष्य के लिए बाल कलाकार तैयारी करते हैं: आजाद

फरीदाबाद। श्री धार्मिक लीला कमेटी के निर्देशक हरीश चन्द्र आजाद ने बताया जैसा कि हमारी रामलीला में हमेशा राज एक दृश्य बाल कलाकार भी करते हैं जिससे भविष्य के लिये कलाकार तैयार किए जाएं। यह हमारी उस योजना की हिस्सा है जिसमें हम भविष्य के लिये कलाकार तैयार करते हैं इसी कड़ी में कल राम, लक्ष्मन, सीता और सूपर्नखां के बाल कलाकारों को अभ्यास करवाया। सूपर्नखां के बाल कलाकार का अभिनय कर रही चेतन्या बत्तरा और बाल सीता का अभिनय कर रही कंगना खरबंदा ने अपने-अपने अभिनय का अभ्यास किया। प्रभूराम के बाल कलाकार की भूमिका लक्ष्य बत्तरा व लक्ष्मन की युवराज गेरा निभा रहे हैं। हरीश आजाद ने बताया कि बाल कलाकारों का एक दृश्य कराने का फायदा यह हुआ है कि इस बार कई बाल कलाकार बड़े पात्रों का अभिनय कर रहे हैं और उन पर ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ रही हैं क्योंकि वह कई वर्षों से मंच पर बाल कनाकारों का किरदार निभा रहे हैं। इस बार जो बाल कलाकार से बड़े पात्रों का अभिनय निभा रहे हैं वह कलाकार है विद्वांश खरबंदा जो इस बार अक्षय कुमार के किरदार में बड़े कलाकारों के साथ अभिनय करते आएंगे, इसी तरह हार्दिक बत्तरा निकुम्भ का किरदार निभा रहे हैं और कंगना खरबंदा उर्मिला का किरदार निभाएंगी।

डीएलएफ द्वारा लगे कैम्प में 280 लोगों को लगा टीका

फरीदाबाद। डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा यहां सिविल सर्जन, प्रधान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फरीदाबाद के सहयोग से लगाए गए निश:ुल्क कोविडशील्ड वैक्सीनेशन कैम्प में 280 से अधिक लोगों को वैक्सीनेशन दी गई। डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के प्रधान

जेपी मल्होत्रा ने यहां यह बताया कि वैक्सीनेशन अभियान के तहत यह चौथा नि:शुल्क कैम्प था। मल्होत्रा ने कहा कि यह सिद्ध हो चुका है कि वैक्सीनेशन वास्तव में कोविड-19 को रोकने और बचाव का सबसे बेहतर तरीका है। उन्होंने जानकारी दी कि इसी भावना के अनुरूप डीएलएफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने वैक्सीनेशन के लिए पहले भी कैम्प आयोजित किये और यह चौथा कैम्प था। मल्होत्रा ने आईएमए फरीदाबाद की प्रधान डॉ. पुनीता हसीजा, सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता के योगदान की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसके लिये एसोसिएशन की ओर से आभार भी व्यक्त किया। कैम्प में एडवांस फोरजिंग, एटीएम एक्सपोर्ट, इनटाइम गारमेंट, इंडस्ट्रीयल कम्प्रैशर, भारतीय बाल्व, कैकटस फैशन, सोर्स इंडिया, सिद्ध मास्टर बैचिज, मैलरोज, ओवरसीज, इंडियन पैकेजिंग, मंडप इंटरनेशनल, बेस्टो, पोलर आटो, सुकारा इंजीनियर्स और रैक्स कोन्सोलिडेटिड के श्रमिकों व प्रबंधकों ने वैक्सीनेशन लगवाई। मल्होत्रा ने बताया कि इसके साथ ही एसोसिएशन निःशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन भी 29 सितम्बर को कर रही है जिसे विश्व हार्ट दिवस पर अपोलो अस्पताल नई दिल्ली के साथ मिलकर लगाया जा रहा है।

महिला पुलिसकर्मी को इशारे करता मजनू पकड़ा

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के दिशा निर्देश के तहत चलाई गए ऑपरेशन मजनू के तहत महिला पुलिस थाना सेंट्रल की टीम ने रोज गार्डन में एक मजनू को धर दबोचा। आरोपी की पहचान गफ्फार उर्फ राजा के रूप में हुई है जो फरीदाबाद के एसी नगर का निवासी है। पुलिस आयुक्त द्वारा महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिसकर्मियों को सादी वर्दी में तैनात किया गया है जिसके तहत यदि कोई मनचला महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करता है तो उसे कानूनी सबक सिखाया जाता है। इसी के तहत दो महिला पुलिसकर्मी आज सादी वर्दी में फरीदाबाद के रोज गार्डन में तैनात थी जहां एक युवक उन्हें देखकर गंदे गंदे इशारे करने लगा। मजनू को लगा की है यह कोई आम लड़की होगी और उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी परंतु जब मजनू को महिलाओं की असलियत पता चली तो वह हक्का-बक्का रह गया और उसके होश उड़ गए। महिला पुलिसकर्मी ने पास में ही मौजूद अपनी टीम को बुला लिया और मौके से मजनू को धर दबोचा। पुलिस को देख कर मनचले के तोते उड़ गए और वह सादी वर्दी में खड़ी महिला पुलिसकर्मी के आगे गिड़गिड़ाना लगा। पुलिस टीम मनचले को सबक सिखाने के लिए उसे थाने ले आई और पूछताछ शुरू की। मजनू रंगीला भाव स्वभाव का व्यक्ति है जो आती जाती लड़कियों को छेड़ता है और गंदे कमेंट पास करता है। पूछताछ पूरी होने के पश्चात आरोपी के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने कहा कि या तो मनचले अपनी हरकतों से बाज आ जाएं नहीं तो उन्हें वह अपने अंजाम के लिए तैयार रहें। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार से महिलाओं के साथ हो रही छेड़छाड़ को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दें ताकि ऐसे अपराधिक मानसिकता वाले असामाजिक तत्वों को शपथ सबक सिखाया जा सके।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

फरीदाबाद। बडखल विधानसभा क्षेत्र वार्ड-21 शिव दुर्गा विहार लक्कड़पुर के आई ब्लॉक स्थित वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम कृष्ण आर्य पप्पी के कार्यालय पर रक्तदान शिविर

लगाया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव विनोद तावडे, जबकि विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा उपस्थित थे। रक्तदान का संयोजन भाजपा मेवला मण्डल युवा मोर्चा ने किया। रक्तदान शिविर में पहुंचने पर मुख्य अतिथियों का प्रेमकृष्ण आर्य पप्पी और उनके सैकड़ों समर्थकों ने ढोल नगाड़ों और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विनोद तावड़े ने कहा कि दुनिया के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सेवा से समर्पण अभियान चलाया हुआ है जिसके तहत आज वो रक्तदान शिविर में पहुंचे हैं। इस अवसर पर 104 यूनिट ब्लड एकत्रित किया है। संजय, कृष्णा चौधरी महामंत्री मेवला मंडल, नारायण वर्मा, सुभाष नागर, सौरभ उपाध्याय (संस्थापक) भगत सिंह युवा दल, विशाल राय सचिव मेवला मंडल, अनिकेत नंद किशोर, राजन, आकाश शर्मा (भगत सिंह युवा दल), कपिल शर्मा महामंत्री युवा मोर्चा बड़खल सहित तम्माम युवा मोर्चा की टीम और सैकड़ों लोग मोजूद रहे।

कांग्रेस ने जनजाति समाज के लिए कुछ नहीं किया

भाषा। जबलपुर (मप्र),

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जनजाति समाज का वोट लिया, लेकिन उनके कल्याण के लिए कभी कुछ नहीं किया, जबकि भाजपा हमेशा जनजातियों के कल्याण के लिए कटिबद्ध है और हमेशा इसके लिए प्रयासरत है। आजादी के अमृत महोत्सव पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्वतंत्रता आंदोलन में अपना अतुलनीय योगदान देने वाले जनजातीय नायकों के सम्मान में आयोजित जनजातीय गौरव समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने यह बात कही। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा नीत सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जनजाति के लिए वार्षिक बजट 2013-14 में 4,200 करोड़ रुपए था। 2021-22 में इस बजट को बढ़ाकर 7,900 करोड़ रुपए, यानी करीब दोगुना करने का काम मोदी सरकार ने किया है। शाह ने कहा, कांग्रेस के जमाने में नौ

● कल्याण के लिए कभी कुछ नही किया : शाह

राज्यों की केवल 10 वन उपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत कवर किया गया है। मोदी सरकार आने के बाद सभी राज्यों की 49 उपजों को एमएसपी पर खरीदने की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि बच्चे को अच्छी शिक्षा मिलेगी, तो संविधान प्रदत्त अधिकारों को वो जान पाएंगे।

संविधान ने जो कर्तव्य दिए हैं, उनको वो जान पाएंगे। इसके लिए बहुत जरूरी है कि उनको अच्छी शिक्षा मिले। शाह ने कहा कि इसलिए मोदी ने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का मॉडल अपनाकर प्रत्एक आदिवासी बहुल ब्लॉक में एक आवासीय विद्यालय बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा, भाजपा की सरकार चाहे केंद्र में हो या राज्य में, ए वंचितों के लिए काम करने वाली सरकार है। ए जनजाति के कल्याण के लिए

समर्पित सरकार है। शाह ने कहा कि हमने जनजातीय भाइयों को घर दिया है, घर में बिजली व शौचालय दिया है। अब घरों में पानी पहुंचा रहे हैं। साथ ही उन्हें पांच लाख रुपए तक के मुफ्त उपचार का लाभ दिया है। शाह ने आजादी के अमृत महोत्सव पर देश और धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की आहूति देने वाले जनजातीय नायक अमर शहीद राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के 164वें बलिदान दिवस पर आज जबलपुर के मालगोदाम चौक पहुंचकर यहां स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में राजा शंकर शाह व कुंवर रघुनाथ शाह ने अपने साहस से जन-जन में स्वाधीनता की अलख जगाई, जिसके लिए अंग्रेजी हुकूमत ने उन्हें तोपों से बांधकर उनकी निर्मम हत्या कर दी। आज उनके बलिदान दिवस पर जबलपुर में दोनों वीरों की प्रतिमाओं को नमन कर पुष्पांजलि अर्पित की। शाह ने कहा, मातृभूमि के लिए राजा शंकरशाह व कुंवर रघुनाथ शाह जी का बलिदान हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। पहले की सरकारों ने ऐसे कई महान वीरों विशेषकर जनजातीय नायकों की निरंतर उपेक्षा की लेकिन आज नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकारें उनके सम्मान को पुनर्स्थापित करने के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि 1857 में शुरू हुई हमारी आजादी की क्रांति की लड़ाई 15 अगस्त 1947 को समाप्त हुई। तबसे आज तक 75 वर्ष तक इस देश को अलग-अलग समय पर अलग-अलग लोगों ने आगे बढ़ाया है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ए संकल्प लिया है कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मनाएंगे और देश के गुमनाम महानुभावों के बलिदान को, उनकी स्मृतियों को पुनर्जीवित करेंगे, क्योंकि इतिहास में उनका नाम नहीं लिखा गया।

रवींद्र नारायण रवि ने तमिलनाडु के राज्यपाल के पद की ली शपथ

चेन्नई, भाषा

रवींद्र नारायण रवि ने शनिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने बनवारीलाल पुरोहित का स्थान लिया है जिन्हें अब पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। रवि ने कहा कि वह अपनी नई भूमिका को एक चुनौती नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में देखते हैं। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी ने रवि को यहां राजभवन में एक आधिकारिक समारोह में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, उनके मंत्रिमंडल सहयोगी, विपक्ष के नेता के. पलानीस्वामी और अन्य शामिल हुए। रवि राज्य के 26वें राज्यपाल हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी रवि को पिछले हफ्ते ही यहां का राज्यपाल नियुक्त किया था। इससे पहले रवि नगालैंड के राज्यपाल थे। उन्हें केंद्र ने 29 अगस्त, 2014 को नगा शांति वार्ता के लिए वार्ताकार भी नियुक्त किया था और यह जिम्मेदारी वह अब भी निभा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद स्टालिन ने राज्य विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावू और अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों का उन से परिचय करवाया। रवि ने शपथ ग्रहण के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि एक चुनौती से ज्यादा यह एक अवसर है और मेरा खयाल है कि यह मेरे लिए मददगार होगा। रवि का जन्म बिहार के पटना में हुआ था। उन्होंने 1974 में भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर किया और कुछ समय पत्रकारिता करने के बाद 1976 में वह भारतीय पुलिस सेवा में आए। वह आसूचना ब्यूरो (आईबी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में भी सेवाएं दे चुके हैं। सरकारी सेवा से वह 2012 में सेवानिवृत्त हो गए थे। उन्हें 2018 में उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बनाया गया था।

धनबाद में कर्मा के मौके पर खोखन तालाब में 'कर्म डाला' डालतीं महिलाएं

कट्टरपंथ पर केंद्र से जानकारी साझा करे वाम सरकारः भाजपा

भाषा। कोच्चि

केरल में सत्तारूढ़ माकपा ने व्यवसायिक कॉलेजों में युवाओं को आतंकवाद की ओर धकेले जाने की कोशिशों को लेकर आगाह किया था, जिसके एक दिन बाद शनिवार को भाजपा ने वाम सरकार से इस बारे में केंद्र के साथ जानकारी साझा करने का अनुरोध किया ताकि आगे की कार्वाई की जा सके।माकपा ने राज्य में पार्टी के आगामी सम्मेलनों के संबंध में तैयार एक आंतरिक परिपत्र में ए महत्वपूर्ण टिप्पणियां की थीं।

केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जैसा कि परिपत्र में कहा गया है कि एक वर्ग के द्वारा जानबूझकर युवाओं को सांप्रदायिकता व आतंकवाद की ओर धकेलने के प्रयास किए जा रहे हैं, ऐसे में यदि राज्य सरकार आवश्यक जानकारी देती है, तो एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियां निश्चित रूप से मामले की जांच करेंगी।गौरतलब है कि माकपा ने शुक्रवार को एक नोट में यहां व्यावसायिक कॉलेजों में पढ़ रहीं युवतियों को लुभाकर सांप्रदायिकता व आतंकवाद की राह पर ले जाने के एक वर्ग की कोशिशों के प्रति आगाह किया था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा कि चरमपंथी ताकतें मुख्यधारा के मुस्लिम संगठनों में घुसपैठ कर रही हैं और केरल में इस मुद्दे को हवा देने की कोशिश कर रही हैं।

● केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने यहां संवाददाताओं से कहा-जैसा कि परिपत्र में कहा गया है कि एक वर्ग के द्वारा जानबूझकर युवाओं को सांप्रदायिकता व आतंकवाद की ओर धकेलने के प्रयास किए जा रहे हैं

माकपा ने यह भी कहा था कि संघ परिवार से जुड़ी ताकतों की गतिविधियों ने अल्पसंख्यक समूहों में असुरक्षा की भावना पैदा की है।अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता उपशीर्षक वाले नोट में कहा गया है कि इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। राज्य में तालिबान जैसे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने वाली बहस भी हो रही है, जिसकी लोकतांत्रिक दुनिया और मुस्लिम समुदाय ने एक सुर में निंदा की है।

नोट में कहा गया है कि राज्य में ईसाई समुदाय के लोग आम तौर पर सांप्रदायिक विचारधाराओं का समर्थन नहीं करते, हालांकि हाल के दिनों में इस समुदाय के एक छोटे से वर्ग के बीच बढ़ रहे कट्टरपंथी प्रभाव को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

विविध न्यूज

महाराष्ट्र में बार से 10 महिला वेटरों समेत 31 लोग गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले मे पुलिस ने एक बार मे छापा मारा और कोरोना वायरस संबंधी दिशानिर्देशो का उल्लंघन करने तथा अश्लील कृत्यो मे शामिल होने के आरोप मे 10 महिला वेटरो और 21 अन्य लोगो को गिरफ्तार किया। ठाणे पुलिस की प्रवक्ता जयमाला वसावे ने बताया कि कल्याण अपराध शाखा की तृतीय इकाई ने बृहस्पतिवार रात को यह कार्वाई की। उन्होने बताया, एक खुफिया सूचना के आधार पर अपराध शाखा के दल ने कल्याण-मानपाडा रोड पर स्थित बार पर छापा मारा और पाया कि बार के कई कर्मियो तथा ग्राहको ने मास्क नही पहन रखा था और वे सामाजिक दूरी के नियमो का उल्लंघन भी कर रहे थे। उन्होने बताया कि पुलिस ने यह भी पाया कि बार मे ग्राहको को खाना और शराब परोस रही महिलाओ ने सही तरीके से कपड़े नही पहने थे और वे अश्लील कृत्यो मे शामिल थी।पुलिस ने बताया कि 10 महिला वेटरो के अलावा बार मे 19 ग्राहको और दो कर्मचारियो को भी गिरफ्तार किया गया तथा एक म्यूजिक एम्प्लीफायर समेत 24,300 रुपए के विभिन्न उपकरण भी जब्त किए गए। उनके खिलाफ मानपाडा पुलिस थाने मे मामला दर्ज कर लिया गया है।

महाराष्ट्र एटीएस ने एक संदिग्ध को पकड़ा आतंकी मॉड्यूल से तार जुड़े होने का संदेह

मुंबई। महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने दिल्ली पुलिस द्वारा पाकिस्तान संगठित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के सिलसिले मे मुंबई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रो ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस विभाग मे सूत्रो ने बताया कि जाकिर नाम के व्यक्ति को शुक्रवार रात को चलाए एक अभियान के दौरान उपनगर जोगेश्वरी से पकड़ा गया। बाद मे उसे पूछताछ के लिए हिरासत मे लिया गया।दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से प्रशिक्षण ले चुके दो आतंकवादियो समेत छह लोगो की गिरफ्तारी के साथ ही मंगलवार को आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था। अधिकारियो ने बताया था कि आतंकवादियो ने देशभर मे कई धमाके करने की कथित तौर पर साजिश रची थी।छह संदिग्ध आतंकवादियो मे से एक मोहम्मद शेख मुंबई के धारावी का रहना वाला है।सूत्रो ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध आतंकवादियो से पूछताछ के दौरान जाकिर का नाम सामने आया था।

असम में एक नए संगठन के दो उग्रवादी ढेर

गुवाहाटी। असम के कोकराझार जिले मे सुरक्षा बलो ने हाल मे बनाए गए एक उग्रवादी संगठन के दो संदिग्ध उग्रवादियो को मार गिराया और उनके ठिकाने का भंडाफोड़ कर दिया। असम पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक जीपी सिंह ने शनिवार को ट्वीट किया कि सुरक्षाबलो ने शुक्रवार रात शुरू किए गए एक अभियान मे कोकराझार के उल्टापानी इलाके मे यूनाइटेड लिबरेशन ऑफ बोडोलैड (यूएलबी) के एक शिविर का भंडाफोड़ किया। उन्होने ट्वीट किया, पुलिसासुरक्षाबलो और उग्रवादियो के बीच मुठभेड़ के बाद संगठन के दो सदस्यो को मृत घोषित कर दिया गया। सिंह ने बताया कि उग्रवादियो के पास से दो पिस्तौल और ग्रेनेड बरामद किए गए है। इस हफ्ते की शुरुआत मे एक वीडियो जारी कर एक समूह ने घोषणा की थी कि उन्होने यूनाइटेड लिबरेशन ऑफ बोडोलैड के नाम से नया संगठन बनाया है और बोडो लोगो के लिए अलग राज्य बनाना सरकार से उनकी प्रमुख मांग होगी।

कश्मीरी पंडितों ने राहत भुगतान में देरी को लेकर जम्मू में किया प्रदर्शन

जम्मू। सैकड़ो कश्मीरी पंडितो ने मासिक राहत भुगतान मे देरी के खिलाफ शनिवार को यहां विरोध प्रदर्शन किया और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करने के उनके प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। अधिकारियो ने कहा कि प्रदर्शनकारी शहर के बाहरी इलाके जगती प्रवासी शिविर से बाहर आए और अगस्त महीने के राहत भुगतान को तत्काल जारी करने की अपनी मांग के समर्थन मे नारेबाजी करते हुए पास के राजमार्ग की ओर मार्च करना शुरू कर दिया। उन्होने कहा कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियो को राजमार्ग की ओर बढ़ने से रोका और उन्हे वापस जाने के लिए समझाया। प्रदर्शनकारियो ने आगाह किया कि अगर उनकी मासिक राहत तुरंत जारी नही की गई तो वे अपना आंदोलन तेज करेंगे। कश्मीरी पंडित रिलीफ होल्डर्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने कहा, राहत आयोग द्वारा अगस्त महीने की राहत आज तक जारी नही की गई, जिससे विस्थापित समुदाय को परेशानी हो रही है। उन्होने कहा कि पिछले तीन दशको मे पहली बार ऐसा हुआ है कि समुदाय को मासिक राहत जारी करने मे देरी हुई है। प्रवक्ता ने कहा, हम उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से इस मुद्दे पर गौर करने और भुगतान जल्द से जल्द जारी करने की अपील करते है।

अश्लील फिल्म मामलाः कुंद्रा ने सबूत नहीं होने का दावा कर मांगी जमानत

भाषा। मुंबई

अश्लील फिल्म मामले में आरोपी कारोबारी राज कुंद्रा ने शनिवार को यहां की अदालत में जमानत अर्जी दाखिल कर दावा किया कि उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है और मामले में दाखिल पूरक आरोप पत्र में कोई सबूत नहीं है जो कथित आपत्तिजनक फिल्म बनाने में उनकी प्रत्यक्ष संलिप्तता को साबित करे।

मामले की जांच कर रही अपराध शाखा ने कुंद्रा और तीन अन्य के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील (पोर्न) फिल्म बनाने और कुछ ऐप की मदद से प्रसारित करने के आरोप में हाल में पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। इसके बाद आरोपी ने मेट्रोपोलिटन अदालत का रुख किया और तर्क दिया कि व्यवहारिक रूप से मामले की जांच हो चुकी है। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति कुंद्रा को 19 जुलाई को गिफ्तार किया गया था। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस समय कुंद्रा न्यायिक हिरासत में हैं। अधिवक्ता प्रशांत पाटिल के जरिए दाखिल जमानत अर्जी में कुंद्रा ने दावा किया कि आज की तरीख तक अभियोजन के पास एक भी सबूत नहीं है जो हॉटशॉट्स ऐप को कानून के आधार पर अपराध के साथ संबद्ध कर सके। अभियोजन के मुताबिक हॉटशॉट्स ऐप के जरिए आरोपी अश्लील सामग्री को अपलोड एवं स्ट्रीमिंग करता था। जमानत अर्जी में यह भी कहा गया कि पूरे पूरक आरोप पत्र में एक भी आरोप मौजूदा आवेदक (कुंद्रा) के खिलाफ नहीं है जो इंगित करे कि वह किसी वीडियो की शूटिंग में सक्रिय रूप से शामिल थे। बल्कि यह कलाकार के विवेक पर है कि वह सामग्री ऐप पर अपलोड करे या नहीं करे। आवेदन में कहा गया कि शिकायत की सामग्री प्रथम दृष्टया कुंद्रा के खिलाफ किसी अपराध का खुलासा नहीं करती। अर्जी में दावा किया गया कि कुंद्रा को गलत तरीके से मामले में फंसाया गया। उनका नाम प्राथमिकी में नहीं था लेकिन प्रतिवादी (पुलिस) ने उसका नाम जबरन मामले में खींचा। याचिका में कहा गया कि इसकी वजह एजेंसी ही बता सकती है लेकिन उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। इसमें कहा गया कि जांच में साफ तौर पर दिखता है कि कुंद्रा का आपत्तिजपक सामग्री बनाने के किसी भी अपराध में दूर-दूर तक संबंध नहीं है।अदालत कुंद्रा की जमानत अर्जी पर सोमवार को सुनवाई करेगी।

प्रवर्तन निदेशालय ने समन का पालन नहीं करने पर अनिल देशमुख के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की

भाषा। मुंबई

प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में कई बार समन जारी किए जाने के बावजूद जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं होने पर महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ यहां अदालत का रुख किया है। निदेशालय ने शुक्रवार को एक विशेष अदालत में याचिका दायर की और देशमुख के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 174 (लोक सेवक के आदेश का पालन न करते हुए अनुपस्थित रहना) के तहत कार्वाई किए जाने का अनुरोध किया है। इस धारा के तहत दोषी को एक महीने कारावास की सजा मिल सकती है या पांच सौ रुपए जुर्माना लगाया जा सकता है या दोनों ही सजाएं मिल सकती हैं। जांच एजेंसी ने देशमुख के खिलाफ दर्ज धन शोधन मामले में उन्हें कई समन जारी किए थे, लेकिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता उसके सामने अब तक पेश नहीं हुए हैं। इस मामले में देशमुख के दो सहयोगियों संजीव पलांडे और कुंदन शिंदे को गिरफ्तार किया गया है। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। इन दोनों के अलावा जांच एजेंसी ने हाल में दायर अपने आरोप पत्र में मुंबई पुलिस के बर्खास्त अधिकारी सचिन वाजे को भी आरोपी बनाया है। आरोप पत्र में हालांकि देशमुख या उनके परिवार के सदस्यों का नाम शामिल नहीं किया गया है।मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, जिसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने राकांपा नेता के खिलाफ 21 अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके पश्चात प्रवर्तन निदेशालय ने देशमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच आरंभ की थी। सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने तत्कालीन पुलिस अधिकारी सचिन वाजे से शहर के होटलों और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपए वसूलने को कहा था।

राहुल ने जो समाधान निकाला, उससे कार्यकर्ता मंत्रमुग्ध हुए और अकाली दल की बुनियाद हिलीः जाखड़

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक से पहले पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी ने पार्टी की राज्य इकाई में उलझी हुई गुत्थी को सुलझाने का जो रास्ता अपनाया है उसने न सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है, बल्कि अकाली दल की बुनियाद हिल गई है। उन्होंने ट्वीट किया, वाह राहुल गांधी, आपने बेहद उलझी हुई गुत्थी के पंजाबी संस्करण के समाधान का रास्ता निकाला है। आश्चर्यजनक ढंग से नेतृत्व के इस साहसिक फैसले ने न सिर्फ पंजाब कांग्रेस के झंझट को खत्म किया है, बल्कि इसने कार्यकर्ताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है और अकालियों की बुनियाद हिला दी है।

ओडिशा में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराध आठ प्रतिशत बढ़े

भाषा। भुवनेश्वर,

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, ओडिशा में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के खिलाफ अपराध में पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।एनसीआरबी ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में बताया कि अनुसूचित जातियों के खिलाफ अपराध की दर प्रति लाख आबादी पर 28.5 है, जो 25 की राष्ट्रीय दर से अधिक है, जबकि एसटी के संदर्भ में यह दर 6.5 है, जबकि देश भर में यह दर 7.9 है। मंगलवार को प्रकाशित क्राइम इन इंडिया 2020 रिपोर्ट में कहा गया कि देश में एससी के खिलाफ अपराधों में 9.4 प्रतिशत और एसटी के खिलाफ अत्याचारों में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। ओडिशा में एसटी के खिलाफ अपराधों की संख्या पिछले साल 624 थी, और मामलों के लिहाज से वह देश में चौथे स्थान पर था। पिछले साल इन मामलों में 2019 की तुलना में 8.33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ओडिशा में 2020 में एससी के खिलाफ अत्याचार की 2,046 घटनाएं हुईं जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.48 प्रतिशत अधिक हैं। राज्य में 2011 की जनगणना के अनुसार एसटी वर्ग के 95.9 लाख लोग हैं। एसटी वर्ग में राज्य में बलात्कार के 114 मामले दर्ज किए गए और इन अपराधों के लिहाज से वह देश में पांचवें स्थान पर है। ओडिशा में आदिवासी महिलाओं पर गरिमा भंग करने के इरादे से 30 हमले दर्ज किए गए। भारतीय दंड संहिता के तहत एससीएसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत हत्या के आठ और हत्या के प्रयास के पांच मामले दर्ज किए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसटी के खिलाफ अपराधों के लिए 564 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि पुलिस ने 2020 में 575 मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया था।

नवोदित हुनरमंदों को सामने लाने की अनूठी पहल

● मेरठ में दो-दिवसीय फैशन और लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन का शुभारंभ

संवाददाता। मेरठ

आबूलेन स्थित एक कैफे में शनिवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ दो-दिवसीय फैशन एवं लाइफ स्टाइल एग्जिबिशन का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती अचला सिंह द्वारा रेड-रीब्बन कटिंग सेरेमनी के साथ हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती अचला सिंह ने इस अनूठी प्रदर्शनी की आयोजक द ऑउटफिट बुटिक की फाउंडर निदेशक डा. संगीता आर्य को धन्यवाद देते हुए कहा कि समाज के वंचित वर्ग की सहायता हेतु नवोदित हुनरमंदों को अपने हुनर को दुनिया के सामने रखने का प्लेटफॉर्म उपलब्ध करने की यह अनूठी पहल अपने आप में वास्तव में आज समय की जरूरत है। करोना काल में कितने ही छोटे व मझोले दस्तकार, डिज़ायनर्स, कलाकार व अन्य प्रोफेशनल्स आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं, ऐसे में इस प्रकार के इवेंट उनके लिए किसी संजीवनी से कम नहीं हैं। एम्तग्गनी फैशन-क्लोदिंग, होम-डेकोर, पेन्टिंग, होममेड फूड ऑइटमस व टैरो-कॉर्ड रीडिंग स्टॉल्स आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहे। इवेंट की आयोजक डा. संगीता आर्य ने आगंतुकों को स्टॉल्स व वहाँ उपलब्ध सामग्री के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सारे कलात्मक आइटम्स लिमिटेड एडिशन श्रेणी के हैं, जिनकी गुणवत्ता बेमिसाल है। उन्होंने बताया कि द आउटफिट बुटिक फैशन और लग्जरी लाइफस्टाइल उत्पादों को हर आय वर्ग के लिए सहज उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है और यह दो दिवसीय लि[न इसी श्रृंखला का हिस्सा है। प्रदर्शनी का प्रबंधन नवोदित फैशन डिज़ायनर एंव ब्रांडिन्ग कंसल्टेन्ट आशी आर्य व विपुल ने बहुत ही कुशलता से किया। साथ ही डा. मोनिका जैन, श्रीमती मेघा प्रधान, निशी, रिया, रायना, ज्योति यादव, कपिल, अक्षत व शुभ आदि का विशेष योगदान रहा।

अमरिंदर का इस्तीफा पंजाब में कांग्रेस की प्रदर्शन में नाकामी की स्वीकारोक्ति : बादल

भाषा। चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री पद से अमरिंदर सिंह का इस्तीफा कांग्रेस की राज्य में काम नहीं कर पाने की नाकामी की स्वीकारोक्ति है और उसके पास साढ़े चार साल से अधिक के कार्यकाल में काम दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।

हालांकि उन्होंने कहा कि केवल पहरेदार बदलने से पंजाब में कांग्रेस के डूबते जहाज को नहीं बचाया जा सकेगा। कांग्रेस के दिग्गज नेता अमरिंदर सिंह ने शनिवार को यह कहते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया कि वह खुद को अपमानित महसूस कर रहे हैं। सिंह

और हाल में पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बनाए गए नवजोत सिंह सिद्धू के बीच एक महीने से सत्ता संघर्ष चल रहा था। 50 से अधिक कांग्रेस विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की थी। बादल ने एक बयान में कहा कि सिंह का इस्तीफा इस बात की स्वीकारोक्ति है कि कांग्रेस पंजाब में प्रदर्शन करने में नाकाम रही और उसके पास साढ़े चार साल से अधिक के कार्यकाल के लिए दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि अपनी अक्षम सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी चेहरा बदलकर पंजाबियों को मूर्ख नहीं बना सकती है उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति पर दोष मढ़कर पार्टी विरोधी लहर को टालने की कांग्रेस आलाकमान की चाल सफल नहीं होगी। अकाली प्रमुख ने आरोप लगाया कि राज्य की पूरी कैबिनेट और कांग्रेस विधायक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने कहा, पंजाबी जानते हैं कि पंजाब में पूरी कांग्रेस पार्टी खुली लूट और अराजकता के लिए जानी जाती है। इसके मंत्रियों और विधायकों ने गैंगस्टरों को संरक्षण दिया।

अमरिंदर सिंह का इस्तीफा कांग्रेस आलाकमान की बेचैनी को दर्शाता है : भाजपा

नई दिल्ली, चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री पद से अमरिंदर सिंह का इस्तीफा विधानसभा चुनाव से पहले स्थिति से उबरने के लिए कांग्रेस आलाकमान की बेचैनी को दर्शाता है। पार्टी ने कहा कि राज्य की सत्ताधारी पार्टी बंटा हुआ खेमा है। भाजपा ने दावा किया कि पंजाब के लोग, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) में भी भरोसा खो चुके है और अगले साल की शुरुआत में होने वाले चुनावों में भाजपा को चुनेंगे क्योंकि यही पार्टी अकेले राज्य को एक स्थिर और प्रगतिशील सरकार दे सकती है। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस घबराई हुई है क्योंकि उसे चुनावों में हार दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में कांग्रेस खुद को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष कर रही है। सिंह के इस्तीफे को पार्टी को स्थिति से उबारने के लिए कांग्रेस आलाकमान की बेचैनी में दिखाई गई प्रतिक्रिया बताते हुए, चुग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सफाया हो जाएगा। पंजाब में कांग्रेस का माफिया राज पंजाब में उसके ताबूत की आखिरी कील साबित होगा। केंद्रीय मंत्री एवं पंजाब से भाजपा सांसद सोम प्रकाश ने कहा कि सिंह का इस्तीफा स्पष्ट रूप से दिखाता है कि कांग्रेस हताश है क्योंकि वह हर गुजरते दिन के साथ अपनी साख खोती जा रही है। प्रकाश ने कहा, कांग्रेस का पतन हो रहा है, अकालियों ने लोगों का भरोसा खो दिया है, इसलिए हमें उम्मीद है कि पंजाब के लोग भाजपा को मौका देंगे, जो राज्य में एक स्थिर और प्रगतिशील सरकार दे सकती है।

कोलकाता के कुमारतुली में दुर्गा पूजा उत्सव से पहले एक कलाकार देवी दुर्गा की फोटो को सजाते हुए

चार बेटियों को पानी के टैंक में फेंककर मारा

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में शनिवार को एक व्यक्ति ने अपनी चार बेटियों को पानी के टैंक में फेंककर मार डाला और खुद भी आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा जिले के पोशाला गांव में अपराह्न करीब एक बजे हुआ। उन्होंने कहा कि पुरखाराम (30) नामक व्यक्ति ने पहले अपनी बेटियों-जियो (9), नोजी (7), हिना (3) एवं डेढ़ वर्षीय लासी को जहर दे दिया और फिर उन्हें अपने घर के बाहर स्थित 13 फुट गहरे पानी के टैंक में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद उसने खुद भी पानी के टैंक में छलांग लगा दी।

राजौरी में हेरोइन जब्त, चार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर के राजौरी में चार संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों के पास से 85 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है जिसके बाद उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार देर रात थानामंडी इलाके में वाहनों की जांच के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं में उन्हे गिरफ्तार किया गया है। उन्होने बताया कि निजी कार में सवार शकील अहमद और सौरभ कुमार को मनयाल पर रोका गया।

पुलिस ने उनके पास से 43 ग्राम हेरोइन जब्त की है। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य घटना में इसी स्थान पर जांच के दौरान विनीत सयाल और परवेज अहमद के पास से 42 ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिसके बाद उन्हे गिरफ्तार कर लिया गया। चारो के खिलाफ एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षा बलो ने एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियो ने शनिवार को यहां बताया कि जिले के नेलसनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत बोदली गांव के करीब सुरक्षा बलो ने मिलिशिया कमांडर सुक्ड़ा हेमला (35) को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों ने बताया कि जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत शुक्रवार को बोदली गांव के करीब सुरक्षा बलो ने घेराबंदी कर नक्सली सुक्ड़ा हेमला को गिरफ्तार कर लिया। उन्होने बताया कि नक्सली सुक्ड़ा के खिलाफ क्षेत्र में हत्या, आगजनी और अन्य नक्सली घटनाओं में शामिल रहने का आरोप है।

सदन की कार्यवाही में व्यवधान से कानून बनाने की प्रक्रिया में देरी होती है : वेंकैया

भाषा। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को कहा कि सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना संसदीय आचरण, नियमों और आचार संहिता की भावना के विरुद्ध है, इससे कानून बनाने की प्रक्रिया में देरी होती है और इसे सदस्यों का विशेषाधिकार नहीं माना जा सकता। उपराष्ट्रपति ने दूसरे राम जेठमलानी मेमोरियल व्याख्यान को संबोधित करते हुए कहा कि व्यवधान के जरिए विधायिका को निष्क्रिय बनाने के वित्तीय प्रभाव हैं, साथ ही कानून बनाने में देरी तथा

त्रुटिपूर्ण विधान के सामाजिक आर्थिक प्रभाव काफी बड़े हैं। उन्होंने कहा, संसदीय विशेषाधिकारों का उद्देश्य सांसदों को सक्षम और सदन की कार्यवाही को सार्थक बनाना है। सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना संसदीय आचरण, नियमों और आचार संहिता की भावना के विरुद्ध है। नायडू ने कहा, सदन में व्यवधान करने को सदस्यों का विशेषाधिकार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को लोगों की ओर से और लोगों के लिए काम करना चाहिए तथा इसे सार्थक होना चाहिए, व्यवधान पैदा करने वाला नहीं। राज्यसभा के सभापति नायडू ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि शोर शराबे के बीच में वे सदन की कार्यवाही स्थगित क्यों कर देते हैं।

योगी के पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर सपा एमएलसी पर मामला दर्ज

भाषा। पीलीभीत (उप्र)

पीलीभीत जिले के सुनगढ़ी कोतवाली में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य राजपाल कश्यप और पार्टी के जिला महासचिव युसूफ कादरी के खिलाफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता के बारे में आपत्तिजनक बयान देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पी ने पत्रकारों को बताया कि भाजपा के जिला महामंत्री महादेव की तहरीर पर शहर के सुनगढ़ी थाना कोतवाली में सपा नेताओं के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार बुधवार को पीलीभीत में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में कश्यप ने मुख्यमंत्री के अब्बाजान के बयान पर पलटवार करते हुए योगी के पिता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। सपा की सामाजिक न्याय यात्रा 15 सितंबर को पीलीभीत पहुंची, जहां आयोजित सभा में कश्यप ने मुख्यमंत्री के पिता को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की।

भाजपा ने सोनोवाल, मुरुगन को रासभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को केंद्रीय मंत्रियों सर्बानंद सोनोवाल और एल मुरुगन को राज्यसभा उपचुनावों के लिए क्रमश: असम तथा मध्य प्रदेश से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी के एक वक्तव्य में यह जानकारी दी गई। दोनों नेताओं को हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मंत्रिपरिषद में शामिल किया है। उन्हें छह महीने के अंदर संसद सदस्य बनना होगा। सोनोवाल और मुरुगन का राज्यसभा में आना लगभग तय है क्योंकि भाजपा को दोनों राज्यों की विधानसभा में बहुमत प्राप्त है। असम में बिस्वजीत दैमारी के इस्तीफा देने से राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई थी।

गुजरात के मंत्रियों ने कार्यभार संभाला

भाषा। अहमदाबाद

गुजरात मंत्रिपरिषद के नवनियुक्त कई मंत्रियों ने शनिवार को सचिवालय में अपने विभागों का कार्यभार संभाला। कुछ मंत्रियों ने शुभ समय के अनुसार कार्यभार संभाला और वहीं कुछ अन्य मंत्री अपने अभिभावकों का आशीर्वाद लेकर कार्यालय पहुंचे। कार्यभार संभालने वाले मंत्रियों में कानू देसाई, जीतू वघानी, ऋषिकेश पटेल, राघवजी पटेल, नरेश पटेल, हर्ष सांघवी, बृजेश मेरजा, कीर्तिसिंह वाघेला, मनीषा वकील और विनोद मोराडिया शामिल थे। कुछ मंत्रियों ने अपने कार्यकाल की शुरुआत अधिकारियों के साथ बैठक

अपने अभिभावकों का आशीर्वाद लेकर कार्यालय पहुंचे

के साथ की। शिक्षा और विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री वघानी ने 906 छात्र लाभार्थियों के लिए वित्तीय सहायता के रूप में 7.83 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। वित्त मंत्री कानू देसाई ने राज्य बिजली बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात की और कहा कि वह नरेंद्र भाई (मोदी), आनंदीबेन (पटेल) और विजय रूपाणी जैसे पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों द्वारा किए गए कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि सरकार मुफ्त कोविड-19 टीकाकरण पर जोर देना जारी रखेगी। जनजातीय मामलों के मंत्री नरेश पटेल ने कार्यभार संभालने के पहले पूजा के लिए एक पुजारी को साथ लेकर आए। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार ने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेने के बाद शुभ मुहूर्त में कार्यभार संभाला। हर्ष सांघवी ने अपने परिवार के साथ कार्यालय में पूजा-अर्चना की और गृह राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण किया। बाद में उन्होंने राज्य के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में 50 बिस्तरों वाले पोर्टेबल अस्पताल का उद्घाटन

श्रीनगर। कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में 50 बिस्तरों वाले पोर्टेबल (एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाए जाने वाले) अस्पताल का उद्घाटन किया, जिसमें आईसीयू और ऑक्सीजन सुविधाएं उपलब्ध हैं।यहां राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में अस्पताल को स्थापित करने वाली कंपनी पिक्चरटाइम ने कहा कि मंत्री ने इस स्वास्थ्य केंद्र के कामकाज का अच्छी तरह निरीक्षण किया है। कोविड की तीसरी लहर की आशंका के मद्देनजर पिक्चरटाइम कोई कसर नहीं छोड़ रही।

क्विक न्यूज

युवाओं को जंक फूड की लत से बचाने के लिए आयुष आहार को बढ़ावा देना चाहिए: सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को कहा कि युवाओं को जंक फूड की लत से बचाने के लिए मंत्रालय को पूरे देश में आयुष आहार को बढ़ावा देना चाहिए। सोनोवाल ने नई दिल्ली के जनकपुरी में स्थित सेंट्रल काउंसिल्स कॉमन बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स (सीसीसीबीसी) का दौरा किया, जहां उन्होंने परिसर में स्थित मंत्रालय के तहत सभी पांच अनुसंधान परिषदों और दो राष्ट्रीय आयोगों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। सोनोवाल ने कहा कि मंत्रालय को पूरे देश में आयुष आहार को बढ़ावा देना चाहिए। इससे युवाओं को जंक फूड की लत से बचाने में भी मदद मिलेगी। आयुष मंत्रालय आयुष आधारित आहार और जीवन शैली को बढ़ावा दे रहा है और सुपोषित भारत के अंतिम लक्ष्य को साकार करने के लिए पोषण अभियान में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने आयुष मंत्रालय के साथ मिलकर आयुष आहार पर दिशा-निर्देशों का मसौदा भी जारी किया है, जो मानक आधारित आयुष आहार की सुविधा प्रदान करेगा।

बच्चों में इम्यून बढ़ाने पर शोध

बेंगलुरू। जगदाले हेल्थकेयर ने अपने लोकप्रिय स्वास्थ्य पेय मुलमिना पर एक नैदानिक अध्ययन के परिणामों के बारे में जानकारी दी। बच्चों सहित सभी आयु समूहों के लिए उपभोग के लिए उपयुक्त मुलमिना प्राकृतिक सुपरफूड से बना है और टेट्रा पैक में इम्यून बूस्टर एंटी ऑक्सीडेंट ड्रिंक है। शोध ने साबित किया कि पेय के अंतर्निहित प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले गुण इसे अन्य स्वास्थ्य पेय पदार्थों से बेहतर विकल्प बनाते हैं।चल रही महामारी के मद्देनजर, अधिक से अधिक लोग निवारक स्वास्थ्य के लिए बेहतर उपायों की तलाश कर रहे हैं। कोविड मामलों की वैश्विक वृद्धि के साथ दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवा कंपनियां बीमारी के लिए एक व्यवहार्य निवारक और उपचारात्मक विकल्प तलाश रही हैं। आम के संयोजन में हल्दी, गोटू कुला जैसी आयुर्वेदिक दवाओं का अच्छी तरह से अध्ययन किया गया है, अब चिकित्सकीय रूप से सिद्ध हो चुका है कि 7-14 वर्ष के बीच के बच्चों में प्रतिरक्षा बढ़ाने में एक निश्चित भूमिका होती है। मैलिज हॉस्पिटल बेंगलुरू के कंसल्टेंट पीडियाट्रिशियन डॉ सौम्या नागार्जन ने कहा कि यह अध्ययन साबित करता है कि आम, गोटू कोला और हल्दी के संयोजन में आवश्यक विटामिन और खनिजों के साथ जब श्वसन पथ के संक्रमण वाले चुनिंदा रोगियों में एंटीबायोटिक दवाओं के साथ प्रयोग किया गया हैए तो नियमित अंतराल पर रक्त विश्लेषण से साबित होता है कि प्रतिरक्षा और एंटीऑक्सीडेंट स्तर में वृद्धि हुई है।

श्रीनगर में आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, कोई हताहत नहीं

श्रीनगर। श्रीनगर के नूरबाग इलाके में शनिवार को आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों के एक दल पर गोलीबारी की, लेकिन इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। कश्मीर जोन की पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, श्रीनगर के नूरबाग में आतंकवादियों की घेराबंदी करते समय पुलिस की एक छोटी टीम पर गोलियां चलाई गईं।पुलिस ने कहा कि आतंकवादी कुछ हथियार छोड़कर भाग गए।

LOST AND FOUND

This is to Inform that I Sudhir Anand S/o. Sudarshan Anand R/o. F- 96 Sector 20 Noida 201301 have Lost the Sale Deed executed between Noida Authority and Mr. Shiv Nandan S. Ahluwalia S/o S.S. Ahluwalia Registered with Noida Authority via Jild No 749 Vol. no. 11 Page no 4016 Dated 24/09/91 and Original Transfer Permission Letter No. 13932 Noida/ Housing / 2005 dated 29.6.2005 between Mr. Shiv Nandan S Ahluwalia S/o. S.S. Ahluwalia and myself IE Sudhir Anand.
I have Registered a FIR for the same with The Noida Police via FIR No.80 Dated 10.09.2021.
This is To inform that I am the lawful owner of the property via Bahi no.1, Jild no 749/754, page no. II/349/368, M.No.4016 Document no 4015 Dated: 24.09.1991.
There is no Charge/Litigation/Mortgage or any kind of Dispute against the captioned property. That I am selling the property to Priya Sharma & Yogesh Kumar Sharma and that I stand to fully indemnify the buyer in case of any misrepresentation, fabrication, concealment of facts pertaining to property being sold by me.

नीतीश ने 30 लाख से ज्यादा टीकाकरण के लिए बिहार के लोगों को बधाई दी

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर शुक्रवार को राज्य में 30.67 लाख से अधिक लोगों के कोविड-19 टीकाकरण के लिए बिहार के लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने शनिवार को कहा कि बिहार ने इस अवसर पर देश में सबसे अधिक लोगों का टीकाकरण कर इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है।

कुमार ने ट्वीट किया, कोविड

टीकाकरण महाअभियान के तहत बिहार में रिकॉर्ड टीकाकरण के लिए बिहारवासियों को बधाई, 17 सितंबर को आयोजित कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान के तहत अब तक के आंकड़ों के अनुसार 30,67,918 लोगों का टीकाकरण कर बिहार ने नया स्वर्णिम अध्याय लिखा है तथा देश में बिहार प्रथम स्थान पर है। आशा है स्वास्थ्य विभाग इसी मनोयोग के साथ काम करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है कि बिहार ने इस अवसर पर 30 लाख लोगों को टीका लगाने के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है।

ओडिशा में टीके की पहली खुराक ले चुके लोग दूसरी खुराक लेने के लिए नहीं आ रहे: अधिकारी

भुवनेश्वर। ओडिशा के कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात पर चिंता जताई है कि टीके की एक खुराक ले चुके लोग दूसरी खुराक लेने के लिए नहीं आ रहे हैं जिसकी वजह से राज्य में अभियान की गति मंद पड़ रही है। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा में अब तक दो करोड़ से अधिक लोगों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है जबकि दोनों खुराक लेने वाले लोगों की संख्या महज 69.8 लाख है। राज्य में कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. बिजय पाणिग्रही ने कहा, और 28 लाख लोगों को टीके की दूसरी खुराक अब तक ले लेनी चाहिए थी। राज्य के कुछ हिस्सों खासकर जनजातीय क्षेत्रों में टीके की दूसरी खुराक लगाने की गति धीमी है। बार-बार ताकीद करने के बावजूद लोगों ने समय पर दूसरी खुराक नहीं ली। ओडिशा की 3.9 करोड़ की पात्र आबादी में से अब तक 51.4 फीसदी को पहली खुराक लगाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवरों की इस अभियान के प्रति प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार जताया था।

Public Notice

This is to inform that the Smt. Kamlesh W/o Shri Prem R/o 15/315, Dakshin Puri Extension, Dr. Ambedkar Nagar, South Delhi, Pushpa Bhawan, Delhi is also the owner of property address D-137,138, 139, Sai Vihar, Phase-II, Bhupani Mor, Faridabad declares through this public notice that Smt. Kamlesh Disown her son namely Vinesh from her Property and he has no right towards her moveable and immovable assets and only reason is due to his and his wife nature and misbehavior towards her.

Nishkarsh Gupta (Advocate)
Mob No: 7011887119

आवास बोर्ड हरियाणा सेक्टर-23, फरीदाबाद

सार्वजनिक सूचना

सभी को सूचित किया जाता है कि आवास बोर्ड हरियाणा द्वारा मकान नं. 527/एलआईजी, सेक्टर-22, फरीदाबाद को श्रीमती प्रतिभा सक्सेना पुत्री श्री ए.पी. सक्सेना निवासी मकान नं. 527/एलआईजी, सेक्टर-22, फरीदाबाद को पत्र क्रमांक नं. 4423 दिनांक 22/12/89 के द्वारा अलॉट/हस्तांतरण हुआ था अब उपरोक्त अलॉटी/ट्रांसफरी/खरीददार श्री गिर्राज प्रसाद पुत्र श्री बेगराज प्रसाद का दिनांक 04/04/2018 को देहांत हो चुका है।

अब श्री राजकुमार अग्रवाल और ललित अग्रवाल दोनो पुत्र स्वर्गीय श्री गिर्राज प्रसाद निवासी मकान नं. 527/एलआईजी, सेक्टर-22, फरीदाबाद जो की अपने आप को अलॉटी/ट्रांसफरी/खरीददार का वारिस होने का दावा करते हैं तथा उपरोक्त मकान को अपने नाम हस्तांतरण करवाने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है यदि किसी भी व्यक्ति को हस्तांतरण सम्बंधित किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर साक्ष्य सहित इस कार्यालय में अपनी लिखित आपत्तियां दर्ज करा सकता है। यदि इस अवधि के दौरान इस कार्यालय में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती तो उपरोक्त मकान की हस्तांतरण की स्वीकृति प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर श्री राजकुमार अग्रवाल और ललित अग्रवाल दोनो पुत्र स्वर्गीय श्री गिर्राज प्रसाद के हक में प्रदान कर दी जायेगी और इसके बाद इस हस्तांतरण के संबंध में कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।

सम्पदा प्रबंधक
आवास बोर्ड हरियाणा,
फरीदाबाद

चेन्नई में कोविड जागरूकता पर दीवार पर बने भिति चित्र के सामने से गुजरती एक महिला

सड़क पर बैठने से किसी मुद्दे का हल नहीं निकलता है : अजय चौटाला

भिवानी (हरियाणा)। जननायक जनता पार्टी (जजपा) संस्थापक अजय चौटाला ने केंद्र के नए कृषि कानूनों को रद्द करने की प्रदर्शनकारी किसानों की मांग पर शनिवार को यहां कहा कि सड़क पर बैठने से किसी मुद्दे का कोई हल नहीं निकलता, बस जनता परेशान होती है। उन्होंने कहा कि सरकार तीन नए कृषि कानूनों के मुद्दे पर किसानों से बातचीत करने के लिए तैयार है। उन्होंने किसानों से बातचीत के लिए आगे आने की अपील की। जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि किसानों का हित उनकी पार्टी के लिए हमेशा सर्वोपरी है। उन्होंने दावा किया, आज देशभर में हरियाणा ही ऐसा राज्य है, जहां के किसानों को सबसे ज्यादा 11 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिलता है, जबकि अन्य राज्य पंजाब में मात्र एक-दो फसल पर ही किसानों को एमएसपी दिया जा रहा है।

परमबीर सिंह से जुड़े जबरन वसूली मामले में दाऊद का सहयोगी परवीन गिरफ्तार

ठाणे। पुलिस ने भगोड़े माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम के कथित सहयोगी तारिक परवीन को जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी परम बीर सिंह भी आरोपी हैं। एक अधिकारी ने बताया कि परवीन को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। तारिक अब्दुल करीम मर्चेंट उर्फ तारिक परवीन (55) एक अन्य मामले में पहले से ही जेल में बंद है और वह यहां ठाणे नगर थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था।

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर -23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली -110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह-कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह-कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	संतोष गुसाईं और पुष्पा गुसाईं/ LBFDB00002370675	मकान संख्या- 91पी, पहली मंजिल, आवासीय योजना सूर्य नगर फेज-2 सेक्टर-91, फरीदाबाद, हरियाणा/ सितंबर 14, 2021	मार्च 25, 2021 ₹ 39,90,504/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह-कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: सितम्बर 18, 2021
स्थान: दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

नए साल से एक माह का जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने पर जमा नहीं कर सकेंगे जीएसटीआर-1

भाषा। नई दिल्ली

नए साल यानी एक जनवरी से संक्षिप्त रिटर्न और मासिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के भुगतान में चूक करने वाली कंपनियों को आगे के महीने के लिए जीएसटीआर-1 बिक्री रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं होगी। जीएसटी परिषद की लखनऊ में शुक्रवार को हुई बैठक में अनुपालन को सुसंगत बनाने की दृष्टि से कई फैसले किए गए। इसमें कंपनियों या कारोबारियों द्वारा रिफंड का दावा करने के लिए आधार सत्यापन को अनिवार्य किया जाना भी शामिल है। माना जा रहा है कि इन कदमों से जीएसटी की चोरी से राजस्व में होने वाले नुकसान को रोका जा सकेगा। जीएसटी व्यवस्था एक जुलाई, 2017 को लागू हुई थी।

जीएसटी परिषद ने एक जनवरी, 2022 से केंद्रीय जीएसटी नियम के नियम 59 (6) में संशोधन करने का फैसला किया है। इसके तहत यदि किसी पंजीकृत व्यक्ति ने पिछले महीने का फॉर्म जीएसटीआर-3बी में रिटर्न दाखिल नहीं किया है, तो उसे जीएसटीआर-1 जमा करने की अनुमति नहीं होगी। अभी कंपनियां यदि पिछले दो माह का जीएसटीआर-3बी जमा करने में चूक जाती हैं, तो उन्हें बाहरी आपूर्ति या जीएसटीआर-1 जमा कराने की अनुमति नहीं होती। कंपनियों को किसी महीने के लिए जीएसटीआर-1 बाद के महीने के 11वें दिन तक जमा कराना होता है। वहीं जीएसटीआर-3बी जिसके जरिए कंपनियां कर का भुगतान करती हैं, उसके बाद के माह के 20वें से 24वें दिन जमा कराना होता है। इसके अलावा परिषद ने जीएसटी पंजीकरण के लिए आधार सत्यापन को अनिवार्य कर दिया है तभी कोई कंपनी रिफंड के लिए दावा कर सकेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने जीएसटी पंजीकरण के लिए आधार सत्यापन को 21 अगस्त, 2020 से अनिवार्य किया था। परिषद ने अब फैसला किया है कि कंपनियों को अपने जीएसटी पंजीकरण को बायोमीट्रिक आधार से जोड़ना होगा, तभी वे रिफंड के लिए दावा कर सकेंगी या रद्द पंजीकरण को फिर बहाल करने के लिए आवदेन कर सकेंगी।

केरल के वित्त मंत्री ने जीएसटी क्षतिपूर्ति व्यवस्था को बढ़ाने की मांग की

नई दिल्ली। केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने शनिवार को कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति को अगले साल जून से आगे बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि राज्य पहले ही गंभीर राजस्व कमी से जूझ रहा है। उन्होंने यहां मीडिया से कहा कि 15वें वित्त आयोग की हस्तांतरण सिफारिशों के मद्देनजर राज्य को उसका हक नहीं मिल रहा है। बालगोपाल ने कहा कि केरल को मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में 13,000 करोड़ रुपए से अधिक की जीएसटी (वस्तु और सेवा कर) क्षतिपूर्ति और 19,000 करोड़ रुपए से अधिक का एकमुश्त अनुदान मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर जीएसटी क्षतिपूर्ति अगले साल खत्म हो गई तो राज्य को राजस्व की और अधिक कमी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षतिपूर्ति व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। जीएसटी व्यवस्था में शामिल होने के चलते राज्यों को राजस्व की कमी की क्षतिपूर्ति के लिए बनाई गई व्यवस्था अगले साल जून में खत्म हो जाएगी।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र को राजभाषा का सर्वोच्च सम्मान कीर्ति पुरस्कार

लखनऊ। बैंक ऑफ महाराष्ट्र को राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किया गया। 14 सितंबर, 2021 को हिंदी दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में गृह राज्य मंत्री श्री निशिथ प्रामाणिक द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री एएस राजीव को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृहमंत्री अमित शाह थे। कार्यक्रम में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, अजय कुमार मिश्रा एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कार्यपालक निदेशक हेमन्त टम्टा, दिल्ली अंचल की महाप्रबंधक श्रीमती चित्रा दातार, महाप्रबंधक (मासंप्र) व राजभाषाद्ध राधे श्याम बंसल तथा सहायक महाप्रबंधक डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे।

क्विक न्यूज

सिंधुदुर्ग हवाईअड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों का रास्ता साफ, डीजीसीए से लाइसेंस मिला

मुंबई। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के सिंधुदुर्ग हवाईअड्डे को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से हवाईअड्डा लाइसेंस मिल गया है। इससे इस हवाईअड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों के परिचालन का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने यह जानकारी दी। राणे ने कहा कि महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के चिपी हवाईअड्डे का उद्घाटन नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया नौ अक्टूबर को करेंगे। इससे पहले राज्य में सत्ताधारी शिवसेना ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के इसी तरह के कार्यक्रम की घोषणा की थी। चिपी में बना यह पहला हरित हवाईअड्डा है। इस पर 800 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस हवाईअड्डे का विकास करने वाली आईआरबी सिंधुदुर्ग एयरपोर्ट प्राइवेट लि. ने बयान में कहा कि इससे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। हवाईअड्डे से क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के कारोबारी अवसर उपलब्ध होंगे। बयान में कहा गया है कि 2,500 मीटर लंबी हवाई पट्टी के साथ इस हवाईअड्डे में व्यस्त समय में 200 यात्री रवाना हो सकेंगे और 200 उतर सकेंगे।

अमेरिकी अदालत ने एच-1बी वीजा चयन पर ट्रंप के प्रस्तावित नियम को रद्द कर दिया

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दौर के उस प्रस्तावित नियम को रद्द कर दिया है, जिसके तहत एच-1बी वीजा चयन के लिए वर्तमान लॉटरी प्रणाली की जगह वेतन स्तर पर आधारित चयन प्रक्रिया को लागू किया जाना था। कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश जेफरी एस व्हाइट ने ट्रंप युग के एच-1बी सीमा चयन नियमन इस आधार पर खारिज कर दिया कि जब नियमन को लाया गया, तब तत्कालीन कार्यवाहक होमलैंड सुरक्षा सचिव चाड वुल्फ उस समय कानूनी रूप से सेवा नही कर रहे थे। एच1बी वीजा एक गैर-आव्रजक वीजा है जिसकी मदद से अमेरिकी कंपनियां सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत वाले विशिष्ट पेशों में विदेशी कर्मियों को नौकरियों पर रखती हैं। प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों लोगों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर करती है। हर साल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा की संख्या 65,000 तक सीमित है, साथ ही उच्च डिग्री वाले व्यक्तियों के लिए अतिरिक्त 20,000 वीजा आरक्षित हैं। आवेदनों के चयन की वर्तमान प्रणाली पहले आओ, पहले पाओ और लॉटरी पर आधारित है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में पारंपरिक लॉटरी प्रणाली को खत्म करने की घोषणा की थी।

आईजेएमए को उम्मीद, सरकार शुल्क आयोग की रिपोर्ट को लागू करेगी

कोलकाता। भारतीय जूट मिल संघ (आईजेएमए) ने उम्मीद जताई है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के हालिया निर्देश के बाद सरकार लंबे समय से अटकी शुल्क आयोग की रिपोर्ट को लागू करेगी। जूट मिलों की संस्था आईजेएमए ने कहा कि इस महीने कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सरकार से शुल्क आयोग की रिपोर्ट को मंजूरी देने और 30 नवंबर के भीतर रिपोर्ट के अनुरूप भुगतान करने का निर्देश दिया है। आईजेएमए के अध्यक्ष राघवेंद्र गुप्ता ने कहा, हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय के हालिया निर्देश के बाद सरकार जल्द ही शुल्क आयोग की रिपोर्ट को लागू करेगी। यह लंबे समय से लंबित है और अभी भी अनंतिम मूल्य निर्धारण जारी है। नए मूल्य निर्धारण के लागू होने से उद्योग को जीवित रहने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट को 31 मार्च तक लागू किया जाना था। एक अन्य मिल मालिक और आईजेएमए के पूर्व पदाधिकारी ने कहा कि इस समय सभी जूट मिलें तदर्थ या अनंतिम मूल्य पर किसी तरह अपना काम चला रही हैं और मिलों को प्रति टन 3,000-6,000 रुपए का नुकसान हो रहा है।

उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने के फैसले से कपड़ा उद्योग से कर का बोझ कम होगा : एईपीसी

नई दिल्ली। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने जीएसटी परिषद द्वारा एक जनवरी, 2022 से कपड़े पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक के फैसले का स्वागत किया है। एईपीसी ने कहा कि इससे कृत्रिम रेशे (एमएमएफ) के कपड़े तथा परिधानों पर कर का बोझ कम होगा। जीएसटी परिषद की 17 सितंबर को हुई बैठक में एक जनवरी, 2022 से फुटवियर तथा कपड़े पर उलट शुल्क ढांचे को ठीक करने पर सहमति बनी। एईपीसी के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि इस फैसले से कपड़ा उद्योग को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि उलट शुल्क ढांचा परिधान उद्योग के लिए एक मुद्दा था और परिषद ने सरकार से इस विसंगति को समाप्त करने की मांग की थी। इसके तहत इनपुट कर क्रेडिट के संग्रहण से कंपनियों की महत्वपूर्ण कार्यशील पूंजी ब्लॉक हो रही थी। शक्तिवेल ने कहा कि एमएमएफ कपड़ा खंड (फाइबर और यार्न) में उत्पादन के सामान (इनपुट) पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत है, जबकि एमएमएफ फैब्रिक पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत है। वही तैयार परिधान पर यह पांच प्रतिशत और 12 प्रतिशत है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो रही कि इनपुट पर कर की दर उत्पादन से अधिक थी।

विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में हेरफेर की खबरें परेशान करने वाली : कौशिक बसु

नई दिल्ली। विश्वबैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने बहुपक्षीय संस्थान की कारोबार सुगमता रैंकिंग में जोड़-तोड़ या गड़बड़ी के आरोपों पर हैरानी जताई है। बसु ने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान भी सरकारों की ओर से दबाव आता था, लेकिन विश्वबैंक कभी दबाव में नही आया। इस तरह की खबरें परेशान करने वाली है। अनियमितता के आरोपों के बाद विश्वबैंक ने किसी देश में निवेश के माहौल पर कारोबार सुगमता रैंकिंग का प्रकाशन बंद करने का फैसला किया है। वर्ष 2017 में चीन की रैंकिंग बढ़ाने के लिए बैंक के शीर्ष अधिकारियों पर दबाव की वजह से आंकड़ों में अनियमितता का मामला सामने आने के बाद यह कदम उठाया गया है। बसु ने ट्वीट किया, विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में हेरफेर की खबर काफी परेशान करने वाली है। 2012 से 2016 के दौरान कारोबार सुगमता रैंकिंग का काम मेरे तहत आता था। हमारे ऊपर दबाव पड़ता था, लेकिन हम दबाव में नही आते थे। दुख की बात है कि यह बदल गया है। मै भारत को इस बात का श्रेय दूंगा कि न तो पिछली सरकार और न ही मौजूदा सरकार ने इस तरह का कोई दबाव डाला था। बसु 2012 से 2016 तक विश्वबैंक के मुख्य अर्थशास्त्री रहे थे। विश्वबैंक समूह ने बृहस्पतिवार को बयान जारी कर कहा था, कारोबार सुगमता पर उपलब्ध सभी सूचनाओं की समीक्षा, निष्कर्षों के ऑडिट और बैंक कार्यकारी निदेशकों के बोर्ड की ओर से आज जारी रिपोर्ट के बाद विश्वबैंक समूह प्रबंधन ने कारोबार सुगमता रैंकिंग का प्रकाशन रोकने का फैसला किया है। कारोबार सुगमता रैंकिंग-2020 में भारत 14 स्थानों की छलांग से 63वें पायदान पर पहुंच गया था। 2014 से 2019 के दौरान भारत की रैंकिंग में 79 स्थानों का सुधार हुआ है।

विपक्ष शासित राज्यों ने जीएसटी क्षतिपूर्ति व्यवस्था जून, 2022 से आगे बढ़ाने की मांग की

भाषा। नई दिल्ली

विपक्ष शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति उपकर व्यवस्था को जून, 2022 से आगे बढ़ाने की मांग की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लखनऊ में जीएसटी परिषद की 45वीं बैठक के बाद पत्रकारों से कहा था कि जीएसटी व्यवस्था लागू होने के चलते राज्यों को राजस्व की कमी के लिए क्षतिपूर्ति करने की व्यवस्था अगले साल जून में खत्म हो जाएगी।

हालांकि, राज्यों को जीएसटी राजस्व नुकसान की भरपाई को 2020-21 और 2021-22 में लिए गए कर्ज के भुगतान के लिए क्षतिपूर्ति उपकर मार्च, 2026 तक लिया जाएगा। यह उपकर विलासिता तथा अहितकर वस्तुओं पर लगाया गया है। बैठक में तमिलनाडु के वित्त मंत्री पी त्याग राजन ने क्षतिपूर्ति की व्यवस्था को जारी रखने की मांग की। उन्होंने कहा, हम मोटे तौर पर क्षतिपूर्ति तंत्र को जारी रखने के पक्ष में हैं। हम कई विवरणों से चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि परिषद के सभी सदस्यों को 45वीं बैठक के दौरान प्रस्तुत विकल्पों का विश्लेषण और आकलन करने के लिए थोड़ा वक्त चाहिए और इसलिए उम्मीद है कि आगे कोई भी फैसला कम से कम 46 वीं बैठक के लिए टाल दिया जाएगा। केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने शनिवार को कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति को अगले साल जून से आगे बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि राज्य पहले ही गंभीर राजस्व कमी से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर जीएसटी क्षतिपूर्ति अगले साल खत्म हो गई तो राज्य को राजस्व की और अधिक कमी का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षतिपूर्ति व्यवस्था को बढ़ाया जाएगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर का मामला मंत्रियों के समूह (जीओएम) को भेजा जाएगा। सीतारमण ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा था कि जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि जुलाई, 2022 के बाद उपकर का संग्रह लिए गए ऋणों के भुगतान के लिए होगा।

पेट्रोलियम कंपनियों को एथनॉल खरीद निविदा पर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली

भाषा। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल में मिश्रण के लिए एथनॉल की खरीद के लिए निकाली गई निविदा पर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, आगामी प्रतिबद्ध एथनॉल संयंत्र के साथ एथनॉल की आपूर्ति को दीर्घावधि के करार पर हस्ताक्षर के लिए पहले रुचि पत्र (ईओआई) को काफी शानदार प्रतिक्रिया मिली है। इसमें 197 बोलीदाताओं ने भाग लिया। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) ने पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की ओर से 27 अगस्त को पहला ईओआई प्रकाशित किया था। इसे 17 सितंबर को खोला गया। अभी इन बोलियां का आकलन किया जा रहा है।

पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण (ब्लेंडिंग) को धीरे-धीरे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के लिए एथनॉल की खरीद को निविदा निकाली थी। बयान में कहा गया है कि एथनॉल आपूर्ति वर्ष 2019-20 (दिसंबर, 2019 से नवंबर, 2020) के दौरान 173 करोड़ लीटर एथनॉल की खरीद की गई। इस दौरान पेट्रोल में पांच प्रतिशत एथनॉल मिश्रण हासिल किया गया। आपूर्ति वर्ष 2020-21 (दिसंबर, 2020 से नवंबर, 2021) के दौरान 325 करोड़ लीटर एथनॉल खरीद का लक्ष्य है। इस दौरान मिश्रण को 8.5 प्रतिशत पर पहुंचाने का लक्ष्य है। अभी तक 2020-21 में 243 एथनॉल खरीद पर 8.01 प्रतिशत मिश्रण को हासिल किया गया है।

प. बंगाल सरकार की शराब आपूर्ति मॉडल में बदलाव की योजना, वितरकों को जोड़ेगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल का आबकारी विभाग खुदरा विक्रेताओं तक शराब की आपूर्ति को सुसंगत करने के लिए इसके वितरण मॉडल में बदलाव की योजना बना रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आपूर्ति श्रृंखला में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई की भूमिका को बदलने के लिए वितरकों को जोड़ने की योजना है। नया मॉडल 18 अक्टूबर, 2021 से प्रभावी होगा। विभाग ने पश्चिम बंगाल राज्य बेवरेज निगम (बेवको) को विदेशी शराब और देसी शराब दोनों की बिक्री के लिए वितरक मॉडल से बदलने का फैसला किया है। अधिकारी ने बताया कि वित्त विभाग ने बेवको प्रबंधित भंडार गृह से शराब के परिवहन, आयात, भंडारण और आपूर्ति के लिए वितरकों को जोड़ने के बारे में 16 सितंबर को अधिसूचना जारी है। विभाग ने वितरकों की नियुक्ति के लिए पश्चिम बंगाल आबकारी (विदेशी शराब) नियम-1998 और पश्चिम बंगाल आबकारी नियम-2010 में संशोधन किया है। राज्य ने 2017 में विनिर्माताओं से शराब की खरीद करने और उसे राज्य के खुदरा विक्रेताओं को बेचने के लिए बेवको का गठन किया था। इसका मकसद शराब वितरण में पारदर्शिता को कायम रखना और गुणवत्ता नियंत्रण था।

केरल के मुख्यमंत्री ने कोच्चि में डिजिटल केंद्र का उद्घाटन किया

भाषा। कोच्चि

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) द्वारा कोच्चि में स्थापित एक अत्याधुनिक डिजिटल केंद्र का उद्घाटन किया। वर्चुअल माध्यम से इस डिजिटल केंद्र का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अगले पांच वर्षों के दौरान स्टार्टअप कंपनियों की संख्या को चार गुना बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। अगले पांच साल में इनकी संख्या 15,000 होगी। विजयन ने कहा, पांच साल पहले हमारे पास 300 स्टार्टअप कंपनियां थीं, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 3,900 हो गई है। इन स्टार्टअप से कम से कम 35 हजार लोगों को रोजगार मिल रहा है। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों के दौरान स्टार्टअप कंपनियों की संख्या को 15,000 करने का है। उन्होंने कहा कि सरकार नवाचार के एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हुए संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करना जारी रखेगी। उन्होंने इस दौरान दुनिया में ज्ञान, नवाचार और रचनात्मकता के बढ़ते महत्व पर भी जोर दिया, ताकि बाजार में अच्छे विचारों को बढ़ावा मिले।

कृषि अनुसंधान, विकास में अधिक निवेश की जरूरतः तोमर

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को जी20 कृषि बैठक में जोर देकर कहा कि जलवायु परिवर्तन और 2030 तक खाद्य की मांग में वृद्धि से जुड़ी चुनौतियों के बीच कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इतालवी प्रेजिडेंसी द्वारा आयोजित जी-20 की कृषि मंत्रिस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा, कृषि अनुसंधान ने खाद्य सुरक्षा की समस्या से निपटने, किसानों व खेतिहरों की आय में सुधार करने तथा लोगों की आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनुसंधान खाद्य सुरक्षा के तीन पहलुओं- उपलब्धता, पहुंच और सामर्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बैठक के सत्र स्थिरता के पीछे एक प्रेरक शक्ति के रूप में अनुसंधान को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में कृषि अनुसंधान ने देश को खाद्यान्न आयातक से, निर्यातक के रूप में बदलने में प्रमुख भूमिका निभाई हैं। तोमर ने कहा, समेकित अनुसंधान के प्रयासों से बेहतर मृदा उत्पादकता, भंडारण के लिए जल प्रबंधन, विस्तार एवं दक्षता हेतु तकनीकों और पद्धतियों को विकसित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सालाना 30.8 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन के साथ न केवल अपनी खाद्य जरूरतों को पूरा कर रहा है, बल्कि दूसरे देशों को आपूर्ति भी कर रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा, 2030-31 तक भारत की आबादी 150 करोड़ से ज्यादा होने की संभावना है, जिसके पोषण के लिए अनाज की मांग तब लगभग 35 करोड़ टन तक होने का अनुमान है। इसी तरह खाद्य तेलों, दूध व दूध से बने उत्पादों, मांस, अंडे, मछली, सब्जियों, फलों और चीनी की मांग काफी बढ़ जाएगी। इसके मुकाबले प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं और जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी है। उन्होंने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में जीनोमिक्स, डिजिटल कृषि, जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकियों व पद्धतियों, कुशल जल उपयोग उपकरणों, उच्च उपज वाली किस्मों के विकास पर ध्यान देने की जरूरत है।

पेज एक का शेष

कांग्रेस ने...

के प्रभारी हरीश रावत और केंद्रीय पर्यवेक्षक अजय माकन के चंडीगढ़ पहुंचने के बाद यह साफ हो गया था कि कैप्टन अमरिंदर ने इस्तीफा नहीं दिया तो उन्हें हटा दिया जाएगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सियासी मूड को भांपते हुए वे तुरंत राजभवन पहुंचे और अपना एक लाइन का इस्तीफा सौंप दिया। पंजाब की राजनीतिक स्क्रिप्ट भाजपा शासित गुजरात की तरह लिखी गई है, जहां पर न केवल मुख्यमंत्री बल्कि पूरे मंत्रिमंडल को बदल कर चुनाव से पहले सरकार को एकदम नया लुक दिया गया। पंजाब के सियासी गलियारे में इसी तरह की अटकलें चल रही थीं, लेकिन इस बात की संभावना कम थी पंजाब के पूरे कैबिनेट को बदल दिया जाएगा, हालांकि सूत्रों ने बेहतर प्रदर्शन न करने वालों को निकाल बाहर करने के लिए 'सर्जिकल ऑपरेशन' से इनकार नहीं किया था। नेतृत्व में अचानक बदलाव पर कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि आंतरिक रिपोर्ट में कहा गया था कि निवर्तमान मुख्यमंत्री के खिलाफ अंदर ही अंदर नाराजगी चल रही थी क्योंकि वे पार्टी कार्यकर्ताओं और यहां तक कि विधायकों और मंत्रियों के लिए भी आसानी से उपलब्ध नहीं थे। सूत्रों ने कहा कि पंजाब में जहां पर सरकारों को दोहराया नहीं जाता (एक बार अकालियों को छोड़कर) वहां पर सत्ता विरोधी लहर एक बड़ा मसला है। लिहाजा विधायकों की मांग और उनकी इच्छा के मुताबिक यह एक व्यवहारिक राजनीतिक समाधान था। पार्टी के एक विधायक ने कहा कि पटियाला के राजा चंडीगढ़ के पास स्थित सिसवान बांध इलाके में जीवन का लुत्फ उठा रहे थे। यहां पर वे अपने फार्म हाउस में रहते हैं और जमीन से जुड़ी राजनीतिक हकीकत से खुद को काट लिया था। उधर, उम्मीद के अनुरूप कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों अजय माकन और हरीश चौधरी तथा प्रदेश प्रभारी हरीश रावत की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में प्रस्ताव पारित कर नया नेता चुनने के लिए सोनिया गांधी को अधिकृत किया गया। विधायक दल की बैठक के बाद रावत ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी में यह परंपरा रही है कि कांग्रेस अध्यक्ष को नया नेता चुनने के लिए अधिकृत किया जाए। पंजाब के हमारे विधायक दल ने भी इसी परंपरा का अनुसरण करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष से आग्रह किया कि वह नये नेता का फैसला करें। कांग्रेस अध्यक्ष जिसे भी नेता चुनेंगी, वह सबको स्वीकार होगा। माकन ने कहा कि विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के कुल 80 में से 78 विधायक मौजूद थे और मुख्यमंत्री के लिए इसमें किसी नाम पर चर्चा नहीं की गई। चुनाव तक अंतरिम मुख्यमंत्री बनने की रेस में शामिल शीर्ष नेताओं में राज्य के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़ का नाम इस सूची में सबसे ऊपर हैं। हाल के महीनों तक कैप्टन के बेहद वफादार रहे जाखड़ ने मुख्यमंत्री के खिलाफ विधायकों में पनपते रोष को भांप लिया था और शांति से तटस्थ हो गए थे। दो माह पहले जुलाई में नवजोत सिंह सिद्ध ने उनका स्थान लिया था।

सीएम के...

में उनके कुछ करीबी सहयोगियों और विधायकों के अलावा, कई लोग बैठक में शामिल नहीं हुए। अमरिंदर ने राज्य में 10 साल के अकाली शासन के बाद 2017 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को शानदार जीत दिलाई थी। कुल 117 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस ने 80 विधायकों का प्रचंड बहुमत हासिल किया था। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दावा किया कि वह उन सभी दांव-पेचों से वाकिफ हैं जो उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी इस समय उनके खिलाफ आजमा रहे हैं। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने पार्टी आलाकमान से नाखुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से पहले ही पदमुक्त करने के लिए कहा था, लेकिन आलाकमान ने उन्हें पद पर बने रहने का निर्देश दिया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर सिद्धू एक आपदा की तरह साबित होंगे। वह एक मंत्रालय तो चला नहीं पाए, सरकार क्या चलाएंगे। वह पूरे पंजाब को कैसे संभाल सकते हैं? मुख्यमंत्री बने तो पूरे पंजाब को बर्बाद कर देंगे। कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि वह सिद्धू की क्षमता जानते हैं।

बच्चों में...

उठाए जाने चाहिए। भूषण ने यह सुझाव भी दिया कि बुखार सर्वेक्षण, संपर्कों का पता लगाने, रोगवाहकों पर नियंत्रण, रक्त और रक्त तत्वों, खासकर प्लेटलेट का पर्याप्त भंडार बनाए रखने के लिए रक्त बैंकों को तैयार रखने जैसी आवश्यक जनस्वास्थ्य कार्रवाई की जानी चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आगामी त्योहारों को देखते हुए राज्यों को निर्देश दिया जाता है कि वे सभी आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित करें और अधिक संख्या में लोगों को एकत्र न होने देने के लिए कदम उठाएं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि मॉल, स्थानीय बाजारों और पूजा स्थलों के संबंध में मौजूदा दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए तथा कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि आपात कोविड प्रतिक्रिया पैकेज के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को धन जारी किया जा चुका है, जो त्वरित एवं इष्टतम ढंग से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

सात लड़कियों...

वर्मा करेंगे। उन्होंने बताया कि गांव की 10 बच्चियों की टोली करम डाली को लेकर गांव में ही रेलवे लाइन के समीप बने तालाब में विसर्जन करने गई थी।

सुप्रियो टीएमसी...

में शामिल हुए। टीएमसी ने ट्वीट किया, आज, राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन की उपस्थिति में, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद बाबुल सुप्रियो तृणमूल परिवार में शामिल हो गए। हम इस अवसर पर उनका बेहद गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। भाजपा जैसे दल में कई लोगों के विपरीत, सुप्रियो ने जुलाई में लंबे समय से प्रतीक्षित फेरबदल के दौरान केंद्र सरकार से हटाए जाने पर अपनी नाराजगी स्पष्ट रूप से जाहिर की थी। संयोग से यह मार्च-अप्रैल में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टॉलीगंज में उनकी हार के बाद हुआ था। उस संभावना को लेकर भी अटकलें लग रही हैं कि सुप्रियो को हाल में टीएमसी सदस्य अर्पिता घोष द्वारा खाली की गई सीट से राज्यसभा भेजा जा सकता है। घोष ने हाल में इस्तीफा देते हुए कहा था कि वह पार्टी संगठन के लिए काम करना चाहती हैं। बमुश्किल 10 मिनट चले संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुप्रियो ने कहा कि वह टीएमसी में शामिल होने को लेकर उत्साहित हैं और पश्चिम बंगाल के विकास को लेकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, जब मैंने दो महीने पहले कहा था कि मैं राजनीति छोड़ना चाहता हूं तो मैं इसे लेकर गंभीर था। यह नया घटनाक्रम बीते दो-तीन दिनों में हुआ। इसलिए, यह नया अवसर मिलने के बाद, मैंने अपना विचार बदलने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मैं टीएमसी में शामिल होने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं बंगाल के विकास के लिए काम करूंगा। जब उनसे लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं नियमों का पालन करूंगा। जब मैं तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गया हूं तो आसनसोल सीट पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। सुप्रियो ने कहा कि वह सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा, मैं राज्य के लोगों के लिए काम करने का अवसर देने के लिए अभिषेक बनर्जी और ममता बनर्जी का शुक्रगुजार हूं। मंत्रिपरिषद से हटाए जाने के कुछ दिनों बाद, सुप्रियो ने कहा था कि राजनीति छोड़ने के उनके फैसले में इस वजह की कुछ भूमिका थी, लेकिन यह स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं।पूर्व मंत्री ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था, मेरे पिता, पत्नी, बेटी और कुछ करीबी दोस्तों को जो कहना था, वह सुन लिया है। सब कुछ सुनने के बाद, मैं कह रहा हूं कि मैं किसी अन्य पार्टी में नहीं जा रहा हूं। मैं पुष्टि कर रहा हूं कि मैं कांग्रेस में शामिल नहीं हो रहा हूं, न ही सीपीएम में। न तो उन्होंने मुझे बुलाया है, न ही मैं जा रहा हूं। मैं एक टीम का खिलाड़ी हूं। हमेशा मोहन बागान का समर्थन किया है... केवल पश्चिम बंगाल भाजपा के साथ हूं.. बस। सुप्रियो के टीएमसी में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शमिक भट्टाचार्य ने कहा कि उनके पाला बदलने का फैसला बताता है कि वह अवसरवादी हैं।

सोनू सूद...

है। उसने कहा कि इन फर्जी ऋणों का इस्तेमाल निवेश करने और संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया। बयान में बताया गया , अभी तक 20 करोड़ रुपए से अधिक राशि की कर चोरी का पता चला है। आधिकारिक सूत्रों ने भी सूद के बारे में यह जानकारी दी। बयान में सूद के उस परमार्थ संगठन का भी जिक्र किया गया है, जो पिछले साल कोविड-19 के प्रकोप के दौरान बनाया गया था। अभिनेता ने पिछले साल कोविड-19 महामारी के मद्देनजर देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचने में मदद कर सुर्खियां बटोरी थीं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने हाल में घोषणा की थी कि सूद आम आदमी पार्टी की सरकार के देश के मेन्टर्स कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर होंगे, जिसके तहत छात्रों को अपने करियर के विकल्प के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। केजरीवाल ने शनिवार को कहा था कि भारत के उन लाखों परिवारों की प्रार्थनाएं सूद के साथ हैं, जिन्हें मुश्किल समय में उनका साथ मिला। सीबीडीटी के बयान में बताया गया, अभिनेता द्वारा 21 जुलाई, 2020 को स्थापित परमार्थ संगठन ने एक अप्रैल, 2021 से अब तक 18.94 करोड़ रुपए का दान एकत्र किया है, जिसमें से विभिन्न राहत कार्यों के लिए लगभग 1.9 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं और शेष 17 करोड़ रुपए संगठन के बैंक खाते में पड़े हैं, जिनका इस्तेमाल नहीं किया गया है। बयान में आरोप लगाया गया है कि यह पाया गया कि एफसीआरए नियमों का उल्लंघन करते हुए परमार्थ संगठन ने एक क्राउडफंडिंग (किसी कार्य के लिए बड़ी संख्या में लोगों से धन जुटाना) मंच के जरिए विदेशी दानदाताओं से 2.1 करोड़ रुपए की धनराशि भी जुटाई।

फ्रांस ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया से राजदूत वापस बुलाए

एपी। पेरिस

अमेरिका के सबसे पुराने सहयोगी देश फ्रांस ने अप्रत्याशित रूप से गुस्सा जताते हुए अमेरिका से अपने राजदूत को शुक्रवार को वापस बुला लिया।

दोनों देशों के बीच 18वीं सदी की क्रांति के दौरान बने संबंधों में दरार आती नजर आ रही है। दरअसल, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने नया हिंद-प्रशांत सुरक्षा गठबंधन बनाने में फ्रांस को छोड़ दिया है। फ्रांस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह पहली बार है जब उसने अमेरिका से अपने राजदूत को वापस बुलाया है। उसने ऑस्ट्रेलिया से भी अपने राजदूत को वापस बुलाया है।

फ्रांसीसी विदेश मंत्री ज्यां इव लि द्रीयां ने एक लिखित बयान में कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों के अनुरोध पर लिया गया यह फैसला ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका द्वारा की गई घोषणा की असाधारण गंभीरता को देखते हुए न्यायोचित है। अमेरिका,

ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन ऑकस की घोषणा की है। गौरतलब है कि फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के बीच डीजल पनडुब्बियों के निर्माण के लिए करीब 100 अरब डॉलर का सौदा हुआ था। नई ऑकस पहल की शर्तों के तहत ऑस्ट्रेलिया के लिए डीजल पनडुब्बियों के निर्माण का यह सौदा समाप्त हो जाएगा, जिससे फ्रांस नाखुश है।विदेश मंत्री ने कहा कि समझौता खत्म करने का ऑस्ट्रेलिया का फैसला सहयोगियों और साझेदारों के बीच अस्वीकार्य बर्ताव है। राजदूत फिलिप एतिने ने ट्वीट किया कि इन घोषणाओं का हमारे गठबंधनों, हमारी साझेदारियों और यूरोप के लिए हिंद-प्रशांत की महत्ता की हमारी दूरदृष्टि पर प्रत्यक्ष असर पड़ रहा है।

अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एमिली होर्न ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन एतिने को पेरिस वापस बुलाने के फैसले को लेकर फ्रांसिसी अधिकारियों के करीबी संपर्क में है। उन्होंने एक बयान में कहा, हम उनकी स्थिति समझते हैं और हम अपने मतभेदों को दूर करने के लिए आने वाले दिनों में काम करते रहेंगे जैसा कि हमने हमारे लंबे गठबंधन के दौरान कई मौकों पर किया है। फ्रांस हमारा सबसे पुराना सहयोगी और मजबूत साझेदारों में से एक है। हमारा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करने का लंबा इतिहास रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने भी फ्रांस के साथ संबंधों को अहमियत दी और उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच बातचीत आने वाले दिनों में जारी रहेगी। इसमें अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक भी शामिल है। हालांकि 2017 में सत्ता में आने के बाद से ऐसा पहली बार होगा, जब मैक्रों विश्व नेताओं की वार्षिक बैठक में भाषण नहीं देंगे। उनके बजाय विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे।मैक्रों ने अभी राजदूत को वापस बुलाने के मुद्दे पर टिप्पणी नहीं की है। चार साल के उनके कार्यकाल में यह विदेश नीति का सबसे साहसी कदम बताया जा रहा है। इससे पहले शुक्रवार को फ्रांस के एक शीर्ष राजनयिक ने गोपनीयता की शर्त पर बताया था कि मैक्रों को ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से बुधवार सुबह एक पत्र मिला जिसमें पनडुब्बी समझौते को रद्द करने के फैसले की घोषणा की गई है। फ्रांसिसी अधिकारियों ने तब अमेरिकी प्रशासन से यह पूछने के लिए संपर्क किया था कि क्या चल रहा है। उन्होंने बताया कि बाइडन के घोषणा करने से महज दो से तीन घंटे पहले ही वाशिंगटन के साथ बातचीत की गई। लि द्रीयां ने बृहस्पतिवार को बताया कि उन्हें फैसले के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया तथा अमेरिका दोनों की आलोचना की।

फ्रांस के विदेश मंत्री ने कहा, यह वास्तव में पीठ में एक छुरा घोंपना है। हमने ऑस्ट्रेलिया के साथ भरोसे का रिश्ता बनाया और इस भरोसे को तोड़ा गया। सहयोगियों के बीच ऐसा नहीं किया जाता। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस द्वारा अपने राजदूत को वापस बुलाए जाने पर शनिवार को खेद जताया। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री मारिस पायने के कार्यालय ने एक बयान में कहा, अटैक क्लास परियोजना पर फैसले के बाद विचार विमर्श के लिए ऑस्ट्रेलिया से अपने राजदूत को वापस बुलाने के फ्रांस के निर्णय पर हम खेद जताते हैं। बयान में कहा गया है, ऑस्ट्रेलिया अपने फैसले को लेकर फ्रांस की गहरी निराशा को समझता है। हमने यह फैसला अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को देखते हुए लिया है। इसमें कहा गया है कि फ्रांस के साथ अपने रिश्ते को आस्ट्रेलिया अहमियत देता है और भविष्य में एक साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता है। ऑस्ट्रेलिया में फ्रांस के राजदूत ज्यां पियरे थेबॉल्त ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने कभी यह जिक्र नहीं किया था कि यह परियोजना रद्द की जा सकती है। गौरतलब है कि पेरिस ने इटली के नेताओं के फ्रांसिसी सरकार के बारे में आलोचनात्मक टिप्पणियां करने के बाद 2019 में पड़ोसी देश से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था। पिछले साल फ्रांस ने तुर्की से अपने राजदूत को तब वापस बुला लिया था जब तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन ने कहा था कि मैक्रों को दिमागी इलाज की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका पनडुब्बी समझौता बड़ी गलती

कैनबरा। फ्रांस के राजदूत ने अमेरिका के साथ ऑस्ट्रेलिया के पनडुब्बी समझौता करने के लिए उनके देश के साथ एक बड़े करार को अचानक रद्द करने के ऑस्ट्रेलियाई सरकार के फैसले को बड़ी भूल करार दिया है। सहयोगी देशों के बीच नाराजगी को प्रदर्शित करने के लिए एक अभूतपूर्व कदम के तौर पर राजनयिक देश छोड़ने की तैयारी करते दिखे। फ्रांसीसी राजदूत ज्यां पियरे थेबॉल्ट ने राजधानी कैनबरा में शनिवार को अपने आवास से निकलने के दौरान यह टिप्पणी की। थेबॉल्ट ने कहा, यह एक बहुत बड़ी गलती रही है, साझेदारी का एक बेहद खराब प्रबंधन। उन्होंने यह समझाते हुए कहा कि पेरिस और कैनबरा के बीच हथियारों का समझौता विश्वास, आपसी समझ और ईमानदारी पर आधारित माना जाता था।

अलास्का में सैन्य बेस पर आपात स्थिति की घोषणा की गई

जॉइंट बेस एल्मेंडोर्फ रिचर्डसन (अमेरिका)। अलास्का में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए जॉइंट बेस एल्मेंडोर्फ रिचर्डसन के सैन्य नेतृत्व ने यहां लोक स्वास्थ्य आपात स्थिति की घोषणा की है। अधिकारियों ने बताया कि सभी सैन्य कर्मियों से कहा गया है कि वे ऐसे स्थानों पर जाने से बचें जहां पर मास्क पहनना या सामाजिक दूरी बनाना अनिवार्य नहीं है। अमेरिकी वायु सेना में कर्नल क्रिस्टेन एग्विलर ने शुक्रवार को कहा कि यह घोषणा 30 दिन के लिए प्रभावी रहेगी और संक्रमण संबंधी हालात के मद्देनजर इस अवधि को घटाया या बढ़ाया जा सकता है। कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के कारण राज्य में संक्रमण के मामले और अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

अमेरिकी सेना का कबूलनामा

ड्रोन हमले में हुई थी दस बेकसूर अफगान नागरिकों की मौत

- मरने वालों में शामिल थे सात बच्चे
- काबुल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद अमेरिकी सेना ने की थी कार्रवाई

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका की सेना ने माना है कि अफगानिस्तान से उसके सैनिकों की वापसी से कुछ दिन पहले एक जानलेवा ड्रोन हमला उसकी भयावह गलती थी क्योंकि इसमें आईएसआईएस-के के आतंकवादियों के बजाय सात बच्चों समेत 10 बेगुनाह अफगान नागरिक मारे गए थे।अमेरिका की मध्य कमान के कमांडर जनरल केनेथ फ्रैंक मैक्केंजी ने 29 अगस्त के हमले की जांच के नतीजों पर पत्रकारों से यह भी कहा कि ड्रोन हमले में क्षतिग्रस्त हुए वाहन और मारे गए लोगों के इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवांत-खुरासन (आईएसआईएस-के) से जुड़े होने या अमेरिकी सेना के लिए कोई प्रत्यक्ष खतरा होने की आशंका नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालांकि इस हमले को इस्लामिक स्टेट के हमले के बाद हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर जमीनी हालात के संदर्भ में ही समझा जाए। हवाईअड्डे पर हुए हमले में अमेरिका के 13 सैनिक मारे गए थे और 100 से अधिक नागरिकों ने जान गंवाई थी। साथ ही खुफिया अधिकारियों ने एक और आसन्न हमले का संकेत दिया था। जनरल मैक्केंजी ने कहा कि जांच के नतीजों की विस्तार से समीक्षा करने के बाद वह इस बात से सहमत हैं कि 29 अगस्त को काबुल में हेलफायर मिसाइल से हमले में सात बच्चों समेत 10 नागरिक मारे गए,जो दुखद है।उन्होंने पेंटागन में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा, यह गलती थी और मैं माफी मांगता हूं। कमांडर होने के नाते मैं इस हमले और इसके दुखद परिणाम के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हूं। साथ ही हम यह मानते हैं कि क्षतिग्रस्त हुआ वाहन और मारे गए लोगों का आईएसआईएस-के से संबंध होने या अमेरिकी सेना के लिए प्रत्यक्ष रूप से खतरा होने की आशंका नहीं थी। मैं इस हमले में मारे गए लोगों के परिवार और दोस्तों के प्रति शोक व्यक्त करता हूं। जनरल मैक्केंजी ने कहा कि हमले से 48 घंटे पहले खुफिया जानकारी में यह संकेत मिला कि इस परिसर का इस्तेमाल इस्लामिक स्टेट के आतंकवादी भविष्य के हमलों के लिए कर रहे हैं।उन्होंने कहा, हमले से 36 घंटे पहले हवाईअड्डे पर अधिकारियों को आसन्न खतरों से संबंधित 60 अलग-अलग खुफिया जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली कि इस्लामिक स्टेट अगले हमले में सफेद रंग की टोयोटा कोरोला कार का इस्तेमाल करेगा, जिसके बाद 29 अगस्त की सुबह परिसर की निगरानी तेज कर दी गई।उन्होंने कहा कि जांच में अब सामने आया कि यह हमला एक गलती थी। उन्होंने कहा, पहले मैं यह बता दूं कि यह जल्दबाजी में किया गया हमला नहीं था। अधिकारियों ने वाहन और उसमें सवार लोगों पर करीब आठ घंटे तक नजर रखी थी। सैन्य दल ने यह हमला इस विश्वास के साथ किया कि वे हमारी सेना और नागरिकों पर आसन्न खतरे को रोक रहे हैं जो अब हमे लगता है कि सही नहीं था। जनरल मैक्केंजी ने कहा, मैं आज यहां तथ्यों को सामने रखने और हमारी गलतियां स्वीकार करने आया हूं। अंत में मैं यही कहूंगा कि इस हमले में मारे गए लोगों के परिवार और दोस्तों के प्रति संवदेनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि अमेरिका मुआवजा देने की संभावनाएं भी तलाश रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप व उनके सहयोगियों की ओर से आयोजित रैली से पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा बढ़ाई गई

अभी भी नहीं बदली तालिबान की सोच

- महिलाओं के लिए मंत्रालय को हटा कर उन पर पाबंदी लगाने वाला मंत्रालय बनाया

एपी। काबुल

अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों ने कभी महिला मामलों का मंत्रालय रहे एक भवन से शनिवार को विश्व बैंक के कार्यक्रम के कर्मचारियों को जबरन बाहर कर सदाचार प्रचार एवं अवगुण रोकथाम मंत्रालय स्थापित किया। काबुल पर कब्जा कर सरकार में आने के महज एक महीने बाद तालिबान द्वारा महिलाओं के अधिकारों पर पाबंदी लगाने वाला यह एक नया कदम है। तालिबान ने 1990 के दशक में अपने शासनकाल के दौरान बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा के अधिकार से वंचित कर दिया था और उनके सार्वजनिक जीवन पर पाबंदी लगा दी थी। इसबीच, पूर्वी प्रांतीय राजधानी जलालाबाद में शनिवार को तालिबान वाहनों को निशाना बना कर किए गए विस्फोटों में तीन लोग मारे गए जबकि 20 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। इस हमले की अभी तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन इस्लामिक स्टेट आतंकवादियों का मुख्यालय इस इलाके में है और वे तालिबान के दुश्मन हैं। काबुल में महिला मामलों के मंत्रालय के बाहर उस वक्त एक नया घटनाक्रम दिखा, जब यह घोषणा की गई कि यह अब उपदेश और मार्गदर्शन तथा सदगुण प्रचार एवं अवगुण रोकथाम मंत्रालय होगा।

विश्व बैंक के 10 करोड़ डॉलर के महिला आर्थिक सशक्तिकरण एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम को शनिवार को यह कहते हुए जमीनी स्तर पर बंद कर दिया गया कि कार्यक्रम के सदस्य शरीफ अख्तर हटाए जा रहे लोगों में शामिल हैं। अफगान वूमंस नेटवर्क का नेतृत्व करने वाली मबौबा सुराज ने कहा कि वह महिलाओं और बालिकाओं द्वारा तालिबान सरकार द्वारा जारी आदेशों से हतप्रभ है।

इस बीच, तालिबान द्वारा संचालित शिक्षा मंत्रालय ने सातवीं से 12 वीं कक्षा के लड़कों को अपने पुरूष शिक्षकों के साथ शनिवार से स्कूल आने को कहा, लेकिन इन कक्षाओं में स्कूल आने वाली लड़कियों का कोई जिक्र नहीं किया गया। इससे पहले, उच्चतर शिक्षा मंत्री ने कहा था कि लड़कियों को समान रूप से शिक्षा हासिल करने का अधिकार दिया जाए। सुराज ने कयास लगाया कि विरोधाभासी बयान शायद तालिबान में विभाजन को प्रदर्शित करता है। महिलाओं के अधिकार एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 2003 में अफगानिस्तान लौटी अफगान-अमेरिकी सुराज ने कहा कि उनके कई साथी कार्यकर्ता देश छोड़ चुके है।

दंगा करने वालों के समर्थन में रैली को लेकर पुलिस मुस्तैद

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका में इस साल जनवरी में कैपिटल भवन (संसद भवन) परिसर में हिंसा के आरोप में जेल भेजे गए लोगों के समर्थन में शनिवार को प्रस्तावित रैली से पहले पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और अमेरिकी राष्ट्रीय गार्ड समेत आसपास के कानून प्रवर्तकों से भी मदद ली गई है।

कैपिटल पुलिस प्रमुख टॉम मंगेर ने एक पत्रकार वार्ता में शुक्रवार को कहा कि शनिवार को होने वाली रैली में सभावित हिंसा की सूचनाएं सही हैं या नहीं यह कहना मुश्किल है लेकिन जनवरी में भी ऑनलाइन और अन्य स्थानों से इस तरह के संकेत मिले थे पर उनपर ध्यान नहीं दिया गया था।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में 700 लोगों को हिस्सा लेने की इजाजत दी गई है। मंगेर ने कहा कि उनका मानना है कि रैली के विरोध में भी लोग आ सकते हैं जिससे वहां पर संघर्ष होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह के अंदेशों को लेकर भी तैयार है कि प्रदर्शनकारी हथियार लेकर पहुंच सकते हैं। मंगेर ने कहा, हम हिंसा बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम किसी भी किस्म का आपराधिक व्यवहार सहन नहीं करेंगे। गौरतलब है कि इस साल छह जनवरी को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक उस समय संसद भवन में घुस गए थे जब मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन की जीत को प्रमाणित किया जा रहा था। उनका आरोप था कि पिछले साल नवंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में धांधली हुई है। हिंसा के मामले में करीब 63 लोग जेल में है और 600 लोगों पर दंगा करने का आरोप लगाया गया था।

उत्तर कोरिया यूरेनियम संवर्धन संयंत्र का कर रहा है नए सिरे से विस्तार: विशेषज्ञ

एपी। सियोल

विशेषज्ञों का कहना है कि हाल की उपग्रह तस्वीरों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर में एक यूरेनियम संवर्धन संयंत्र का विस्तार कर रहा है, जो इस बात का संकेत है कि वह बम सामग्री के उत्पादन को बढ़ावा देना चाहता है। अमेरिका के साथ लंबे समय से निष्क्रिय परमाणु निरस्त्रीकरण कूटनीति के बीच उत्तर कोरिया ने छह महीने में अपना पहला मिसाइल परीक्षण किया जिसके बाद तनाव बढ़ गया था। इसके बाद यह आकलन सामने आया है।मोंटेरे में मिडिलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के जेफरी लुईस और दो अन्य विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट कहा, संवर्धन संयंत्र का विस्तार शायद इंगित करता है कि उत्तर कोरिया योंगब्योन परिसर में हथियार-स्तर के यूरेनियम का उत्पादन 25 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मैक्सार द्वारा ली गई उपग्रह तस्वीरें योंगब्योन में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र से सटे एक क्षेत्र में निर्माण को दर्शाती हैं। इसमें कहा गया है कि एक सितंबर को ली गई एक उपग्रह तस्वीर में उत्तर कोरिया ने पेड़ों को हटाया और निर्माण के लिए जमीन तैयार की और एक निर्माण उत्खनन भी दिखाई दे रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 सितंबर को ली गई दूसरी तस्वीर में क्षेत्र को घेरने के लिए एक दीवार खड़ी की गई है, एक नींव पर काम किया गया है और नए क्षेत्र तक पहुंच प्रदान करने के लिए संवर्धन इमारत के किनारे से पैनल हटा दिए गए हैं। इसमें दावा किया गया है, नया क्षेत्र लगभग 1,000 वर्ग मीटर में फैला है, जिसमें 1,000 अतिरिक्त सेंट्रीफ्यूज रखने के लिए पर्याप्त जगह है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 1,000 नए सेंट्रीफ्यूज के जुड़ने से संयंत्र की उच्च संवर्धित यूरेनियम का उत्पादन करने की क्षमता 25 प्रतिशत बढ़ जाएगी। परमाणु हथियार या उच्च संवर्धित यूरेनियम या प्लूटोनियम का उपयोग करके बनाए जा सकते हैं, और उत्तर कोरिया के पास योंगब्योन में इन दोनों का उत्पादन करने की सुविधा है। पिछले महीने, योंगब्योन पर पहले की उपग्रह तस्वीरों से संकेत मिला था कि उत्तर कोरिया हथियार-स्तर के प्लूटोनियम का उत्पादन करने के लिए अन्य केन्द्रों के संचालन को फिर से शुरू कर रहा है। कुछ अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई विशेषज्ञों का अनुमान हैं कि उत्तर कोरिया गोपनीय ढंग से कम से कम एक अतिरिक्त यूरेनियम-संवर्धन संयंत्र चला रहा है।

नार्को में यूनाइटेड स्टेट्स मरीन लांस सीपीएल के शव को ले जाने वाला रथ काफिले के साथ गुजरता हुआ

भारत के दिए गए टीकों का भंडार खत्म : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि भारत द्वारा इस साल की शुरूआत में शांति रक्षकों के लिए दान दिए गए कोविड-19 रोधी टीकों का भंडार खत्म हो गया है। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र को चीन से कोविड-19 रोधी टीकों की 3,00,000 खुराक दान में मिली है। उन्होंने कहा, यह दान बहुत ही महत्वपूर्ण समय में किया गया है क्योंकि इस साल मार्च में भारत सरकार द्वारा दान दिए गए टीकों का भंडार खत्म हो गया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के सभी मिशनों में उसके शांति रक्षकों के लिए एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 रोधी टीकों की 2,00,000 खुराक भेंट की थी। भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा मिशनों में सबसे अधिक सैनिक भेजने वाले देशों में से एक है।

बाइडन प्रशासन का विशेष ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर है: विशेषज्ञ

भाषा। वाशिंगटन

विशेषज्ञों का मानना है कि जो बाइडन प्रशासन हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर पूरा ध्यान दे रहा है और व्हाइट हाउस में अगले हफ्ते होने जा रहा पहला प्रत्यक्ष क्वाड शिखर सम्मेलन, 2017 में शुरू हुई प्रक्रिया की स्वाभाविक परिणति है। क्वाड ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का समूह है। बाइडन इस समूह के पहले शिखर सम्मेलन की मेजबानी 24 सितंबर को करेंगे। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा शामिल होंगे। यह सम्मेलन, चीन के बढ़ते आर्थिक एवं सैन्य दबाव के मद्देनजर वाशिंगटन का हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जो ध्यान है, उसका संकेत देता है। शिखर सम्मेलन में ए नेता मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन से निबटने, संबंधों को गहरा करने तथा कोविड-19 से मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। उभरती प्रौद्योगिकियों और साइबरस्पेस पर साझेदारी के बारे में भी इस दौरान बात होगी। यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक ऐंड पार्टनरशिप फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने कहा, क्वाड शिखर सम्मेलन हमारे समय की दो सबसे बड़ी चुनौतियों - महामारी और जलवायु परिवर्तन से निबटने के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करते हुए और टीका कूटनीति को बढ़ाते हुए व्यापार की आर्थिक क्षमता का लाभ उठाएगा। उन्होंने कहा, विशेष रूप से समूह के भीतर, हम देखते हैं कि भारत और अमेरिका मजबूत साझेदारों के रूप में उभर रहे हैं, जो महसूस करते हैं कि रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के अलावा, क्षेत्रीय खतरों को कम करने और स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुरक्षित करने की आवश्यकता है। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन अमेरिका नाम के थिंक टैंक के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर ने कहा कि क्वाड नेताओं का यह शिखर सम्मेलन, 2017 में शुरू हुई प्रक्रिया की स्वाभाविक परिणति है।

सोमालिया के राजनीतिक संकट पर यूएन ने आपात सत्र बुलाया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमालिया के राजनीतिक संकट पर शुक्रवार को आपात सत्र बुलाया। सोमालिया में गहराते संकट से चुनाव प्रक्रिया लंबित होने तथा पूर्व अफ्रीकी क्षेत्र के और अस्थिर होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन की राजदूत बार्बरा वुडवार्ड ने सोमालिया के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता प्रकट की। इससे पहले राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल्लाही मोहम्मद ने बृहस्पतिवार को अपने बयान में कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोहम्मद हुसैन रोबल के अधिकारियों को नियुक्त करने तथा हटाने के अधिकार को निलंबित कर दिया है। यह दोनों नेताओं के तेजी से बिगड़ते रिश्तों में टकराव का ताजा मामला है। वुडवर्ड ने कहा कि बढ़ते तनाव से चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है और देश में अल-शबाब आतंकवादियों से लेकर अन्य चुनौतियों के साथ ही एक संवैधानिक संकट जन्म ले सकता है।

स्वास्थ्य

अंडमान और निकोबार में कोविड-19 का महज एक नया मामला

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान और निकोबार में कोविड-19 का केवल एक नया मामला सामने आया है। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में महामारी के कुल मामलों की संख्या 7,596 हो गई है। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने शनिवार को बताया कि संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने के दौरान यह नया मामला सामने आया। अंडमान और निकोबार में 14 मरीज कोविड-19 के उपचाराधीन हैं और सभी मरीज दक्षिण अंडमान जिले में हैं जबकि दो अन्य जिले उत्तर और मध्य अंडमान और निकोबार कोविड-19 से मुक्त हैं। पिछले 24 घंटों में दो और मरीजों के कोविड-19 से स्वस्थ होने के बाद संक्रमण मुक्त हो चुके लोगों की संख्या 7,453 हो गई है। किसी भी मरीज की मौत न होने के कारण कोविड-19 से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 129 पर बनी हुई है।

DOC टॉक

डॉ विद्या झा

एसोसिएट प्रोफेसर और सलाहकार (प्रभारी), साइटोजेनेटिक्स लैब, सहायक चिकित्सा प्रशासक अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान, कोच्चि

कोविड-19 से रहें बेहतर ढंग से सुरक्षित

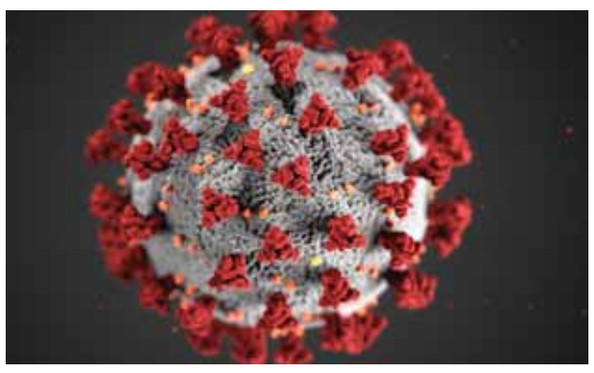

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) स्थानिक रोग को एक भौगोलिक क्षेत्र के भीतर आबादी में बीमारी या संक्रामक वाहक की निरंतर उपस्थिति और / या सामान्य प्रसार के रूप में परिभाषित करता है। यह देखी गयी आधार रेखा या रोग का स्थानिक स्तर अनिवार्य वांछित स्तर नहीं है, जो वास्तव में शून्य हो सकता है। किसी भी हस्तक्षेप की कमी के मामले में और यह मानते हुए कि रोग का स्तर अतिसंवेदनशील व्यक्तियों के समूचे स्तर पर समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है, मगर इस स्तर पर बीमारी अनिश्चित काल तक बनी रह सकती है। इसलिए, इस आधारभूत स्तर को अक्सर जनसंख्या में रोग के अपेक्षित स्तर के रूप में माना जाता है।

विभिन्न आबादी समूहों और राष्ट्रों में झुंड प्रतिरक्षा प्राप्त करने के समय में अंतर और कोविड-19 टीकों से प्राप्त सुरक्षा अवधि में अनिश्चितता के कारण, यह संभावना है कि बूस्टर टीके जैसे कुछ उपायों की अनिश्चित काल तक आवश्यकता हो सकती है। सार्स-कोवि-2 मौजूद रहेगा। यहां तक कि जब कोई देश झुंड प्रतिरक्षा की स्थिति तक पहुंच भी जाता है, तो भी मौजूदा निगरानी, बूस्टर टीके, और संभावित रूप से अन्य उपायों की आवश्यकता बनी रह सकती है। फिलहाल, डेल्टा संस्करण ने कम से कम अल्पावधि में अधिकांश देशों में समग्र झुंड प्रतिरक्षा को प्रभावी ढंग से पहुंच से बाहर कर दिया है।

अभी तक, भारत झुंड प्रतिरक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुआ है और एक ज्यादा यथार्थवादी एपिडेमियोलोजिकल समापन छोर नजर आता दिखता है जब कोविड-19 से स्थानिक बीमारी के रूप में निपटा जा सकता है। हालांकि, सबसे बड़ी समग्र चुनौती एक महत्वपूर्ण नए संस्करण का उभरना है जो अधिक संक्रमणकारी है, जिसमें अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु होने की अधिक संभावना है, और यह टीकाकरण वाले लोगों को संक्र मित करने में अधिक सक्षम है। मौजूदा टीके डेल्टा संस्करण से संक्रमण को रोकने में सक्षम नहीं हैं। इसके अलावा, क्रमिक रक्त परीक्षण से पता चलता है कि प्रतिरक्षा अपेक्षाकृत तेजी से कम हो सकती है। इसने कुछ विकसित देशों को अधिक संवेदनशील आबादी को बूस्टर खुराक की पेशकश शुरू करने या उनके रोलआउट की योजना बनाने के लिए प्रेरित किया है।

> भारत बीमारी की महत्वपूर्ण लहरों के मद्देनजर एक असुरक्षित देश के रूप में बना हुआ है। इस तथ्य के कारण कि समग्र प्रतिरक्षा कमजोर है, भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी तक पूर्णतया टीका सुरक्षित नहीं किया गया है। भारत के लिए स्थानिक बीमारी के रूप में कोविड -19 से निपटने की संभावित समय सीमा भी कम स्पष्ट है।

इसलिए, भारत सहित कई देश स्थानिक कोविड-19 के चरण में पहुंचना चाहेंगे। लेकिन भारत बीमारी की महत्वपूर्ण लहरों के मद्देनजर एक असुरक्षित देश के रूप में बना हुआ है। इस तथ्य के कारण कि समग्र प्रतिरक्षा कमजोर है, भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी तक पूर्णतया टीका सुरक्षित नहीं किया गया है। भारत के लिए स्थानिक बीमारी के रूप में कोविड -19 से निपटने की संभावित समय सीमा भी कम स्पष्ट है। डेल्टा संचालित मामलों की लहर में गिरावट आने पर गंभीर बीमारियों और मौतों से निपटने के लिए कोविड-19 मामलों के प्रबंधन से सार्वजनिक-स्वास्थ्य प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

अंतिम बिंदु के रूप में स्थानिकता तक पहुंचने में चुनौतियों का नए वेरिएंट्स में उभरना जारी है जो टीका-आधारित प्रतिरक्षा को लांघ जाते हैं। वे अक्सर टीकाकरण वाले व्यक्तियों में गंभीर बीमारी का कारण बनते हैं और समय के साथ प्राकृतिक व टीका आधारित प्रतिरक्षा की कमी के कारण अत्यधिक संक्रामक होते हैं, प्रतिरक्षा बनाए रखने और बीमारी के स्वीकार्य बोझ को परिभाषित करने के लिए टीका बूस्टर खुराक को जल्दी से सामने लाना होगा (उदाहरण के लिए, टीकाकरण और बिना टीकाकरण आबादी में रोग दबाव के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित करना)। सबसे बड़ा कार्य यह निर्धारित करना होगा कि सार्वजनिक-स्वास्थ्य प्रतिबंधों को उठाने के लिए बीमारी का दबाव कितना कम है।

हालांकि, समय के साथ, समस्त बाधाओं के बावजूद, हम अधिक टीकाकरण कवरेज, पूर्व संक्रमण से प्राकृतिक प्रतिरक्षा, बूस्टर खुराक, भारत में टीकों की पूर्ण स्वीकृति, बच्चों हेतु टीकों के प्राधिकरण के कारण कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर से बेहतर रूप से सुरक्षित रहेंगे।

समर कूलर

खरबूजे के बीज : हम आमतौर पर फलों में लगे बीजों को फेंक देते हैं। हमारे भोजन में बहुत सारे फलों के बीजों का सेवन अलग-अलग तरीकों से किया जा सकता है और बीजों वाला एक ऐसा फल जिसके कि अनगिनत स्वास्थ्य लाभ हैं, वो है खरबूजा।

यह आपके शरीर और त्वचा के लिए बेहतरीन हाइड्रेटर है और गर्मी को दूर रखता है। फाइबर की अच्छी मात्रा होने के कारण, यह मैग्नीशियम, विटामिन ए और फास्फोरस से भी भरपूर होता है जो वजन कम करने की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है। अच्छा आंत स्वास्थ्य बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है और ये बीज आपके पेट को साफ करने में मदद करते हैं और एक कृमिनाशक का भी काम करते हैं।

इस कठिन समय के दौरान स्क्रीन की थकान बेहद चिंता का विषय हो सकती है और हम सभी को अपनी आंखों की उचित देखभाल करनी चाहिए। बीजों में मौजूद ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन दो कैरोटीनॉयड हैं, जो आपकी आंखों की रोशनी के लिए अद्भुत काम करते हैं।

खरबूजे के बीजों को फल से निकालकर, कुछ दिनों तक धूप में सुखाकर, नाश्ते के रूप में या मीठे व्यंजनों में गार्निशिंग तत्व के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

क्या है एनआईवी

केरल के कोझीकोड जिले में 12 साल के एक बच्चे की मौत के बाद निपाह वायरस फिर से सक्रिय हो गया है। हमें कितना चिंतित होना चाहिए? वायरस के बारे में अधिक जानने के लिए विशेषज्ञों से बात कर रही हैं सुप्रिया रमेश

निपाह वायरस (एनआईवी) को पहली बार 1999 में मलेशिया में सुअर पालकों में इसके प्रकोप के दौरान पहचाना गया था। भारत में, इसका पहला प्रकोप केरल के एक जिले कोझीकोड में बताया गया था, जो बांग्लादेश के माध्यम से फैल गया है। जबकि एनआईवी का पहला मामला तीन साल पहले दर्ज किया गया था, हाल की खबरें तब से इसके तीसरे प्रकोप का संकेत दे रही हैं।

एनआईवी संक्रमण एक जूनोटिक बीमारी है जो जानवरों से लोगों में फैलती है और एनआईवी का प्राथमिक स्रोत चमगादड़ हैं। यह दूषित भोजन के माध्यम से मनुष्यों में भी फैल सकता है या सीधे संक्रामक हो सकता है। इंटर्नल मेडिसिन एंड मेडिकल एडवाइजर के वरिष्ठ निदेशक डॉ आशुतोष शुक्ला कहते हैं, ''हालांकि यह भी नोट किया गया था कि वायरस में सूअरों को गंभीर रूप से प्रभावित करने की प्रवृत्ति थी, मगर वायरस से संक्रमित सूअर का मांस का सेवन एक अन्य योगदानकारी कारण है।''

भले ही यह एक ज्ञात बीमारी है, फिर भी वायरस का दुबारा प्रकट होना चिंता का विषय है और इस प्रकार कोविड महामारी की तरह ही ग्रह को अपनी चपेट में लेने से पहले सभी संभावित निवारक उपाय किए जाने की आवश्यकता है। शुक्ला कहते हैं, ''गंभीर संक्रमण में, व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो सकती है, लेकिन अन्य लक्षणों में तीव्र श्वसन रोग, उल्टी, सिरदर्द और गर्दन में जकड़न शामिल हो सकते हैं, और जटिलताएं तब बढ़ जाती हैं जब वायरस मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करना शुरू कर देता है, जिससे मस्तिष्क में सूजन हो जाती है जिससे मरीज की मौत हो सकती है।''

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मनुष्यों में निपाह वायरस के संक्रमण से कई प्रकार के रोग लक्षण पैदा होते हैं, जिसमें लक्षणहीन संक्रमण (सबक्लिनिकल) से लेकर तीव्र श्वसन संक्रमण और घातक एन्सेफेलाइटिस होना शामिल हैं।

एनआईवी का प्राथमिक रूप से पॉलीमेरिक चेन रिएक्शन (पीसीआर) के माध्यम से निदान किया जाता है जैसा कि डेंगू या अन्य वायरल बीमारियों के मामलों में किया जाता है। जटिलताओं को रोकने के लिए प्रारंभिक पहचान और निगरानी महत्वपूर्ण है। वर्तमान में, एनआईवी संक्रमण के लिए कोई लाइसेंस प्राप्त उपचार उपलब्ध नहीं है और यह सहायक देखभाल तक सीमित है, जिसमें आराम, खूब पानी पीना और लक्षणों के उभार अनुसार उपचार करना शामिल हैं।

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि निपाह वायरस के संक्रमण के शुरुआती लक्षण और लक्षण अविशिष्ट हैं, और निदान अक्सर उपस्थिति के समय संदिग्ध नहीं होता है। यह सटीक निदान में बाधा उत्पन्न कर सकता है और इसके प्रसार का पता लगाने, प्रभावी और समय पर संक्रमण नियंत्रण उपायों और प्रकोप प्रतिक्रिया गतिविधियों में चुनौतियां पैदा कर सकता है। इसके अलावा, गुणवत्ता, मात्रा, प्रकार, नैदानिक नमूना संग्रह का समय और प्रयोगशाला में नमूनों को भेजने के लिए आवश्यक समय, प्रयोगशाला परिणामों की सटीकता को प्रभावित कर सकते हैं।

> बीमारी शुरू में 3-14 दिनों के बुखार और सिरदर्द के रूप में नजर आती है और इसमें अक्सर सांस की बीमारी के लक्षण शामिल होते हैं, जैसे खांसी, गले में खराश और सांस लेने में कठिनाई।

इस रोग से संबंधित मामले की मृत्यु दर 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत अनुमानित है। महामारी विज्ञान निगरानी और नैदानिक प्रबंधन की स्थानीय क्षमताओं के आधार पर यह दर प्रकोप से भिन्न हो सकती है। संक्रमित रोग, सलाहकार, डा अंकिता बैध्या कहती हैं, ''आमतौर पर निपाह वायरस का संक्रमण दूषित शारीरिक तरल पदार्थ के माध्यम से होता है। उस स्थिति में, संक्रामकता दर बहुत अधिक नहीं होती है, लेकिन यदि स्थानीय प्रसार में इसे नियंत्रित नहीं रखा जाता है, तो यह अत्यंत चिंता का विषय हो सकती है।''

लक्षणों में तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द और गर्दन में अकड़न होना शामिल है और जब वायरस मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करना शुरू कर देता है तो जटिलताएं बढ़ जाती हैं। संक्रमण के कारण हल्की से गंभीर बीमारी हो सकती है, जिसमें मस्तिष्क में सूजन होना भी शामिल है जिससे मृत्यु हो सकती है। लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के बाद 4-14 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। शुक्ल बताते हैं, ''बीमारी शुरू में 3-14 दिनों के बुखार और सिरदर्द के रूप में नजर आती है, और इसमें अक्सर सांस की बीमारी के लक्षण शामिल होते हैं, जैसे खांसी, गले में खराश और सांस लेने में कठिनाई। मस्तिष्क की सूजन का एक चरण आ सकता है, जहां लक्षणों में उनींदापन, भटकाव और मानसिक भ्रम होना शामिल हो सकते हैं, जो मरीज को 24-48 घंटों के भीतर तेजी से कोमा में ले जा सकते हैं।''किसी भी अन्य बीमारी की तरह, जल्दी पता लगाना और निगरानी करना आवश्यक है। भले ही मनुष्यों के जरिए वायरस का फैलना कम आम है, लेकिन इसे फैलने से रोकने के लिए एहतियाती कदमों का पालन करना अधिक महत्वपूर्ण है। यदि आप ऐसी जगह रह रहे हैं जहां बहुत सारे चमगादड़ पाए जाते हैं, आपको अतिरिक्त सावधान रहना चाहिए। केरल में, जहां बहुत ज्यादा आबादी है, लोगों को सावधान रहना चाहिए अगर आसपास कोई चमगादड़ मृत पाया जाता है। बैध्या कहती हैं कि अगर लोग बुखार और सिरदर्द और किसी प्रकार के मस्तिष्क संक्रमण के लक्षणों जैसे भूलने की बीमारी की रिपोर्ट कर रहे हैं, तो तत्काल जांच कार्य किया जाना चाहिए।

डिब्बाबंद ऑक्सीजन के जरिए जीवन रक्षा

घर पर पोर्टेबल बोतलबंद ऑक्सीजन रखना उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है जितना कि प्राथमिक चिकित्सा किट में बैंड-एड। **अलंकार सक्सेना** बता रहे हैं कि यह किस तरह हमारी दैनिक जीवन स्थितियों में भी बहुत मददगार हो सकते हैं

वो प्राथमिक चिकित्सा किट आपके बाथरूम वैनिटी में पड़ा हुई है, इसे कितनी बार थर्मामीटर, एंटीसेप्टिक लिक्विड / क्रीम, ओटीसी दवाओं और बैंड एड्स से परे इस्तेमाल किया जा रहा है? अधिकांश घरों और यहां तक कि कार्यस्थलों के लिए, प्राथमिक चिकित्सा किट में ये कुछ चीजें शामिल होती हैं, जिनका एकमात्र उद्देश्य चोटों व बीमारियों का इलाज करना और उनकी गंभीरता और संक्रमण की संभावना को घटाना होता है। हालांकि, सटीक होने के लिए, प्राथमिक चिकित्सा, मूलत: चिकित्सा देखभाल की प्रतीक्षा करते समय, किसी बीमार या घायल व्यक्ति को दी जाने वाली तत्काल देखभाल है। तो, लो टिशू ऑक्सीजन से जुड़ी प्राणघातक आपात स्थितियों को लेकर कोई तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

प्राथमिक चिकित्सा पद्धति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू 'जीवन का संरक्षण' है, जो तभी संभव है यदि शरीर में हवा का लगातार निर्बाध संचरण हो। अवरुद्ध वायुमार्ग से कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क क्षतिग्रस्त हो सकता है। खतरनाक है ना? हाल ही में, भारत अपने गंभीर रूप से प्रदूषित शहरों के लिए चर्चा में रहा है। वास्तव में, स्विस संगठन, आईक्यूएयर द्वारा तैयार 'वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट, 2020' के अनुसार, दुनिया के 30 सबसे प्रदूषित शहरों में से 22 शहर भारत में हैं, दिल्ली को विश्व स्तर पर सबसे प्रदूषित राजधानी शहर के रूप में स्थान दिया गया है, जबकि प्रदूषण को रोकने के लिए परिवहन और रहने के तरीके अनेक नीतियां और विकल्प पेश किए जा रहे हैं। लेकिन अभी भी लोगों को घरेलू स्तर पर गंभीर सावधानी बरतने की तत्काल आवश्यकता है।

प्रदूषित वातावरण किसी भी शहर के लिए एक चेतावनी होता है क्योंकि यह उसके मौसम को प्रभावित कर सकता है। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि उस हवा में ऑक्सीजन सांस लेने के लिए उपयुक्त नहीं है और आपकी सेहत को काफी हद तक परेशान कर सकती है। बस आसमान को ढंकने वाले स्मॉग की मोटी परत , काम के उसी माहौल में यात्रा करने या काम चलाने और यहां तक कि बच्चों और बुजुर्गों को उस हवा में सांस लेने देने की भयावहता को याद करें। जल्द ही, सांस लेने की समस्या परिवार के लगभग हर सदस्य पर हमला करने के लिए बाध्य है। ऐसे परिदृश्य में, पोर्टेबल बोतलबंद ऑक्सीजन से लैस प्राथमिक चिकित्सा किट हर घर के लिए तारणहार हो सकती है। आपात स्थिति के दौरान, चिकित्सा सहायता की प्रतीक्षा करते समय, पोर्टेबल बोतलबंद ऑक्सीजन से लिया जाने वाला एक कश शरीर और अंगों को ऑक्सीजन के उत्पादन को बनाए रखने में मदद कर सकता है। यह देखते हुए कि शुद्ध ऑक्सीजन की अनुपस्थिति हमारे दैनिक जीवन में एक नया सामान्य होती जा रही है, ''रोकथाम इलाज से बेहतर है'' की पुरानी कहावत पूरी तरह से समझ में आती है। इस प्रकार, घर पर एक पोर्टेबल बोतलबंद ऑक्सीजन रखना हमारे दिन-प्रतिदिन की जीवन स्थितियों में भी बहुत मददगार हो सकता है जैसे सांस की तकलीफ बीमारी के बाद ठीक होना, जिमिंग, दौड़ना आदि जैसी किसी भी शारीरिक गतिविधि के बाद ठीक होना। इतना ही नहीं, पोर्टेबल बोतलबंद ऑक्सीजन भी आमतौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला प्रदर्शन उत्प्रेरक है जिसका पेशेवर एथलीट खेलों के दौरान उपयोग करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहले ही सांस लेने में तकलीफ महसूस करने वाले वयस्कों के लिए ऑक्सीजन थेरेपी की सिफारिश की है। कोविड 19 वायरस वाली महामारी के बीच इस सिफारिश ने अधिक महत्व प्राप्त कर लिया है, जिससे रक्तप्रवाह में ऑक्सीजन-स्तर में कमी के कारण कुछ मामलों में सांस लेने में तकलीफ होती है।

- लेखक यूसीएस वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक और सीईओ हैं।

दादी का कहना

लोगों के बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं, यह हार्मोनल हो सकता है या बीमारी के कारण भी हो सकता है। रोशनी देवी ऐसे घरेलू उपचार बता रही हैं जो बालों के झड़ने को रोकने में मददगार हो सकते हैं

लोगों के बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं, यह हार्मोनल हो सकता है या बीमारी के कारण भी हो सकता है। रोशनी देवी ऐसे घरेलू उपचार बता रही हैं जो बालों के झड़ने को रोकने में मददगार हो सकते हैं

तो पेश है झड़ते बालों की समस्या का समाधान। मुलेठी एक ऐसी जड़ी-बूटी है जो न सिर्फ आपके बालों को नुकसान होने से बचाती है बल्कि बालों का झड़ना कम करने में भी मदद करती है। इसे मास्चराइजर के रूप में सिर की खाल पर लगाने में इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि रुखेपन से छुटकारा मिल सके। प्राकृतिक नद्यपान को मेंहदी के साथ मिलाया जा सकता है, जो आपको बाल धोने के बाद उनका रेशमीपन प्राप्त करने में मदद करेगा। इससे यह आपके बालों को वैसे ही मॉइस्चराइज करेगा जैसे यह उन्हें मजबूत और बेहतर बनाता है। आवश्यक तेलों और बालों की मिट्टी के साथ नद्यपान भी बालों के लिए कुछ बेहतरीन कवच बनाता है।

नद्यपान की जड़ को एक चौथाई चम्मच केसर के साथ एक कप दूध में मिलाकर बारीक पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को हफ्ते में दो बार लगाएं और इसे रात भर के लिए अपने बालों की जड़ों और बालों की लंबाई पर लगाकर छोड़ दें, इससे बालों का झड़ना कम हो सकता है।

मुलेठी की जड़ रूखी, पपड़ीदार या खुजली वाली खोपड़ी को कम करने का काम करती है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुलेठी की जड़ आपके सिर की खाल को सांस लेने का रास्ता देती है और आपके कमजोर बालों के रोम को मजबूत बनाती है, जो कि बालों के झड़ने का सबसे पहला कारण होता है। तत्काल परिणामों का आनंद लेने के लिए, इसे साप्ताहिक स्तर पर लगाएं या चाय के रूप में मौखिक रूप से सेवन करें।

स्वास्थ्य देखभाल को बनाएं मजबूत

मौजूदा महामारी से सबक लेते हुए और सदी में एक बार के अवसर पर जोर देते हुए, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों ने स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली प्रतिरक्षण को मजबूत करने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज व स्वास्थ्य के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक मंत्रिस्तरीय घोषणा को अपनाया।

मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक के दौरान डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक डा पूनम सिंह ने कहा, ''मजबूत स्वास्थ्य प्रणालियां जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल उन्मुख हैं, और जो किसी को पीछे नहीं छोड़ती हैं, ऐसी आबादी बनाती हैं जो स्वस्थ, अधिक उत्पादक और आर्थिक रूप से सुरक्षित है। लचीला स्वास्थ्य प्रणालियां आपातकालीन तैयारियों और प्रतिक्रिया का आधार हैं, और जो यह सुनिश्चित करती हैं कि जब गंभीर घटनाएं हों, तो अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखा जा सके।''

मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में अपनाई गई घोषणा के माध्यम से, सदस्य देशों ने स्वास्थ्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज व स्वास्थ्य संबंधी एसडीजी की दिशा में प्रगति के लिए राजनीतिक नेतृत्व और जवाबदेही प्रदान करने की प्रतिबद्धता दिखाई।

सदस्य देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन क्षमताओं और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की उपलब्धि, दोनों को मजबूत करने की नींव के रूप में, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की ओर स्वास्थ्य प्रणालियों को पुनर्निर्देशित करने का निर्णय लिया। क्षेत्रीय निदेशक ने कहा, ''महामारी ने स्वास्थ्य हेतु मानव संसाधन में निवेश की तात्कालिकता और महत्व पर प्रकाश डाला है, विशेष रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तर पर, और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सस्ती, प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित चिकित्सा उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति और लचीली स्वास्थ्य प्रणाली बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।'' यह घोषणा महामारी के दौरान और बाद में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं व सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के वितरण को बनाए रखने के लिए समुदायों के साथ घनिष्ठ जुड़ाव और सशक्तीकरण के लिए भी प्रतिबद्ध है।

पायनियर
नई दिल्ली , रविवार, 19 सितंबर, 2021

कोविड का नया प्रतिरूप 'म्यू'

यहां तक कि दुनिया भर में कोविड -19 डेल्टा संस्करण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, एक नया संस्करण, म्यू, डब्ल्यूएचओ के लिए रुचि का विषय बन गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि इस नए स्ट्रेन में पिछले कोविड -19 संक्रमण या टीकाकरण द्वारा प्रदान की गई प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता वाले उत्परिवर्तन हैं। क्या म्यू चिंता का एक प्रकार हो सकता है? इस संबंध में विशेषज्ञों से बात की सुप्रिया रमेश ने।

चूंकि पिछले साल कोविड -19 महामारी ने दुनिया को प्रभावित किया था, इसलिए कोई कमी नहीं आई है - यों तो विश्व स्तर पर मामलों की संख्या में और न ही नए रूपों के उद्भव में। जब भारत में दूसरी लहर आई तो इस बात की चर्चा थी कि तीसरी लहर का बच्चों पर ज्यादा असर कैसे पड़ेगा। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि आगे और भी चिंताएं हैं। न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक नया प्रकार - म्यू - जिसे कोलंबिया, दक्षिण अमेरिका में खोजा गया था, नई चिंता है।

अच्छी बात यह है कि सरकार ने कहा है कि भारत में अभी तक वैरिएंट नहीं मिला है, यह कब देश में प्रवेश कर कहर बरपा सकता है, कहा नहीं जा सकता।

देश ने 27 जनवरी, 2020 को केरल में अपना पहला कोविड -19 मामला दर्ज किया, और देश तब से वायरस से जकड़ा हुआ है और इस महामारी कालकोठरी से बाहर आना केवल एक दूर के सपने जैसा लगता है। जब से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 6 मई, 2021 को डेल्टा संस्करण को चिंता का विषय (वीओसी) घोषित किया है, देश ने दुनिया भर में मामलों और मौतों की एक नई लहर देखी है, जिससे देश में सुधार की गति धीमी हो रही है, आर्थिक स्थिरता को खतरा है और गंभीर सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव संभावित हैं।

नया संस्करण अब अधिक ध्यान आकर्षित कर रहा है क्योंकि यह देश के कुछ हिस्सों में फैलना शुरू हो गया है और यह ध्यान देने योग्य बात है। म्यू न केवल उच्च संख्या या उच्च प्रतिशत में देखा जा रहा है, बल्कि यह पूरे अमेरिका में विभिन्न स्थानों पर पाया जा रहा है, वर्तमान में कोलंबिया में इस प्रकार के उच्चतम प्रसार के साथ।

यह आनुवंशिक संरचना में कोविड के जीनोम में उत्परिवर्तन के एक समूह को वहन करता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह अभी भी रुचि का एक प्रकार है और भारत में अभी तक किसी भी नमूने का पता नहीं चला है।

''कोलम्बिया से यह इक्वाडोर (13 प्रतिशत) और चिली (लगभग 40 प्रतिशत) जैसे अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों में फैल गया है। म्यू संस्करण अब संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण कोरिया, जापान, इक्वाडोर सहित 43 देशों में पाया गया है। कनाडा और यूरोप के कुछ हिस्सों में। अब तक, भारत में इसका पता नहीं चला है'', डॉ राहुल पंडित, सदस्य, कोविड -19 टास्क फोर्स, महाराष्ट्र सरकार कहते हैं।

वह आगे कहते हैं कि दुनिया भर में म्यू वेरिएंट के 4700 से अधिक मामले हैं। हालांकि 2000 मामलों के साथ, अमेरिका ने सबसे अधिक एमयू मामले दर्ज किए हैं, इसे अभी तक तत्काल खतरा नहीं माना गया है।

नई दिल्ली के संक्रामक रोग, मणिपाल अस्पताल, द्वारका, की सलाहकार डॉ अंकिता बैद्य, कहती हैं, ''रुचि का एक प्रकार चिंता का एक प्रकार बन जाता है जब हम प्रलेखित साक्ष्य देखते हैं कि वायरस की संचरण क्षमता में वृद्धि हुई है, यह अधिक खतरनाक है, टीकों के प्रति अधिक प्रतिरोध है, और उच्च संक्रामकता दर है'', संक्रामक रोग, मणिपाल अस्पताल, द्वारका, नई दिल्ली।

जनवरी 2021 में अपनी पहली उपस्थिति बनाने के बावजूद, और तब से आसपास होने के बावजूद, म्यू वेरिएंट डेल्टा जितना खराब नहीं लगता है, जो कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में प्रमुख संस्करण है। लेकिन म्यू में म्यूटेशन हैं जो हमें कोविड के टीकों से मिलने वाली सुरक्षा से बचने की क्षमता रखते हैं।

हालांकि, चिंता की बात यह है कि यह इस रूप में प्रतिरक्षा से बचने की घटना को जन्म दे सकता है कि प्राकृतिक संक्रमण के माध्यम से मौजूदा एंटीबॉडी हमें इस संक्रमण से बचाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। ''जब हम इस तरह के नवीन उपभेदों को दुनिया में घूमते हुए देखते हैं, तो यह चिंता का विषय बन जाता है, विशेष रूप से इसमें इतने सारे उत्परिवर्तन होते हैं जो हमारी प्रतिरक्षा से बच सकते हैं और एक ऐसे व्यक्ति को भी फिर से संक्रमित कर सकते हैं जो पहले से ही कुछ अलग प्रतिरूप से संक्रमित होकर उबर चुका है'', बैद्य बताते हैं।

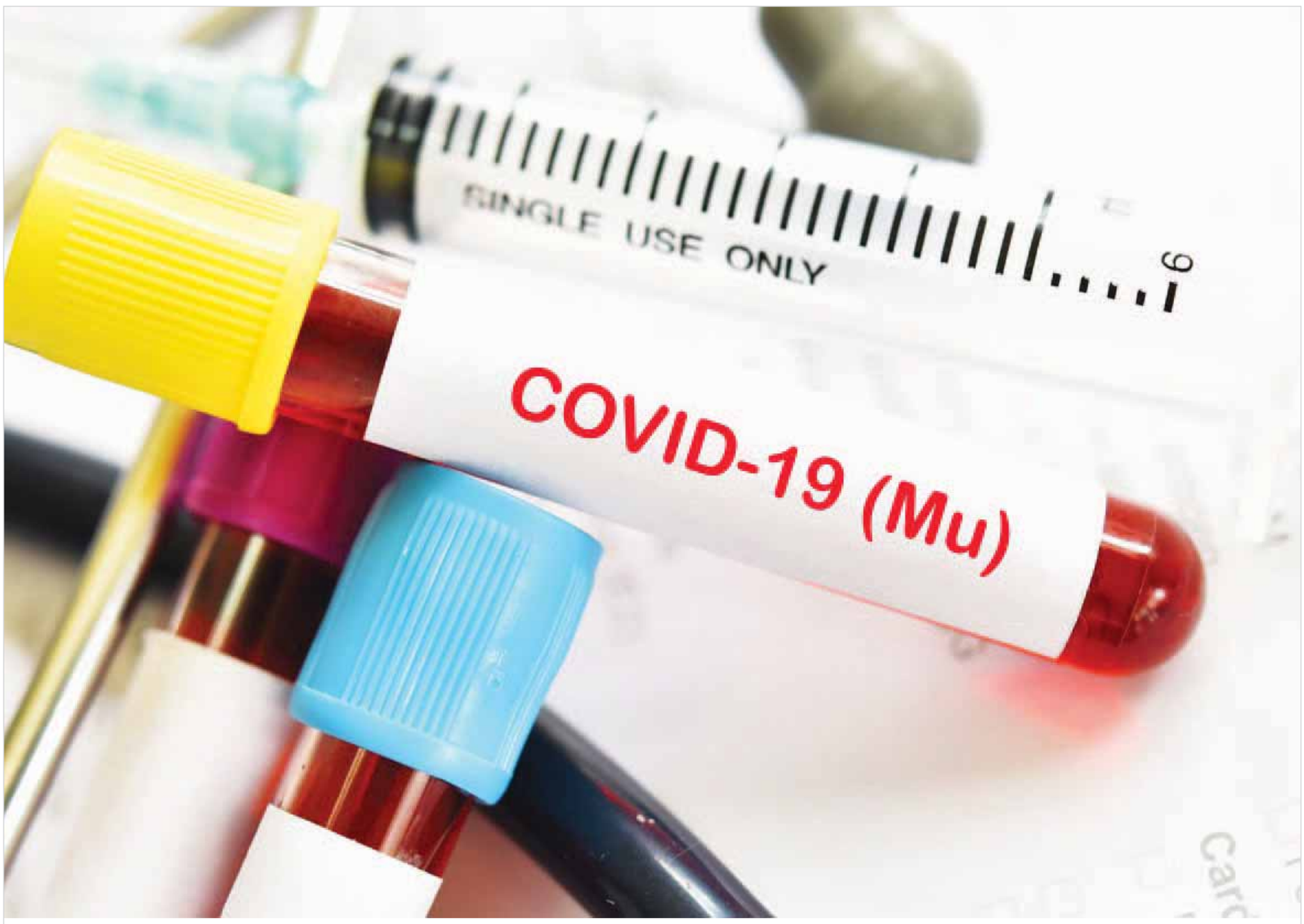

डब्ल्यूएचओ ने कहा है, ''म्यू संस्करण में उत्परिवर्तन का एक नक्षत्र है जो प्रतिरक्षा से बचने के संभावित गुणों को इंगित करता है। प्रारंभिक साक्ष्य से पता चलता है कि ये उत्परिवर्तन बीटा संस्करण के समान टीका- और स्वस्थ सीरम-प्रेरित एंटीबॉडी से बचने की अनुमति दे सकते हैं।''

डॉ सोमेश्वर सिंह, लीड कंसल्टेंट, ईएनटी, मधुकर रेनबो चिल्ड्रन हॉस्पिटल का कहना है कि हालांकि रिपोर्टों ने हाल ही में दक्षिण अमेरिका के अलावा दुनिया के अधिकांश हिस्सों में इसके गिरावट का सुझाव दिया है, हमें ध्यान से देखना होगा कि यह तनाव कैसे फैलता है।

अभी तक सटीक संक्रमण दर अच्छी तरह से स्थापित नहीं है और अधिक डेटा की आवश्यकता है क्योंकि केवल छिटपुट मामले ही हुए हैं। ''यह उत्परिवर्तन के साथ, इस प्रतिरूप से अधिक गंभीर संक्रमण होने की संभावना है क्योंकि यह किसी प्रकार की प्रतिरक्षा से बचने की घटना दिखा रहा है, जिसका अर्थ है कि पिछला एंटीबॉडी काम नहीं कर रहा है और इसके परिणामस्वरूप उच्च संक्रामक दर हो सकती है,'', बैद्य कहते हैं।

टीकों की प्रभावकारिता के बारे में बात करते हुए, यह पुष्टि करने के लिए अभी भी बहुत सारे शोध किए जाने हैं कि मौजूदा टीके म्यू स्ट्रेन के खिलाफ प्रभावी होंगे या नहीं। साथ ही, यह जोखिम भी मौजूद है कि यह टीके के प्रभाव को कम कर सकता है।

- पिछले महीने इंग्लैंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी की एक रिपोर्ट ने सुझाव दिया था कि एमयू संस्करण टीकों के लिए प्रतिरोधी हो सकता है क्योंकि चिंताजनक बीटा संस्करण पहली बार दक्षिण अफ्रीका में देखा गया था, लेकिन कहा कि अधिक वास्तविक दुनिया के डेटा की आवश्यकता थी
- डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण अमेरिका के कुछ देशों में एमयू संस्करण बढ़ रहा है, लेकिन डेल्टा संस्करण अभी भी कहीं अधिक आसानी से फैलता है
- एमयू संस्करण तेजी से फैलता नहीं दिख रहा है : यह वैश्विक स्तर पर कोविड-19 मामलों के 1 प्रतिशत से कम के लिए जिम्मेदार है
- कोलंबिया में, यह लगभग 39 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार हो सकता है
- वैज्ञानिक संदिग्ध आनुवंशिक परिवर्तनों के आधार पर उभरते हुए कोविड-19 रूपों की निगरानी करते हैं और फिर यह निर्धारित करने के लिए सबूत की तलाश करते हैं कि नया संस्करण अधिक संक्रामक है या अधिक गंभीर बीमारी का कारण बनता है
- वायरस लगातार विकसित होते हैं और कई नए प्रकार अक्सर फीके पड़ जाते हैं

बैद्य का कहना है कि म्यू स्ट्रेन के लक्षण और लक्षण काफी हद तक डेल्टा वेरिएंट से मिलते-जुलते हैं। इसमें ऊपरी श्वसन पथ के सामान्य वायरल लक्षणों के साथ-साथ खांसी और सर्दी, हल्का बुखार, दस्त, पेट के लक्षण, मतली और अपच के लक्षण भी अच्छी मात्रा में होते हैं। अन्य वायरल लक्षणों की तरह कुछ सिरदर्द, पैर में दर्द और शरीर में दर्द भी हो सकता है।

वर्तमान में, मौजूदा उपभेदों के समान किसी भी प्रकार के लिए केवल रोगसूचक उपचार दिया जाता है। उपचार ज्यादातर रोग की गंभीरता के अनुसार तैयार किया जाता है चाहे वह हल्का, मध्यम या गंभीर हो।

हम में से बहुत से लोग सोच रहे हैं कि वायरस कितनी जल्दी बदल जाता है और हर नए संस्करण के उभरने के साथ, इस घातक महामारी से उबरना मुश्किल लगता है और एक दूर के सपने जैसा लगता है। दूसरी ओर, हम महामारी के साथ जीना सीख रहे हैं और अब इसे जीवन का एक हिस्सा मान रहे हैं।

प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया से बचने, एंटीबॉडी दबाव से बचने और एंटीवायरल दबाव से बचने के लिए वायरस आनुवंशिक संरचना में उत्परिवर्तन से गुजरना जारी रखेगा। नए उत्परिवर्तन मौजूदा उपभेदों की तुलना में कम या अधिक गंभीर हो सकते हैं, लेकिन साथ ही हमें पर्याप्त संक्रमण नियंत्रण सावधानी बरतने से नहीं रोकना चाहिए जैसे मास्क पहनना, हाथ की स्वच्छता का अभ्यास करना और सामाजिक दूरी बनाए रखना। ''आज, दुनिया एक छोटी सी जगह है क्योंकि लोग कुछ ही घंटों में दूर-दूर की यात्रा करते हैं, इससे वायरस फैलने में मदद मिलती है। हमें वायरस के प्रसार से लड़ने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए सामाजिक अलगाव और संगरोध उपायों का अभ्यास करने की आवश्यकता है। टीकाकरण बहुत महत्वपूर्ण है'', सिंह बताते हैं।

म्यू वेरिएंट में स्पाइक प्रोटीन में टी95आई, वाई144एस, वाई145एन, आर346के, ई484के, एन501वाई, डी614जी, पी681एच, वाई144टी, के417एन और डी950एन जैसे गंभीर म्यूटेशन हैं। इनमें से कुछ उत्परिवर्तन चिंता के रूपों में पाए गए हैं। एन501वाई और पी681एच म्यूटेशन भी अल्फा वेरिएंट (बी.1.1.7) में मौजूद हैं, जिन्हें पहली बार यूके में पाया गया था और इन्हें रैपिड ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। एन501वाई उत्परिवर्तन चिंता के बीटा और गामा वेरिएंट (वीओसी) में भी मौजूद है। ई484के और के417एन उत्परिवर्तन, जो बीटा संस्करण में भी होते हैं (बी.1.351, पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाया गया) प्रतिरक्षा से बचने से जुड़े हैं। हालांकि, अन्य उत्परिवर्तन का महत्व अभी तक ज्ञात नहीं है।

नए प्रतिरूप से बचने के लिए जल्द टीका लगवाएं

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डलूएचओ) ने 30 अगस्त, 2021 को रुचि का पांचवां संस्करण (वीओआई)- बी1.621.1 जोड़ा और इसे म्यू संस्करण- लेबल किया। अन्य चार वर्तमान वीओआई हैं ईटीए (बी1.525), एलओटीए (बी.1.526), कप्पा (बी.1.617.1) और लैम्ब्डा (सी.37)।

म्यू वेरिएंट की पहचान सबसे पहले जनवरी 2021 में दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में हुई थी, जहां विश्लेषण किए गए 39 फीसदी नमूनों में म्यू का पता चला है। वहां से, यह इक्वाडोर (13 प्रतिशत) और चिली (लगभग 40 प्रतिशत) जैसे अन्य दक्षिण अमेरिकी देशों में फैल गया है।

एमयू संस्करण अब अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जापान, इक्वाडोर, कनाडा और यूरोप के कुछ हिस्सों सहित 43 देशों में पाया गया है। अभी तक भारत में इसका पता नहीं चला है।

डॉ राहुल पंडित, सदस्य, कोविड-19 टास्क फोर्स, महाराष्ट्र सरकार के अनुसार, दुनिया भर में म्यू वेरिएंट के 4,700 से अधिक मामले हैं। हालांकि 2000 मामलों के साथ, अमेरिका ने सबसे अधिक एमयू मामले दर्ज किए हैं, इसे अभी तक तत्काल खतरा नहीं माना गया है।

पिछले महीने, डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि म्यू संस्करण में उत्परिवर्तन का एक समूह है जो प्रतिरक्षा से बचने के संभावित गुणों का संकेत देता है। ''प्रारंभिक साक्ष्य से पता चलता है कि ये उत्परिवर्तन बीटा संस्करण के समान वैक्सीन- और दीक्षांत सीरम-प्रेरित एंटीबॉडी से बचने की अनुमति दे सकते हैं'', डॉ पंडित कहते हैं।

म्यू वेरिएंट में स्पाइक प्रोटीन में टी95आई, वाई144एस, वाई145एन, आर346के, ई484के, एन501वाई, डी614जी, पी681एच, वाई144टी, के417एन और डी950एन जैसे गंभीर म्यूटेशन हैं।

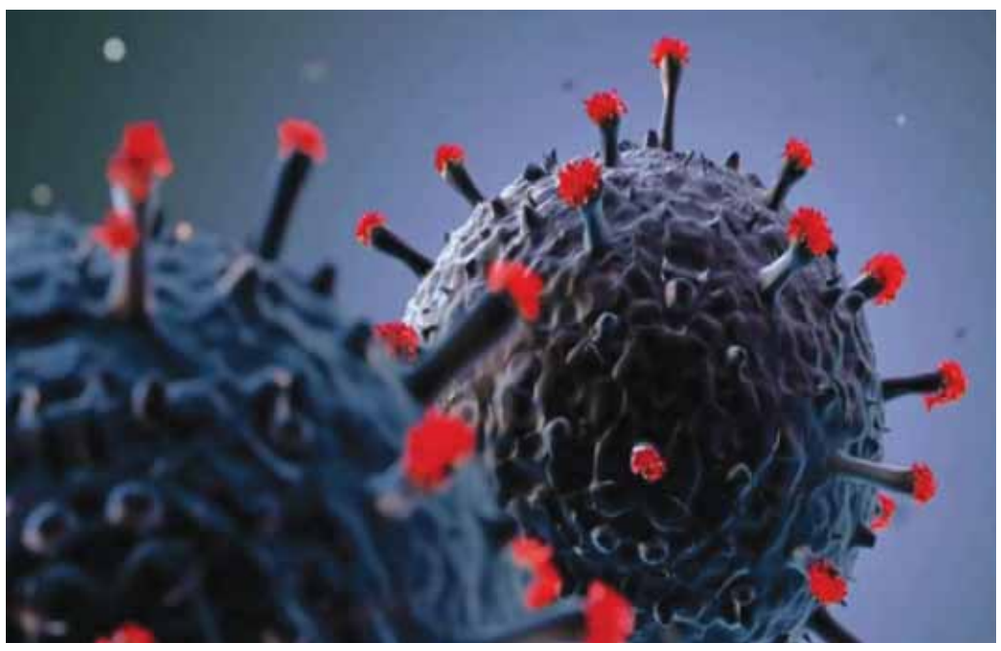

''इनमें से कुछ उत्परिवर्तन चिंता के रूपों में पाए गए हैं। एन501वाई और पी681एच म्यूटेशन भी अल्फा वेरिएंट (बी1.1.7) में मौजूद हैं, जिन्हें पहली बार यूके में पाया गया था और इन्हें रैपिड ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। एन501वाई उत्परिवर्तन चिंता के बीटा और गामा वेरिएंट (वीओसी) में भी मौजूद है। ई484के और के417एन उत्परिवर्तन, जो बीटा संस्करण में भी होते हैं (बी1.351, पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाया गया) प्रतिरक्षा से बचने से जुड़े हैं। हालांकि, अन्य उत्परिवर्तनों का महत्व अभी तक ज्ञात नहीं है'', डॉ पंडित बताते हैं।

डेल्टा संस्करण (बी.1.617.2) दुनिया भर में प्रमुख संस्करण बना हुआ है और दुनिया के कई हिस्सों में मामलों के पुनरुत्थान का प्रमुख कारण है।

वर्तमान में, विश्व स्तर पर एमयू संस्करण केवल 0.1 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है, भले ही यह इस साल जनवरी के आसपास रहा हो।

हालांकि यह चिंता का एक प्रकार (वीओसी) नहीं है, लेकिन किसी भी बदलाव का पता लगाने के लिए इसकी बारीकी से निगरानी की जा रही है जो इसे डेल्टा संस्करण की तुलना में अधिक पारगम्य बनाता है, अधिक गंभीर बीमारी का कारण बनता है और टीकों को कम प्रभावी बनाता है। यदि ऐसा होता है, तो इसे वीओसी के रूप में पुन: वर्गीकृत किया जा सकता है।

''नए रूपों के उद्भव को रोकने के लिए सबसे अच्छी रणनीति अधिक से अधिक लोगों को तेजी से टीकाकरण करना है। टीकाकरण की आबादी जितनी बड़ी होगी, वायरस के संक्रमित और उत्परिवर्तित होने की संभावना उतनी ही कम होगी'', डॉ पंडित कहते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियन्स के बीच आईपीएल मैच का आगाज आज

● टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखकर आईपीएल में उतरेंगे खिलाड़ी

भाषा। दुबई

चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियन्स के बीच रविवार को होने वाले धमाकेदार मैच से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे चरण का आगाज होगा जिसमें खिलाड़ियों को टी20 विश्व कप से पहले यूएई की परिस्थितियों को समझने का भी मौका मिलेगा। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण आईपीएल को मई में बीच में ही स्थगित करना पड़ा था। उस समय तक टूर्नामेंट के 29 मैच ही हो पाए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब ऐसी किसी स्थिति से बचने के लिए प्रार्थना कर रहा होगा। बीसीसीआई को आईपीएल के दूसरे चरण के आयोजन के लिए कार्यक्रम तय करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। ऐसे में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम में कोविड-19 के मामले पाए जाने से बीसीसीआई की भी सांसे फूलने लगी थी लेकिन यह बड़ा मुद्दा नहीं बना तथा भारत और इंग्लैंड के जिन खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलना है वे सुरक्षित यहां पहुंच गए। आईपीएल में 2019 के बाद पहली बार सीमित संख्या में दर्शक भी उपस्थित रहेंगे जिससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ गया है। टी20 विश्व कप के लिए टीमें घोषित की जा चुकी हैं लेकिन आईपीएल के प्रदर्शन को तब भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर अंतिम क्षणों में भी कोई अन्य खिलाड़ी उसकी जगह ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वैसे भी 10 अक्टूबर तक बदलाव की अनुमति दे रखी है। विश्व कप के बाद टी20 की कप्तानी छोड़ने की घोषणा करने वाले भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी ट्राफी उठाने का अपना सपना पूरा करने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को आईपीएल का पहला खिताब दिलाना चाहेंगे। यूएई में आईपीएल के 31 मैच खेले जाएंगे और इसका मतलब होगा कि टूर्नामेंट के दौरान पिच अच्छी रहेगी। भारत की तुलना में परिस्थितियां भिन्न होंगी और पिचें कुछ धीमी होंगी ऐसे में सभी टीमें नए सिरे से ही शुरुआत करेंगी। चेन्नई और मुंबई की चिर प्रतिद्वंद्विता के साथ रविवार को आईपीएल बहाल होगा। मुंबई ने अब तक सात मैचों में चार में जीत दर्ज की है और किसी भी तरह की ढीली शुरुआत उसे भारी पड़ सकती है। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चेन्नई ने लय हासिल कर ली है। उसके सात मैच में पांच जीत से 10 अंक हैं। उसके युवा खिलाड़ियों रुतुराज गायकवाड़ और सैम करेन ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके स्पिनरों इमरान ताहिर, मोईन अली और रविंद्र जडेजा ने भी प्रभाव छोड़ा। मोईन और जडेजा ने बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। कई दिग्गज खिलाड़ियों से सजी यह टीम अब कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के भी लय में लौटने की उम्मीद कर रही होगी। जहां तक मुंबई का सवाल है तो उसके मध्यक्रम को अच्छा प्रदर्शन की जरूरत है और उसके गेंदबाजों को भी पावरप्ले में बेहतर खेल दिखाना होगा। कप्तान रोहित शर्मा शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और लेग स्पिनर राहुल चाहर विश्व कप टीम में जगह बनाने से आत्मविश्वास से ओतप्रोत होंगे। हार्दिक पंड्या के भी नियमित रूप से गेंदबाजी करने की उम्मीद है जिससे आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारत के पास अधिक विकल्प हो जाएंगे। पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीमें कुछ खिलाड़ियों के हटने से प्रभावित हुई हैं। उसके अन्य खिलाड़ियों को इसकी भरपाई करनी होगी।

मुंबई इंडियंस ने चोटिल मोहसिन खान की जगह रुश कलारिया को शामिल किया

दुबई। गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले चरण के लिए चोटिल मोहसिन खान की जगह अपनी मुख्य टीम में तेज गेंदबाजी आल राउंडर रूश कलारिया को शामिल किया। कलारिया मुंबई इंडियंस टीम के साथ बैक-अप खिलाड़ी के तौर पर अबुधाबी गए थे और इस 28 साल के खिलाड़ी ने अपना पहला आईपीएल अनुबंध भी हासिल कर लिया। कलारिया 2012 आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। वह 2012 में पदार्पण के बाद से घरेलू क्रिकेट में गुजरात के अहम खिलाड़ी रहे हैं। कलारिया को शनिवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान टीम में शामिल किया गया।

हसरंगा और चमीरा ने टीम को नया आयाम दिया: कोहली

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि श्रीलंका के खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा और दुशमंता चमीरा के आने से टीम को नया आयाम मिला है लेकिन वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले चरण के अच्छे प्रदर्शन को हल्के में नहीं लेंगे। आईपीएल के 14वें सत्र के दौरान मई में बायो-बबल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले मिलने के बाद स्थगित कर दिया था। इसके बचे हुए मैचों को रविवार से यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में खेला जाएगा। कोहली ने दूसरे चरण के शुरू होने से पहले टीम की नीली जर्सी के लॉन्च करने के मौके पर पर पहले चरण में भाग लेने वाले एडम जम्पा और केन रिचर्डसन जैसे खिलाड़ियों को याद किया। कोहली ने कहा, हमने बदलाव किए हैं, हमें उनकी जगह दूसरे खिलाड़ी मिले हैं। पहले चरण में हमारे साथ रहे केन रिचर्डसन, एडम जम्पा ने दूसरे चरण में नहीं खेलने का फैसला किया।

शास्त्री ने कहा, कोच के रूप में जो चाहा वह हासिल किया

लंदन। रवि शास्त्री का भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल अगले महीने टी20 विश्व कप के साथ समाप्त हो जाएगा और उन्होंने स्वीकार किया कि इससे उन्हें थोड़ा दुख होगा लेकिन साथ ही कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जो चाहा वह हासिल किया और वह सही समय पर इस जिम्मेदारी से मुक्त हो रहे हैं। शास्त्री का मुख्य कोच के रूप में कार्यकाल 2017 में शुरू हुआ था। इसके बाद उन्हें 2019 में फिर से इस पद पर नियुक्त कर दिया गया था। टी20 विश्व कप 17 अक्टूबर से यूएई में खेला जाएगा। कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण 59 वर्षीय शास्त्री अभी पृथकवास पर हैं। उन्होंने द गार्डियन से कहा कि टी20 विश्व कप विशेष होगा लेकिन टीम ने उनके रहते हुए पहले ही विशिष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं। शास्त्री ने कहा, मेरा ऐसा मानना है क्योंकि मैंने जो चाहा वह हासिल किया। पांच साल तक नंबर एक (टेस्ट क्रिकेट में) रहे, आस्ट्रेलिया में दो बार जीते, इंग्लैंड में जीते। उन्होंने कहा, मैंने माइकल आथरटन से बात की थी और कहा था, मेरे लिए यह चरम है आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना और इंग्लैंड में कोविड काल में जीत दर्ज करना।

मुख्य कोच पद के लिए कुंबले, लक्ष्मण से संपर्क कर सकता है बीसीसीआई

भाषा। नई दिल्ली

कप्तान विराट कोहली के साथ मतभेदों के कारण चार साल पहले अपना पद छोड़ने वाले अनिल कुंबले और अपनी कलात्मक बल्लेबाजी के लिए मशहूर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हो सकते हैं। वर्तमान कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा और ऐसे में सौरव गांगुली की अगुवाई वाला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) कुंबले और लक्ष्मण से मुख्य कोच पद के लिए आवेदन करने को कह सकता है। कुंबले 2016-17 में भारतीय टीम के कोच थे। सचिन तेंदुलकर, लक्ष्मण और गांगुली की अगुवाई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति ने उन्हें शास्त्री के स्थान पर कोच नियुक्त किया था। लेकिन चैंपियन्स ट्राफी फाइनल में पाकिस्तान से हार के बाद उनके कोहली के साथ मतभेद खुलकर सामने आ गए थे। इसके बाद कुंबले ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। बीसीसीआई कुंबले के अलावा लक्ष्मण से भी संपर्क कर सकता है जो पिछले कुछ वर्षों से इंडियन प्रीमियर लीग की टीम सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद कुंबले कोच पद के प्रबल दावेदार रहेंगे। बीसीसीआई सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अनिल कुंबले ने जिन परिस्थितियों में पद छोड़ा था उसमें सुधार करने की जरूरत है। जिस तरह से सीओए (प्रशासकों की समिति) कोहली के दबाव में आ गई थी और उन्हें (कुंबले) को हटा दिया गया था वह सही नहीं था। हालांकि यह इस पर भी निर्भर करेगा कि कुंबले या लक्ष्मण इस पद के लिए आवेदन करने के इच्छुक हैं या नहीं। कोहली पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह विश्व कप के बाद टी20 की कप्तानी छोड़ देंगे। बीसीसीआई की पहली पसंद भारतीय कोच हैं तथा कुंबले और लक्ष्मण को 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने के अलावा कोचिंग का भी अनुभव है। विदेशी कोच दूसरा विकल्प है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई के कोच पद के लिए मानदंड ऐसा होगा जिससे कि खिलाड़ी के रूप अच्छे रिकार्ड के साथ कोचिंग का अनुभव रखन वाले ही आवेदन कर सके। सूत्रों से विक्रम राठौड़ की दावेदारी के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा, अगर वह चाहें तो आवेदन कर सकते है लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने के लिए उनके पास वैसा रूतबा नहीं है।

न्यूकासल और लीड्स का मैच 1-1 से ड्रा छूटा

एपी। न्यूकासल

न्यूकासल ने एलन सेंट मैक्सिमिन के गोल की मदद से लीड्स के खिलाफ इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट मैच 1-1 से ड्रा खेला। फ्रांस के 24 वर्षीय मैक्सिमिन ने सेंट जेम्स पार्क स्टेडियम में लगभग 50 हजार दर्शकों के सामने 44वें मिनट में बराबरी का गोल किया। इससे पहले राफिन्हा ने 13वें मिनट में लीड्स को बढ़त दिलाई थी। इन दोनों टीमों को लीग में अब भी पहली जीत का इंतजार है। लीड्स के पांच मैचों में तीन और न्यूकासल के इतने ही मैचों में दो अंक हैं। मैनचेस्टर यूनाइटेड, चेल्सी, लिवरपूल और एवर्टन के चार चार मैचों में समान 10 अंक हैं और वे शीर्ष पर हैं।

क्विक न्यूज

दिल्ली को फुटसल लीग 2021 की खिताब

नई दिल्ली। दिल्ली एफ़सी ने यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में दिल्ली फुटसल लीग 2021 के फाइनल मैच में ईव्स एससी को 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। फुटबॉल दिल्ली फुटसल लीग 2021-22 की शुरुआत 14 सितंबर को 20 क्लबों की भागीदारी के साथ हुई थी। इसमें 240 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। लीग में 190 गोल किए गए। शहर से फुटसल चैंपियन बनकर दिल्ली एफ़सी को नवंबर में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की राष्ट्रीय फुटसल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

आपरेशन के बाद पेले की स्थिति सामान्य

साओ पाउलो। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर पेले की आंत से ट्यूमर निकालने के लिए किए आपरेशन के बाद स्थिति सामान्य बनी हुई है और उनकी बेटी केली नेसिमेटो ने कहा कि वह धीरे धीरे ठीक हो रहे है। उन्होने इन रिपोर्टों पर टिप्पणी नही कि 80 वर्षीय पेले को फिर से आपात चिकित्सा कक्ष मे भर्ती किया गया है। पेले का चार सितंबर को आपरेशन किया गया था। केली नेसिमेटो ने अपने पिता के साथ एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की है जिसमे उन्होने कहा कि यह तस्वीर अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल मे उनके कमरे मे अभी अभी ली गई थी। उन्होने कहा, वह धीरे धीरे ठीक हो रहे है और सामान्य स्थिति मे है। इस तरह के आपरेशन के बाद इतनी उम्र के व्यक्ति की स्थिति मे कभी कभी हल्का उतार चढ़ाव आता है। कल वह बेहद थकान महसूस कर रहे थे, लेकिन आज उन्हे अच्छा लग रहा है। पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 मे विश्व कप जीता। उन्होने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मे 92 मैचो मे 77 गोल किए जो ब्राजील की तरफ से रिकार्ड है।

शुभंकर ने दो ईगल जमाए, दूसरे दौर के बाद संयुक्त नौवें स्थान पर

क्रॉम्बार्ट (नीदरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर मे दो ईगल की मदद से छह अंडर 66 का कार्ड खेला जिससे वह डच ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त नौवे स्थान पर पहुंच गए है। पहले दौर मे दो अंडर 70 का स्कोर बनाने वाले शुभंकर का कुल स्कोर आठ अंडर है और वह शीर्ष पर चल रहे क्रिस्टोफर ब्रोबर्ग (68-64) से चार शॉट पीछे है। उनका कुल स्कोर अभी 12 अंडर है। शुभंकर ने बोगी से शुरुआत की लेकिन तीसरे और छठे होल मे बर्डी बनाने मे सफल रहे। उन्होने पार-5 वाले 12वे होल मे ईगल बनाया। इसके बाद वह पार-4 वाले 15वे होल मे भी ईगल बनाने मे सफल रहे। उन्होने 18वे होल मे बर्डी के साथ दिन का समापन किया।

हनी बैस्य ने जेएंडके ट्रॉफी जीतकर तीन साल के खिताबी सूखे को खत्म किया

श्रीनगर। दिल्ली के गोल्फ खिलाड़ी हनी बैस्य शनिवार को यहां जेएंडके (जम्मू कश्मीर) ओपन 2021 गोल्फ टूर्नामेंट के चौथे और आखिरी दौर मे चार अंडर 68 के शानदार कार्ड खेलकर चार शॉट के अंतर के साथ विजेता बने। छह बार के पीजीटीआई विजेता बैस्य (67, 69, 66, 68) ने कुल 18 अंडर 270 के स्कोर के साथ तीन साल के खिताबी सूखे को खत्म किया। इस जीत से वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट मे 85वे से 22वे स्थान पर पहुंच गए। चालीस लाख रुपए की इनामी राशि के पीजीटीआई टूर्नामेंट मे दूसरे स्थान पर रहे गुरुग्राम के वीर अहलावत ने आखिरी दौर मे 66 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 14 अंडर 274 का रहा। पटना के अमन राज (68-71-70-66) 13 अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

गौरिका संयुक्त छठे और रिदिमा संयुक्त नौवें स्थान पर रही

पुइडॉक्स (स्विट्जरलैंड)। भारत की गौरिका विश्नोई लवॉक्स लेडीज ओपन गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त छठे स्थान पर रही जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका लंबे समय बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। घरेलू सर्किट मे पांच बार की विजेता गौरिका ने तीन दौर मे 71-72-69 का स्कोर बनाया और वह चार अंडर के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रही। भारत की एक अन्य गोल्फर रिदिमा दिलावरी ने संयुक्त नौवां स्थान हासिल किया। उन्होने 74-69-70 का स्कोर बनाया। अमनदीप द्राल (73-73-72) और प्रणवी उर्स (71-74-73) संयुक्त 22वे जबकि वाणी कपूर (75-74-72) संयुक्त 33वे स्थान पर रही। स्कॉटलैंड की गैब्रिएली मैकडोनाल्ड ने प्लेऑफ मे इंग्लैंड की कह जेम्मा वल्यूज को हराकर खिताब जीता।

अदिति ने पोर्टलैंड क्लासिक के कट में जगह बनाई

पोर्टलैंड (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने पहले दौर के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरकर दूसरे दौर मे पार 72 का कार्ड खेला जिससे वह 2021 कैम्बिया पोर्टलैंड क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट मे जगह बनाने मे सफल रही। पहले दौर मे पांच ओवर 77 का स्कोर बनाने वाली अदिति अभी संयुक्त 57वे स्थान पर है। वह अंतिम दो दौर मे अच्छा प्रदर्शन करके अपनी स्थिति मे सुधार कर सकती है। अदिति ने दूसरे दौर मे पांचवे और 18वे होल मे बर्डी बनाई लेकिन इस बीच उन्होने 11वे और 12वे होल मे बोगी भी की। कट

चौथी बार एनआरएआई अध्यक्ष चुने गए रनिंदर

भाषा। मोहाली

अनुभवी प्रशासक रनिंदर सिंह को शनिवार को फिर से चौथी बार भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) का अध्यक्ष चुना गया जिन्होंने यहां चुनावों में बसपा सांसद श्याम सिंह यादव को 56-3 मत से हराया। कुंवर सुल्तान सिंह को निर्विरोध राष्ट्रीय संस्था का महासचिव चुना गया जबकि रणदीप मान को कोषाध्यक्ष बनाया गया। महासंघ के आठ उपाध्यक्षों के अलावा ओडिशा के सांसद कालीकेश नारायण सिंह देव सीनियर उपाध्यक्ष बने रहेंगे।

पवन कुमार सिंह भी शेला कानुंगो के साथ शीर्ष संस्था के संयुक्त सचिव बने रहेंगे। दोनों को निर्विरोध चुना गया। चुनावों में एनआरएआई के 59 सदस्यों ने प्रतिनिधित्व किया जिसमें से 56 ने रनिंदर के पक्ष में जबकि तीन ने उनके प्रतिद्वंद्वी यादव के पक्ष में मत दिए जो उत्तर प्रदेश राइफल संघ के अध्यक्ष हैं। एनआरएआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में यादव द्वारा दायर याचिका के बाद खेल मंत्रालय के नए सिरे से चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश के बावजूद चुनाव कराने का फैसला किया। यादव उत्तर प्रदेश के जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के सांसद हैं। एनआरएआई ने चुनाव निर्धारित समय पर कराने का फैसला इसलिए कायम रखा क्योंकि उच्च न्यायालय से अभी इस पर कोई स्टे ऑर्डर नहीं मिला था। यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है और सुनवाई की अगली तारीख दिसंबर है। चुनाव आईएस बिंद्रा स्टेडियम में कराए गए। अपनी याचिका में यादव ने चुनावों के लिए मेहताब सिंह गिल को चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने में हितों के स्पष्ट टकराव का हवाला दिया है। यादव ने रनिंदर के कार्यकाल को लेकर भी आपत्ति उठाई थी लेकिन मंत्रालय ने पाया कि वह फिर से चुनाव लड़ सकते हैं।

न्यूजीलैंड की टीम चार्टर्ड फ्लाइट में पाकिस्तान से रवाना

इस्लामाबाद। न्यूजीलैंड की 33 सदस्यीय टीम शनिवार की शाम इस्लामाबाद से चार्टर्ड फ्लाइट में दुबई के लिए रवाना हुई। एक दिन पहले न्यूजीलैंड टीम ने सुरक्षा के खतरे का हवाला देते हुए क्रिकेट दौरा रद्द कर दिया था। न्यूजीलैंड खिलाड़ियों और अधिकारियों को हवाईअड्डे पर रैपिड कोविड-19 परीक्षण से गुजरना पड़ा और सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद उन्हें कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल के बीच जाने की अनुमति दी गई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से तुरंत पहले अचानक श्रृंखला रद्द करने का फैसला किया जिसके लिए उन्होंने गंभीर सुरक्षा खतरे का हवाला दिया। न तो न्यूजीलैंड बोर्ड और न ही उनकी सरकार ने पाकिस्तान सरकार, सुरक्षा अधिकारियों और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस खतरे की जानकारी साझा की। इस घटनाक्रम से नाराज पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशीद अहमद ने शनिवार को कहा कि न्यूजीलैंड टीम को कोई खतरा नहीं था और उन्होंने सिर्फ स्वदेश रवाना होने के लिए बहाना बनाया क्योंकि वे श्रृंखला नहीं खेलना चाहते थे।

भारतीय महिला टीम अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया से 36 रन से हारी

भाषा। ब्रिसबेन

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां 50 ओवर के अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया से 36 रन से हार गई जिससे उसकी दौरे की शुरूआत निराशाजनक तरीके से हुई। सलामी बल्लेबाज रशेल हेन्स (65), मेग लैनिंग (59) और बेथ मूनी (59) ने अर्धशतकीय पारियां खेली जिससे आस्ट्रेलिया ने इयान हीली ओवल में पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 278 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारतीय टीम 50 ओवर में सात विकेट पर 242 रन ही बना सकी जिसमें पूजा वस्त्राकर 57 रन की पारी से शीर्ष स्कोरर रहीं।

आस्ट्रेलिया के लिए स्टार हरफनमौला एलिस पैरी (38 रन देकर दो विकेट) ने नई गेंद से गेंदबाजी के लिए सफल वापसी की। उन्होंने 19 साल की स्टेला कैम्पबेल (38 रन देकर तीन विकेट) के साथ मिलकर शुरुआती 15 ओवर में भारत के दो दो विकेट झटक लिए थे जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम का स्कोर चार विकेट पर 88 रन था। पैरी ने अनुशासित गेंदबाजी की जिससे वह सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (14) और मिताली राज (01) के महत्वपूर्ण विकेट झटकने में सफल रहीं। कैम्पबेल ने शेफाली वर्मा (27) और रिचा घोष (11) को जल्द ही पवेलियन भेज दिया। इसके बाद भारत की 21 साल की यस्तिका भाटिया (41) ने शानदार जुझारू जज्बा दिखाया और डार्सी ब्राउन की शार्ट गेंदों के सामने डटी रहीं। पर स्पिनर सोफी मोलिनेक्स की गेंद का शिकार बन गईं। अब भारत का स्कोर छह विकेट पर 106 रन था। वस्त्राकर और दीप्ति शर्मा (नाबाद 49) ने टीम को इन झटकों से उबारने की कोशिश की लेकिन दोनों जीत तक नहीं ले जा सकीं। इससे पहले झूलन गोस्वामी (36 रन देकर दो विकेट) और मेघना सिंह (35 रन देकर कोई विकेट नहीं) ने नई गेंद से प्रभावित किया। गोस्वामी ने एलिसा हीली (08) को आउट कर आस्ट्रेलिया को पहला झटका दिया लेकिन हेन्स और लैनिंग टीम को 100 रन से स्कोर तक ले गईं। वस्त्राकर ने फिर हेन्स को आउट कर यह भागीदारी समाप्त की। पैरी (01) स्टंप आउट हुईं। लगातार दो विकेट गिरने से आस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 136 रन हो गया।

मो. हुसामुद्दीन राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बेल्लारी (कर्नाटक)। राष्ट्रमंडल खेलों (2018) के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) ने शनिवार को यहां जारी पांचवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपनी शानदार लय जारी रखते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) का प्रतिनिधित्व कर रहे गत चैंपियन हुसामुद्दीन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में छत्तीसगढ़ के साहिल को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से शिकस्त दी। अंतिम-आठ में उनका सामना कल महाराष्ट्र के रुषिकेश गौड़ से होगा। इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में आयोजित टूर्नामेंट में 57 किग्रा के एक अन्य मुकाबले में शानदार लय में चल रहे हरियाणा के सचिन ने मणिपुर के जोबिसन एंगकोकपम को परास्त किया। इस साल (2021) के विश्व युवा चैंपियन सचिन ने शुक्रवार को विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीत चुके गौरव बिधूड़ी को हराकर उलटफेर किया था। उन्होंने शनिवार को अपने प्रतिद्वंद्वी को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराते हुए क्वार्टर में अपना स्थान पक्का किया। गोवा के रोशन जमीर (54 किग्रा) ने इस बीच दिन के सबसे करीबी मुकाबलों में से एक में राजस्थान के सूरज भान सिंह को 3-2 से हराया। इस मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने काफी आक्रामक खेल का मुआयना किया लेकिन रोशन ने अंतिम दौर में प्रभावी प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच अपने नाम किया। राजस्थान के भीम प्रताप सिंह (51 किग्रा) और दिल्ली के रोहित मोर (57 किग्रा) ने चैंपियनशिप के चौथे दिन 5-0 की जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इसी तरह 60 किग्रा भार वर्ग में त्रिपुरा के परविंदर पूनिया ने तमिलनाडु के प्रभु मुरली को 5-0 से हराया।

हरमिलन बैंस, ऐश्वर्या ने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दोहरा खिताब जीता

वारंगल। पंजाब की हरमिलन कौर बैंस ने यहां जारी 60वें राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 800 मीटर दौड़ में शीर्ष पर रहते हुए टूर्नामेंट का अपना दूसरा खिताब जीता। वह इससे पहले 1500 मीटर में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी है। हरमिलन इस साल लगातार चौथी बार (800 मीटर) दिल्ली की केएम चंदा को पछाड़ने में सफर रही। इस 23 साल की खिलाड़ी ने इससे पहले जून में पटियाला में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में भी 800 और 1500 मीटर का खिताब अपने नाम किया था। रेलवे बी के ऐश्वर्या ने भी त्रिकूद में स्वर्ण पदक हासिल किया, जो 24 घंटे के अंदर उनका दूसरा शीर्ष स्थान है। वह इससे पहले महिलाओं की ऊंची कूद में भी शीर्ष स्थान पर रहीं थी। खास बात यह है कि उन्होंने इन दोनों स्पर्धाओं को इस साल भारतीय खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपने नाम किया। उन्होंने शुक्रवार को ऊंची कूद में 6.52 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण जीता था। शनिवार को उन्होंने त्रिकूद में रेणु ग्रेवाल (13.51 मीटर) को चार सेमी से पछाड़ कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सेना के एथलीटों ने पुरुषों की 800 मीटर दौड़ और 50 किलोमीटर पैदल चाल स्पर्धाओं में शीर्ष तीन खिताब अपने नाम किए। इससे पहले शुक्रवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी उन्होंने शीर्ष तीन स्थान हासिल किया था। मोहम्मद अफजल ने 800 मीटर फाइनल में अंकेश चौधरी और कृष्ण कुमार से आगे निकल स्वर्ण पदक हासिल किया।

डेविस कप: बोपन्ना-रामकुमार ने युगल मैच गंवाया, फिनलैंड से हारा भारत

भाषा। एस्पू (फिनलैंड)

रोहन बोपन्ना और रामकुमार रामनाथन की जोड़ी शनिवार को यहां करो या मरो के युगल मैच में हार गई जिससे भारत ने फिनलैंड के खिलाफ विश्व ग्रुप एक मुकाबला गंवा दिया। कप्तान रोहित राजपाल ने अंतिम मिनट में युगल जोड़ी बदलकर बोपन्ना को दिविज शरण के बजाय रामकुमार के साथ उतारा। पर इससे भी भारत को मदद नहीं मिली और इस अहम मैच में बोपन्ना और रामकुमार की जोड़ी हैनरी कोंटिनेन और हैरी हेलियोवारा से एक घंटे 38 मिनट में 6-7 6-7 से हार गई। इस तरह फिनलैंड ने मुकाबले में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली। प्रजनेश गुणेश्वरन और रामनाथन दोनों शुक्रवार को अपने एकल मैच गंवा चुके थे जिससे मुकाबले में बने रहने के लिए भारतीयों को युगल मुकाबला जीतने की जरूरत थी। अब उलट एकल मैच महत्वहीन हो गए हैं। हेलियोवारा को कोर्ट पर चारों खिलाड़ियों में सबसे कमजोर माना जा रहा था लेकिन उन्होंने अपने खेल में कई गुना सुधार किया और मैच के नतीजे को प्रभावित किया।

वहीं दूसरी ओर भारतीय जोड़ी ने जब बढ़त बनाई हुई थी, तब इसे गंवा बैठी। उन्होंने दूसरे सेट में आठ गेम में चार ब्रेकप्वाइंट गंवाए। जबकि इनमें जीतने से उन्हें मेजबान जोड़ी पर दबाव बनाने का मौका मिल जाता। पहले सेट में 3-3 की बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने हेलियोवारा की सर्विस पर आक्रामकता दिखाई। पर रामकुमार की डबल फॉल्ट और नेट पर वॉली गलती का फायदा उठाते हुए फिनलैंड की जोड़ी सेट टाई ब्रेकर के बाद अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी बोपन्ना लगातार असहज गलतियों के कारण अपनी सर्विस गंवा बैठे। यह सेट भी टाई ब्रेकर तक पहुंचा जिसमें फिनलैंड के खिलाड़ी हेलोवारा ने 5-2 पर शानदार फारहैंड से पहला मैच प्वाइंट हासिल किया और फिर रामकुमार अगले प्वाइंट में रिटर्न नहीं कर सके जिससे फिनलैंड ने मुकाबले में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली। प्रजनेश शुक्रवार को अपने से निचली रैंकिंग खिलाड़ी से हार गए जबकि रामकुमार रामनाथन को भी दूसरे एकल में पराजय झेलनी पड़ी। शुक्रवार को पहले मैच में विश्व रैंकिंग में 165वें स्थान पर काबिज प्रजनेश को रैंकिंग में काफी नीचे के खिलाड़ी ओटो विर्तानेन (419वीं रैंकिंग) से एक घंटे 25 मिनट तक चले मैच में 3-6, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। रामकुमार रामनाथन (187वीं रैंकिंग) ने दूसरे मैच में फिनलैंड के नंबर एक खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी को कड़ी चुनौती पेश की लेकिन वह विश्व रैंकिंग में 74वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी से 4-6 5-7 से हार गए। भारत को अच्छा ड्रा मिला था जिसमें प्रजनेश निचली रैंकिंग के खिलाड़ी से खेल रहे थे लेकिन विर्तानेन ने आसान जीत हासिल की। रामकुमार ने अपने प्रतिद्वंद्वी की चुनौती से पार पाने के लिए कुछ कोशिशें की लेकिन वह भारत को बराबरी पर नहीं ला सके। प्रजनेश की हार काफी निराशाजनक थी क्योंकि उनके सामने काफी कम अनुभवी खिलाड़ी था जिसने इससे पहले केवल एक डेविस कप मैच जीता था।